जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 22 मार्च, 2026

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

NAVRATRI
—Special Products—

FIXED PRICE

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल
- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- अमचूर पाउडर
- सेंधा नमक
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- गुड़
- गुड़ पाउडर

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- फ्लेवर्ड मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- अजवाइन
- राई
- हींग
- ब्लेंडेड मसाले
- सोया चंक्स
- रोस्टेड चना
- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS · SUPERMARKETS · QUICKCOM/ECOM

WEBSITE · WHATSAPP · APP · TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

आयुर्वेदाचार्यों के ज्ञान को प्राथमिकता दीजिये

इंटरनेट ने आयुर्वेद पर समाचारों, सूचनाओं और नुस्खों का ऐसा विशाल बाज़ार खड़ा कर दिया है कि आप उससे बच नहीं सकते। वस्तुत: इन्टरनेट, ब्लॉगिंग और सोशल मीडिया द्वारा उत्पादित भीड़-ज्ञान ने पत्रकारिता का ऐसा लोकतंत्रीककरण किया है कि भीड़ोत्पादित इस ज्ञान में प्रमाण-आधार की खोज बहुत कठिन होती जा रही है। विशेषकर, औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचार आयुर्वेद की प्रमाण-आधारित विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। आज की चर्चा का मूल उद्देश्य यह बताना है कि जब सोशल-मीडिया द्वारा उत्पादित भीड़-ज्ञान आयुर्वेद के यथार्थ-ज्ञान को लील रहा हो तो आयुर्वेदाचार्यों का सहारा लेना ही उचित और कल्याणकारी होता है।

इन्टरनेट ने विशाल जनसंख्या के मध्य उपलब्ध दृष्टिकोणों की विविधता को लोगों तक पहुँचाने का अभूतपूर्व कार्य किया है। यह कार्य अकेले कोई भी मीडिया मानव इतिहास में कभी नहीं कर पाया था। लेकिन, इन्टरनेट दुधारी तलवार है। स्वार्थवादियों द्वारा जानबूझकर स्वहितसाधक सनसनीखेज झूठ और सूचनाओं के प्रचार का एक सर्वोत्तम वैश्विक मंच भी आज इन्टरनेट के रूप में मिल गया है। स्वास्थ्य लाभ के लिये वैज्ञानिक जानकारी युक्तिव्यपाश्रयी चिकित्सकीय योगों के निर्धारण में आवश्यक है। लेकिन सर्वश्रेष्ठ क्या है, इसकी आम लोगों द्वारा गलत व्याख्या कर लेने का खतरा तब और भी अधिक बढ़ जाता है जब साँच-झूठ बराबर लोकप्रिय हो रहे होते हैं। यह समस्या आज इसलिये भी बढ़ गयी है क्योंकि भगदड़ वाली जीवनशैली के कारण प्रकाशित सामग्री की सटीकता और सुस्पष्टता सुनिश्चित करने के लिये समय का अभाव है।

आयुर्वेद चमत्कार नहीं अपितु आहार, विहार, रसायन, और औषधियों का का सम्पूर्ण जीवनोपयोगी विज्ञान है। आजकल सोशल मीडिया और विज्ञापनों में आयुर्वेद के ऐसे नुस्खों की भीड़ है जो रामबाण, चमत्कारी, शर्तिया, अचूक, गुप्त इलाज़ आदि नाम से बिक रहे हैं। साथ में प्रलोभन यह भी रहता है कि लाभ न मिले तो पैसा वापस लीजिये। इन लोक-लुभावन परन्तु भ्रामक और अवैज्ञानिक दावों ने एक ओर आम आदमी को असमंजस में डाल रखा है, वहीं दूसरी ओर इन्हें बनाने और बेचने वाले चाँदी काट रहे हैं। आयुर्वेदिक औषधियों के संदर्भ में इस प्रकार के दावों से आयुर्वेद का जितना नुकसान हुआ है, उतना शायद ही कभी और हुआ हो।

वैसे तो शिक्षा के प्रसार के साथ ऐसे दावों के प्रति आमजन में संदेह और सजगता बढ़ी है, लेकिन इस व्यक्तिगत संदेह ने समूची आयुर्वेद चिकित्सा पद्धित को ही संदेहास्पद बनाना शुरू कर दिया है।

समस्या का केवल एक ही निदान है कि आप ऐसी जानकारी पर भरोसा कर लेने के बजाय उत्तम आयुर्वेदाचार्य की सलाह लीजिये। ख्याल रखिये, जिन लोगों द्वारा चमत्कार के दावे किये जाते हैं, उनका प्राय: आयुर्वेद से धन कमाने के अतिरिक्त और कोई लेना-देना नहीं रहता है।

गलाकाट प्रतिस्पर्धा में भिड़ी हुई फार्मेसियाँ बाकी कसर निकाल देती हैं जो उनकी औषधियों के चमत्कारी होने का दावा करती हैं। उदाहरण के लिये, चार राज्यों में आयुर्वेद की औषधियाँ बेचने वाली कुछ दुकानों में सबसे महंगी आयुर्वेदिक औषधि की उपलब्धता पूछे जाने पर उत्तर में जिन औषधियों के नाम आये, उनमें सबसे विस्मयकारी तो एक ऐसा रसायन मिला जिसके आधा किलोग्राम वजन वाले डिब्बे की कीमत 9900 रुपये से अधिक थी। इसके अलावा सैक्स और ब्यूटी के बाजार में आयुर्वेद के नाम पर कई गोपनीय औषधियाँ भी छायी हुई हैं, जो 5000 से 7000 रुपये प्रति पैक धड़ल्ले से बिकती हैं। जाने-अनजाने कई वास्तविक आयुर्वेदाचार्य भी गलती कर बैठते हैं, जब रोगी को परामर्श व औषधि-निर्धारण करते हुये प्राय: यह कह देते हैं कि इस औषधि का इस रोग में चमत्कारी प्रभाव है।

एक बार पुन: यह बताना आवश्यक है कि चमत्कार और विज्ञान का आपस में पुश्तैनी बैर है। चमत्कार के लिये कारण और प्रभाव को स्थापित करने की कोई सार्वभौमिक, सैद्धान्तिक या प्रायोगिक बाध्यता नहीं है। ड्रग एंड मैजिक रेमेडीज (ऑब्जेक्शनेबल एडवरटाईजमेंट) एक्ट, 1954 ऐसी औषधियों के विज्ञापनों का निषेध करता है, जो चमत्कारी प्रभाव का दावा करती हैं। यह एक संज्ञेय या हस्तक्षेप्य अपराध है। तात्पर्य यह हुआ कि ऐसे प्रकरण में पुलिस बिना किसी न्यायालय की अनुमति के दखल कर सकती है। ऐसी 54 बीमारियों से संबंधित चिकित्सा, निदान या रोकथाम हेतु चमत्कारी दवा से संबंधित विज्ञापनों पर अभी प्रतिबंध है। इस वैधानिक स्थिति के बावजूद कैंसर, बहरापन, मधुमेह, बन्ध्यापन, नाड़ीतंत्र, पौरुष-ग्रंथि, मिर्गी, पथरी, गेंगरीन, लकवा, कुष्ठ, मोटापा, अस्थि-रोग, नामर्दगी, यक्ष्मा आदि जैसी अनेक बीमारियों के बारे में टेलीविजन, अखबार एवं सोशल मीडिया में चमत्कारी दावे आज भी किये जाते हैं। इनसे सावधान रहना आवश्यक है। रामबाण शब्द का हिंदी में प्रयोग देखने पर गूगल सर्च में 7.82 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। अंग्रेजी में मैजिक और आयुर्वेद खोजने पर लगभग 9.0 लाख सन्दर्भ आते हैं। इसी प्रकार रामबाण इलाज के 2.92 लाख सन्दर्भ, रामबाण दवा के 1.29 लाख सन्दर्भ, और रामबाण आयुर्वेदिक दवा के 1.36 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। यदि चमत्कार एवं आयुर्वेद खोजें तो 1.34 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। इसके विपरीत, प्रमाण-आधारित आयुर्वेदिक चिकित्सा, या आयुर्वेद के मैजिक की साइंस खोजने पर 200 के अन्दर सभी सन्दर्भ सिमट जाते हैं। आयुर्वेद में चमत्कार किये जाने के दावे उन रोगों के लिये तो हैं ही जिन्हें असाध्य माना जाता है, परंतु बूढ़े को जवान बनाने, गोरा रंग व सुदर्शन काया प्राप्त करने, और नामर्द में मर्दानगी बढ़ाने के चमत्कारिक नुस्खे भी कोई कम नहीं हैं।

आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, चमत्कार नहीं। आयुर्वेदिक औषधियां भी अचूक, रामबाण या चमत्कारिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुरूप ही प्रभावी या उपयोगी होती हैं। वस्तुतः आयुर्वेद एक प्रमाण-आधारित, विस्तृत, प्रभावी, समग्र और संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है जिसके द्वारा स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी का रोगोपचार होता है।

वास्तविकता को तीन स्तरों पर देखा जाना आवश्यक है। पहली बात यह है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चमत्कारिक चिकित्सा जैसा कोई पाठ पढ़ने में नहीं आता। दूसरा, आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों में भी इस प्रकार के हाथों-हाथ चमत्कार का कोई प्रमाण नहीं मिलता। और, अंतत: आयुर्वेदाचार्यों के अनुभवजन्य-ज्ञान में भी चमत्कार के कोई लिखित व शोधपरक प्रमाण नहीं मिलते, भले ही उनमे से कुछ ने इस शब्द को त्रुटिवश बार-बार उपयोग करने की आदत डाल ली हो।

आयुर्वेद में सबसे पुराने ग्रन्थ चरकसंहिता एवं सुश्रुतसंहिता की भाषायी व्यवस्था प्राय: आधुनिक काल के वैज्ञानिक शोध-पत्रों की तरह संयमित एवं मर्यादित है। यही बात आचार्य वाग्भट के अष्टांग हृदय पर भी लागू होती है। यहां तक कि 13वीं शताब्दी में लिखी गई शारंगधरसंहिता या बाद के काल में आचार्य चक्रपाणिदत्त द्वारा लिखे गये चिकित्सा ग्रन्थ चक्रदत्त में कहीं-कहीं भाषायी अलंकार अवश्य परिलक्षित होता है, तथापि चमत्कार जैसे शब्दों से उन्होंने भी उचित और सम्मानजनक फ़ासला बनाये रखा। संहिताओं के ऐसे श्लोक, जो चमत्कार के नजदीक जाते हुये परिलक्षित होते हैं, वे भी हमारे द्वारा भाषा की समझ के फेर के कारण ही होगा, अन्यथा संहिताओं के प्रत्येक योग का विस्तृत वर्णन एवं संबंधित औषधि की फलश्रुति में चमत्कार शब्द का प्रयोग नहीं हुआ। इनमें रोग-निदान एवं चिकित्सा, आहार-विहार, रसायन एवं औषधि के साथ पथ्य-अपथ्य का विस्तृत वर्णन मिलता है। चरकसंहिता के संपूर्ण चिकित्सा स्थान और उस पर दिग्गज आचार्यों जैसे चक्रपाणि, गंगाधर आदि द्वारा की गई टीकाओं में भी चमत्कार शब्द के दर्शन नहीं होते हैं। इनमें चिकित्सकीय योगों और औषधियों, उनसे जुड़ी संपूर्ण जानकारी तथा प्रभाविता के लिये तुलनात्मक जानकारी का ऐसा वर्णन है जिन्हें आज भी विज्ञान-सम्मत माना जाता है। संहिताओं में तो इस हद तक सावधानी बरती गई है कि जिन प्रकरणों में अतिशयोक्ति अलंकार है, उनमें आचार्यों ने प्राय: ऐसा इंगित भी कर दिया है या सुनी-सुनाई होने का संकेत कर दिया है। यहाँ तक कि भैषज्य रत्नावली नामक ग्रन्थ में जहाँ एक योग का नाम रामबाण रस है, उपमा के बावजूद उसका वर्णन भी तार्किक और मर्यादित है।

इन परिस्थितियों में ध्यान रखने योग्य सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, चमत्कार नहीं। आयुर्वेदिक औषधियां भी अचूक, रामबाण या चमत्कारिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुरूप ही प्रभावी या उपयोगी होती हैं। वस्तुत: आयुर्वेद एक प्रमाण-आधारित, विस्तृत, प्रभावी, समग्र और संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है जिसके द्वारा स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी का रोगोपचार होता है।

आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, आय का नहीं। पर समय तेजी से बदल रहा है, और यह आयुर्वेद के लिये अच्छा ही है, बशर्ते बात प्रमाण-आधारित आयुर्वेद की हो रही हो। बात यदि भयंकर से भयंकर एसिडिटी चुटकी बजाते ही गायब कर दिये जाने की हो तो इसे झांसेबाज़ी ही समझिये। प्राचीन भारतीय साहित्य का सहारा लें तो यह कहना समीचीन होगा कि रामबाण केवल रामजी के पास ही है, और उसका प्रयोग भी केवल उन्ही के बस की बात है। औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचारी दावा प्रमाण-आधारित आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की वैज्ञानिकता और विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। लोगों को स्वविवेक का प्रयोग करते रहना चाहिये और किसी बहकावे में नहीं आना चाहिये। आयुर्वेद को चमत्कार नहीं, अपितु विशिष्ट विधियों एवं सिद्धांतों से युक्त एक उत्कृष्ट चिकित्सा विज्ञान समझने में ही व्यक्ति, समाज और अर्थव्यवस्था की भलाई है।

समस्या असली आयुर्वेदाचार्य को छाँटने की भी कम नहीं है। किसी भी शहर में वास्तविक और असली बैचलर ऑफ़ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी की उपाधि वाले आयुर्वेदाचार्यों के अलावा विविध उपाधियों के बोर्ड लगे वैधजी, वैध्यजी, वेदकाचार्य, वेदजी, वेधजी आदि भी खूब फल-फूल रहे हैं। ये सब छद्मायुर्वेदाचार्य हैं। ऐसी स्थिति में ध्यान रखिये, विधिवत आयुर्वेद की शिक्षा प्राप्त बेचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसन एंड सर्जरी, मास्टर आफ आयुर्वेदिक मेडिसिन, आयुर्वेद में डॉक्टर ऑफ फिलोसफी जैसी उपाधियाँ ही मान्य हैं। वास्तविक और मान्य उपाधियों से रहित कोई भी व्यक्ति चिकित्सा करता है तो वह चिकित्सकीय दुष्कर्म है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त;वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

भारत को ईरान-अमेरिका की रमजान और नववर्ष की गिफ्ट

रामनिवास बैरवा

अनेक प्रकार के उतार-चढ़ाव के दावों के साथ अमेरिका-ईरान का युद्ध जारी है। अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद पर भारत पर पाबंदी लगाई थी, और ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से पूरे अरब देशों से तेल-गैस के टैंकरों को गुजारना बंद कर दिया। लेकिन अमेरिका ने रूस से 30 दिनों तक तेल खरीदी की भारत को छूट देकर होली के त्यौहार पर जहाँ वसन्त के नववर्ष का उपहार दिया है, वहीं ईरान ने भी भारत के दो गैस टैंकरों को होरमुज जलडमरूमध्य से गुजर जाने की छूट देकर होली और रमजान महिने का उपहार दिया है। इन दो एल.पी.जी. कंटेनर जहाजों के अलावा अभी भी (18 मार्च, 2026 को) भारतीय झंडे के 22 जहाज और 611 नायिक होर्मुजस्ट्रेट में फंसे पड़े हैं। इनमें 06 एल.पी.जी. के, एक एल.एन.जी. का और 04 कच्चे तेल के कंटेनर-जहाज शामिल है। इसे कूटनीतिक असकलता कहें या दो कंटेनरों को रास्ता देने-दिलाने का श्रेय लेने वालों का बड़बोलापन। क्योंकि बाकी के जहाजों को छोड़ने के लिए ईरान ने भारत के सामने शर्त रखी है कि अमेरिका के द्वारा लगाई गई पाबंदियों के अनुसार भारत के मुंबई में रोककर रखे गये तीन ईरानी जहाजों को छोड़ा जाये।

अमेरिका ने वसंत का उपहारदेने के साथ ही कहा दिया है कि वह... चीन की गलती भारत में नहीं दोहरायेंगे। यानि कि जो योजनाएं चीन से शिफ्ट होने वाले उद्योगों के लिए पलक-पावड़े बिछाने के लिए बनाई जा रही थी, वे व्यवहार में आने से पहले ही खतम कर दी गई हैं।

यह कोई आज की बात नहीं है। 1947 में, जब से भारत के नेताओं ने भारत के शासन की बागडौर सम्भाली है, तब से ही अमेरिका, ब्रिटेन आदि देश भारत को नेताओं को विश्वसनीय नहीं मानते हुए यहां पूंजी निवेश या औद्योगिक निवेश नहीं कर रहे थे। और आज भी यहां निवेश नहीं कर रहे हैं। एफ.डी.आई और एफ.आई.आई. भारतीय शेयर बाजार के माध्यम से किया जा रहा है जो कि शेयरबाजार में तेजी लाने के साथ-साथ महंगाई, मुद्रास्फीति को साथ लाते हैं।फिर शेयरबाजार में बिकवाली करके बनावटी गिरावट लाई जाते है और विदेशी पूंजी निकालकर उसे डॉलरों में विदेशों में भेज दी जाती है। इस प्रकार अमेरिका या विदेश में ब्याज से कम आमदनी के मुकाबले एफ.डी.आई. और एफ.आई.आई से कहीं ज्यादा कमाई की जाती है। भारत कोई नाम में महंगाई और मुद्रास्फीति मिलती है।

2014 में छपी मेरी पुस्तक "अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और भारतीय अर्थव्यवस्था" में मैंने एक पूरा अध्याय 'चीन की चर्चा' का लिखा था। उसी के क्रम में 2019 में मेरी उसी कड़ी की दूसरी पुस्तक "अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी का साम्राज्य" छपी थी जिसमें मैंने "राजनीतिक पुनर्गठन, प्रतिद्वंदिता-विश्वव्यापी वित्तीय पूंजी के सिंडिकेट, पेट्रोडॉलर और अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और भारत के अलावा साम्राज्य के लिए एक और युद्ध की तैयारी" जैसे अध्याय शामिल किये थे। उसमें यह व्यक्त किया था कि अमेरिका और यूरोपीय देश भारत के राजनीतिक और सामाजिक माहौल को देखते हुए यहां पूंजी निवेश नहीं करेंगे, यहां तक कि मध्यपूर्व के इस्लामिक देश भी भारत में पूंजी निवेश के लिए आगे नहीं आयेंगे, बल्कि चीन के साथ सहयोग करने से ही भारत की औद्योगिक प्रगति होगी। अमेरिका द्वारा चीन से उतारे गये कफन से भारत के वस्त्र नहीं बनेंगे, यह बात समझ लेनी चाहिए। अमेरिका के साथ चाहे कितनी भी अच्छी ट्रेड डील कर ली जाये, यूरोपियन यूनियन से चाहे कैसी भी फ्री-ट्रेडडील कर ली जाये, उनसे भारत में औद्योगिक विकास नहीं होगा, सिर्फ व्यापार ही बढ़ेगा। कभी सोवियत संघ ने भारत में भारी उद्योग लगाने से वित्तीय, तकनीकि और कलपुर्जे देकर सहायता की थी, उसी प्रकार आज चीन तकनीक, कलपुर्जे और वित्तीय से भारत के विकास की नींव डालेगा, अमेरिका या यूरोप नहीं।

प्रसंगवश, यह बताना भी सही होगा कि ब्रिटेन और अमेरिका आपस में चिर सहयोगी होने के बावजूद दोनों एक-दूसरे पर विश्वास नहीं करते। कारण उनके भूतकाल में है। अमेरिका के ब्रिटेनवासी ब्रिटिश साम्राज्य से विद्रोह करके ही अमेरिकी बने हैं; ब्रिटेन इस टीस को कभी नहीं भूल सकता, जैसे भारत पाकिस्तान और बांग्लादेश के अस्तित्व से अभी तक भी खफा है। दूसरा यह कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन, फ्रांस एवं अन्य यूरोपीय देशों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए अमेरिका ने जो सहायता देनी थी, वह ब्रिटेन के माध्यम से ही दी थी, लेकिन ब्रिटेन ने अन्य देशों को उनकी पूरी सहायता राशि नहीं दी थी। इससे भी अमेरिका एवं अन्य यूरोपीय देशों में ब्रिटेन की विश्वसनीयता वैसी नहीं है जैसी की होनी चाहिए। यही कारण है कि ब्रिटेन यूरोपियन यूनियन से अलग हो गया और अपनी मुद्रा पौंड-स्टर्लिंग के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी की दौड़ में बना बैठा है। उधर रूस और चीन के आपसी तालमेल को सहयोग कहना गलत है।

उन दोनों देशों में खुश्चेव के जमाने से लेकर ब्रेझनेव तक काफी तन-तनी रही है, और आज चीन रूस से आगे है तो आपसी तालमेल हैं अन्यथा रूस की नियत यूक्रेन में देखी जा सकती है। लेकिन ब्रिटेन को पता होना चाहिए कि बीती बहारें फिर से नहीं आयेंगी, खलीफाओं का साम्राज्य ना तो तुर्किये में बन पायेगा, ना ही तेहरान में। इनमें जो भी मिलता है, इनसे जो भी रियायतें मिलती है, यह भारत की खामोशी का मूल्य ही माना जायेगा। दुर्भाग्य से, भारत को दिवाली की गिफ्ट देने वाला दुनिया में कोई भी देश नहीं है। दिवाली की गिफ्ट तो केवल भारत की जनता ही दे सकती है, भारत की मानवपूंजी ही दे सकती है, वह भी तब, जबकि मानवपूंजी के समकक्ष का आपसी सहयोग हो।

-रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीस भविष्य निधि आयुक्त

इंतजार के 200 साल : जैसलमेर की वो शाही गणगौर जो आज भी अपने ईसर के बिना अधूरी है

अचलदास डांगरा

राजस्थान अपनी गौरवशाली परंपराओं और उत्सवों के लिए विश्वभर में विख्यात है, लेकिन स्वर्णनगरी जैसलमेर की शाही गणगौर का इतिहास जितना भव्य है, उतना ही भावुक भी। जहाँ पूरे प्रदेश में ईसर-गणगौर (शिव-पार्वती) की जोड़ी की पूजा होती है, वहीं जैसलमेर में माता गणगौर की सवारी पिछले दो शताब्दियों से अकेली ही निकल रही है।

इतिहासकारों के अनुसार, आज से लगभग 200 वर्ष पूर्व रियासत काल में जैसलमेर और बीकानेर के बीच सीमा विवाद चल रहा था। एक बार गणगौर की तीज पर जब शाही लवाजमा गड़ीसर सरोवर पर माता को पानी पिलाने पहुँचा, तो बीकानेर के सैनिकों ने अचानक आक्रमण कर दिया। जैसलमेर के योद्धाओं ने वीरता दिखाई और गणगौर माता की प्रतिमा को तो बचा लिया, लेकिन वे भगवान ईसर की प्रतिमा को नहीं बचा सके। बीकानेर की सेना ईसर जी को अपने साथ ले गई। इस ऐतिहासिक घटना के बाद, जैसलमेर के राजपरिवार और प्रजा ने निर्णय लिया कि वे अपनी मर्यादा और स्वाभिमान को झुकने नहीं देंगे। तब से यहाँ गणगौर की सवारी अकेले ही निकाली जाने लगी। आज भी यहाँ बिना ईसर के ही शाही गणगौर की पूजा होती है, जिसे स्थानीय लोग माता का अपने ईसर के प्रति अखंड इंतजार मानते हैं। वर्तमान में सोनार दुर्ग के त्रिपोलिया कक्ष में माता को बहुमूल्य वस्त्रों, हीरों और स्वर्ण आभूषणों से सजाया जाता है।

पूर्व महारावल और राजपरिवार के सदस्य सोनार दुर्ग के त्रिपोलिया कक्ष में माता की विशेष पूजा करते हैं। स्थानीय पुरुष महिलाए, युवक युवतियाँ भी गणगौर माता के दर्शन करते है। एक दशक पूर्व शाही लवाजमे के साथ ऊंटों, घोड़ों और ढोल-नगाड़ों के बीच माता की सवारी दुर्ग से गड़ीसर सरोवर तक निकलती थी। लोक संस्कृति का संगम: उस दौरान मार्ग में हजारों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक माता के दर्शन करते थे। महिलाएँ मंगल गीत गाती थी और लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करते थे।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जैसलमेर

गणगौर का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया, महिलाओं ने पूजा-अर्चना की

मसूदा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में शनिवार को गणगौर का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और अटूट आस्था के साथ मनाया गया। अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं और कन्याओं ने ईसर-गणगौर का विधि-विधान से पूजन किया।

पारंपरिक परिवेश में सजीं महिलाएं के मन में इस पर्व को लेकर सुबह से ही उत्सव का माहौल नजर आया। महिलाएं और युवतियां

- **महिलाओं ने अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना की**

पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा और आभूषणों में सज-धज कर आँखों पर फैंसी चश्मा, हाथों में मेहंदी और मंगल गीतों के साथ महिलाये स्थानीय सुभाष उद्यान पहुंची और वहां विभिन्न प्रकार के फूल पत्तियों से अपने कलश सजाएं और गाजे बाजे के साथ गणगौर के पारंपरिक गीत गाते हुए कलश लेकर घर पहुंची। महिलाओं ने समूह में एकत्र होकर गणगौर माता की पूजा कर, जल पिलाने, चूरमे का भोग लगाने और कथा सुनकर रस्म पूरी की। इस अवसर पर कई घरों में इशर गणगौर की विशेष सजावट कर स्थापित किया

पूजन के दौरान महिलाओं ने खेले गणगौर माता... जैसे पारंपरिक गीतों के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कई स्थानों पर समाज ने सामूहिक आयोजन किए गए, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने एक साथ पूजा-अर्चना की।

मसूदा उपखंड क्षेत्र में गणगौर का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और अटूट आस्था के साथ मनाया।

गौरैया संरक्षण का संदेश दिया

अजमेर, (निसं)। विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए शहर में चिड़ियों के लिए पानी के परिंडे और दाना रखने हेतु चुग्गा पात्र वितरित किए। इस अभियान के माध्यम से आमजन को गौरैया संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। डिस्ट्रिक्ट चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि गौरैया हमारे पर्यावरण, प्रकृति और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। तेजी से बदलते शहरी परिवेश के कारण इनकी संख्या में कमी आई है, जिसे बचाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि घरों में प्राकृतिक आवास, आश्रय, दाना-पानी की व्यवस्था कर ही हम इस नन्ही चिड़िया का अस्तित्व सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम के तहत वैशाली नगर स्थित बड़केश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को परिंडे एवं चुग्गा पात्र वितरित किए गए। साथ ही लोगों से अपील की गई कि वे नियमित रूप से अपनी छत या मुंडेर पर इन पात्रों में पानी और दाना भरें, जिससे पक्षियों को राहत मिल सके।

राशिफल रविवार 22 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, भरणी नक्षत्र रात्रि 10:43 तक, वैधृति योग दिन 3:41 तक, वणिज करण दिन 10:37 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 10:43 तक है। ज्चालामुखी योग रात्रि 9:17 से रात्रि 10:43 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:03 से 9:33 तक, लाभ अमृत 9:33 से 12:34 तक, शुभ 2:04 से 3:34 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:33, सूर्यास्त 6:35

मेष
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिवार में मनोरंजन पर धन खर्च हो सकता है।

वृष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कर्क
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
आज परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

तुला
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु
आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन का माहौल रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
घर/परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 227 प्रभात जयपुर, रविवार 22 मार्च, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Vanilla Cultivation Began On The Isle of Réunion

Story of the modern trade in vanilla, the supremely fragrant 'bean' that is, among spices, second only to saffron in value on the global market

A Bronze Head Purposefully Buried

Du Bois Saw This and Everything Changed Forever

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव, ''प्रॉक्सी वॉर'' बना राजस्थान के वरिष्ठ नेताओं के लिए

डोटासरा ने अभिषेक चौधरी को अपने उम्मीदवार के रूप में अपनाया है। डोटासरा के इस उम्मीदवार को पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चांदना का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। राजस्थान कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने समर्थक अभिषेक चौधरी के जरिए यूथ कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में कदम रख दिया है।

यदि अभिषेक जीतते हैं, तो डोटासरा यह दिखा पाएंगे कि वे अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों से आगे हैं और राजस्थान युवा कांग्रेस पर उनका नियंत्रण है।

डोटासरा ने कई जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की है और उम्मीद है कि उनके प्रभाव का इस्तेमाल कर अभिषेक के लिए वोट और समर्थन जुटाया जाएगा। पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चांदना ने भी डोटासरा का समर्थन किया है।

दिलचस्प बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस पूरे घटनाक्रम में कहीं नज़र नहीं आ रहे हैं और ऐसा लगता है कि उन्हें नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। कोई भी उम्मीदवार गहलोत का समर्थन हासिल करने की कोशिश करता नहीं दिख रहा है। सवाल उठ रहा है कि क्या राजस्थान कांग्रेस में अशोक गहलोत का प्रभाव अब कम हो गया है, क्योंकि उनके कई करीबी नेता उनका साथ छोड़ चुके हैं।

वहीं, सचिन पायलट ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। हालांकि अटकलें हैं कि चुनाव लड़ने वाले तीन संभावित उम्मीदवार उनके खेमे से हो सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अशोक गहलोत की यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में अभी तक नगण्य सी भूमिका है।
- सचिन पायलट ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। पर, बाकी गंभीर उम्मीदवार, अनिल चोपड़ा, मुकुल खींचड़ अपने आप को सचिन पायलट का उम्मीदवार होना बता रहे हैं। सीकर के राजकुमार परसवाल भी उम्मीदवार हैं, ऐसा कहा जा रहा है कि सीकर के वरिष्ठ नेता सीताराम लाम्बा के मार्फत गहलोत, परसवाल को अपना उम्मीदवार जता रहे हैं।
- ऐसा माना जा रहा है कि डोटासरा अपने उम्मीदवार अभिषेक को जितवाकर आगामी विधानसभा चुनाव की ज़मीन तैयार कर रहे हैं, क्योंकि यह आम धारणा है कि जो व्यक्ति यूथ कांग्रेस अध्यक्ष पर अपना नियंत्रण दिखा सकेगा, वह कांग्रेस की प्रदेश की भावी राजनीति पर अपना शिकंजा कस सकेगा। डोटासरा अभिषेक चौधरी को जितवाकर यह साबित करना चाहते हैं कि वे गहलोत व पायलट के समकक्ष नेता हो गए हैं, क्योंकि युवा शक्ति उनके साथ है।

राज्यों को 20 प्रतिशत ज्यादा एलपीजी मिलेगी

नई दिल्ली, 21 मार्च। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को बड़ी राहत दी है। इस संबंध में मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि 23 मार्च 2026 से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20 प्रतिशत ज्यादा गैस दी जाएगी।

यह जो अतिरिक्त 20 प्रतिशत गैस दी जाएगी, उसका प्रयोग चुने गए सेक्टरों के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के मुताबिक, यह सप्लाई मुख्य रूप से ढ ाबों, होटलों, रेस्टोरेंट और इंडस्ट्रियल कैंटीन को दी जाएगी। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खान-पान की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर संकट का असर कम से कम से कम हो।

प्रवासी मजदूरों की जरूरतों का भी मंत्रालय ने ध्यान रखा है। पत्र के मुताबिक 5 किलो वाले फ्री ट्रेड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एलपीजी संकट के बीच केन्द्र सरकार ने नई व्यवस्था घोषित की, जो 23 मार्च से लागू होगी।

ईरान ने 4000 किलोमीटर दूर अमेरिकी ''बेस'' डिएगो गार्सिया को निशाना बनाया

हालांकि, इस मिसाइल हमले से ''एयर बेस'' को क्षति नहीं पहुंची, पर, खाड़ी युद्ध का आयाम बदल गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। ईरान ने अमेरिका-इज़रायल गठबंधन के साथ चल रहे युद्ध को पश्चिम एशिया से बहुत दूर, करीब 4,000 किलोमीटर दूर, हिंद महासागर के डिएगो गार्सिया द्वीप तक फैला दिया है। ईरान की मिसाइलों की इतनी लंबी मारक क्षमता ने पश्चिम के सैन्य हलकों को चौंका दिया है और रणनीतिक विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया है

अब तक माना जाता था कि ईरान के पास 1250-1300 किलोमीटर तक मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइलें ही हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान ने अपनी मिसाइल क्षमता को छिपाकर रखा था और इनके बारे में कम जानकारी दी थी।

ब्रिटेन ने हाल ही में अमेरिका को चागोस द्वीप समूह के डिएगो गार्सिया स्थित अपने एयरबेस का उपयोग ईरान पर हमले के लिए करने की अनुमति दी थी। इसके जवाब में ईरान ने इस एयरबेस को निशाना बनाकर अपनी मिसाइल शक्ति दिखाने की कोशिश की। हालांकि, ईरान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हालांकि, अमेरिका अभी भी अपने बड़बोलेपन से बाज नहीं आया तथा दावा करता रहा है कि ईरान पर विजय हासिल कर ली है, अतः अब युद्ध को ठंडा करना शुरु करेगा।
- पर, सच्चाई यह प्रतीत होती है कि बेबस अमेरिका अब किसी भी तरह खाड़ी युद्ध से भागना चाहता है।
- एक तरफ तो ईरान की मिसाइल की मार इतनी दूर तक होना तथा अमेरिका के आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-16 को ईरान द्वारा गिराने से अमेरिका ने ईरान की तरफ अपना रूख भी ढीला किया तथा ईरान को अपना तेल बेचने की ''इजाज़त'' दी। इस तरह ईरान का 140 मिलियन बैरल ऑयल, जिसकी कीमत लगभग 14 बिलियन डॉलन आंकी जाती है, अब बिक्री के लिए बाज़ार में आ गया है।
- झेंप मिटाने के लिए अमेरिका अब यह भी कह रहा है कि उसे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ की जरूरत नहीं है, क्योंकि इस रास्ते से एशिया व चीन का तेल आता है, अमेरिका का नहीं। पर, फिर भी वह आसानी से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ खुलवा सकता है, अगर कुछ देश उसका साथ दें।

हाई कोर्ट ने यूएनआई से दिल्ली मुख्यालय छीना

हाई कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने पत्रकारों को मुख्यालय से बाहर निकाला

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। पुलिस ने वकीलों और अधिकारियों के साथ शुक्रवार रात यहां यूएनआई समाचार एजेंसी के मुख्यालय को सील कर दिया, क्योंकि दिल्ली हाई कोर्ट ने उसे सरकारी जमीन से बेदखल करने का आदेश दिया। पत्रकारों को उस समय बाहर निकाल दिया गया, जब उनका काम का बहुत तेजी पर था।

अदालत ने कहा कि यूएनआई 45 वर्षों से अधिक समय तक इस मूल्यवान सार्वजनिक भूमि पर प्रभावी रुप से कब्जा जमाए हुए थी, जबकि वह भूमि आवंटन की शर्तों के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ रही।

पुलिस की यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के कुछ ही घंटों बाद हुई। दिल्ली हाई कोर्ट ने सेन्ट्रल दिल्ली में, कनॉट प्लेस से कुछ ही दूरी पर स्थित, चार दशक पहले यूएनआई को दी गई भूमि के आवंटन को रद्द करने का आदेश दिया था।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे यह आदेश पारित किया और यूएनआई की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने 29 मार्च 2023 के भूमि एवं विकास कार्यालय के पत्र को चुनौती दी थी। इस पत्र में सेन्ट्रल दिल्ली के रफी मार्ग स्थित 2,024 वर्ग मीटर भूमि के आवंटन को रद्द किया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जिस समय यह कार्यवाही हुई, उस समय पत्रकार काम में बहुत व्यस्त थे। ज्ञातव्य है कि इस ऑफिस से अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू की न्यूज़ एजेंसीज़ काम करती हैं।
- हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यूएनआई ने 45 साल से कीमती सरकारी ज़मीन पर कब्जा कर रखा है और आवंटन की शर्तों का पालन भी नहीं किया है, इसलिए यह भूखंड तुरंत वापस लिया जाए।
- भूमि विकास कार्यालय ने 29 मार्च को सैंट्रल दिल्ली के, 9, रफी मार्ग स्थित 2024 वर्ग मीटर के भूखंड का आवंटन रद्द कर दिया था। यूएनआई ने इसे कोर्ट में चुनौती दी थी, पर हाई कोर्ट ने यूएनआई की याचिका खारिज कर दी।

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति को फोन किया

नई दिल्ली, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन से शनिवार को टेलीफोन कर बातचीत की और ईद एवं नवरोज़ की बधाई दी। मोदी ने आशा व्यक्त की कि यह त्योहारों का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढ ांचे पर हालिया हमलों पर चिंता जताई और उनकी कड़ी निंदा की।

प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्र.मंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को ईद व नवरोज़ की शुभकानाएं दीं, पश्चिम एशिया शांति स्थापना के लिए वार्ता की।

नीतीश के बेटे निशांत होंगे जद (यू) के वर्किंग प्रैसिडैंट

नीतीश सम्राट चौधरी को अपना उत्तराधिकारी बनाने के संकेत पहले ही दे चुके हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जहां अपने उत्तराधिकारी के रूप में भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लेकर अपनी पसंद का संकेत साफ तौर पर दिया है, वहीं इस वरिष्ठ समाजवादी नेता ने वंशवादी राजनीति के प्रति अपना विरोध भी छोड़ दिया है, क्योंकि वे परोक्ष रूप से अपने बेटे निशांत कुमार को राज्य की राजनीति में आगे बढ़ा रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि नीतीश कुमार लगभग दो दशकों तक मुख्यमंत्री रहने के बाद, 9 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने से पहले, अर्थात अप्रैल के प्रथम सप्ताह में, अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।

कुमार, अपने गिरते मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रिपोर्टों के बावजूद, फिलहाल सक्रिय राजनीति छोड़ने के इच्छुक नहीं दिखते। वे चौथी बार भी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे, और ऐसे भी साफ संकेत हैं कि वे अपने बेटे निशांत के लिए कोई महत्वपूर्ण पद चाहते हैं।

सूत्रों के अनुसार, निशांत को जदयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा सकता है, तथा इस प्रकार वे संजय कुमार झा की जगह ले सकते हैं। इस पद के खाली होने की संभावना भी है। दरअसल हरिवंश नारायण सिंह का राज्यसभा कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है और चूंकि हरिवंश को दोबारा नामित नहीं किया गया है, इसलिए ऐसे संकेत हैं कि संजय कुमार झा को इस पद पर पदोन्नत किया जा सकता है।

नीतीश कुमार को रविवार को औपचारिक रूप से जदयू का निर्वाचित अध्यक्ष घोषित किए जाने की संभावना है, क्योंकि इस पद के लिये नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि कल है।

हालांकि जदयू के कुछ नेताओं द्वारा निशांत को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई थी, लेकिन यह माँग कुछ ज्यादा ही बड़ी मानी जा रही थी। हालाँकि ऐसे पर्याप्त संकेत हैं कि उन्हें बिहार की राजनीति में बड़ी भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है। यह भी संभावना है कि उन्हें बिहार की नई कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री बना दिया जाये।

निशांत भी इस दिशा में सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे हाल ही में जहानाबाद गए थे, जहां उन्होंने पूर्व सांसद अरुण कुमार और जदयू विधायक ऋतुराज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दो दशक तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार 9 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे और इससे पहले वे संभवतया बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।
- नीतीश के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लगातार बिगड़ने की खबरों के बावजूद भी वे सक्रिय राजनीति में बने रहना चाहते हैं और जद (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे।
- निशांत के वर्किंग प्रैसिडैंट बनने से संजय झा को यह पद छोड़ना पड़ेगा और चर्चा है कि उन्हें राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह के पद पर एडजस्ट किया जा सकता है। हरिवंश को इस बार राज्यसभा का टिकट नहीं मिला है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने ईद की शुभकानाएं दी

नई दिल्ली, 21 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए समाज में भाईचारा, सद्भाव एवं खुशहाली की कामना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर सभी देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को हार्दिक बधाई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तीनों नेताओं ने एक्स पर लिखी अलग-अलग पोस्ट समाज में भाईचारे, शांति व सद्भाव की कामना की।

साउथ पार्स में आग लगी तो भारत की इकॉनमी भी झुलसेगी?

फारस की खाड़ी में स्थित साउथ पार्स विश्व का सबसे बड़ा गैस फील्ड है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के साथ, फारस की खाड़ी में स्थित एक सुदूर गैस क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक शांत, लेकिन गंभीर चिंता बनकर उभर रहा है। साउथ पार्स, कतर के नॉर्थ फील्ड के साथ साझा एक विशाल समुद्री गैस भंडार का ईरानी हिस्सा है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि भले ही भारत सीधे ईरान से गैस नहीं खरीदता, लेकिन इसके आसपास का क्षेत्र अन्तर्राष्ट्रीय एलएनजी व्यापार के केन्द्र में है। यहां उत्पादन, शिपिंग या निवेशकों के भरोसे पर कोई भी खतरा जल्दी ही भारत की अर्थव्यवस्था, उद्योग और घरेलू बजट को प्रभावित कर सकता है।

भारत के लिए तत्काल खतरा गैस की आपूर्ति रुकने का नहीं, बल्कि कीमतों में तीव्र बढ़ोतरी का है। कतर, जिसका नॉर्थ फील्ड इसी बड़े भंडार का हिस्सा है, सन् 2024 में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक था और वैश्विक एलएनजी निर्यात का लगभग पांचवां हिस्सा कतर ही देता था। कतर का लगभग पूरा एलएनजी होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से होकर गुजरता है, जहां से 2025 में दुनिया के कुल एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत (करीब 112 अरब घन मीटर) गुजरता था। इससे साफ है कि साउथ पार्स, नॉर्थ फील्ड क्षेत्र केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय गैस व्यापार का केन्द्र है।

भारत के लिए इसका मतलब यह है कि एलएनजी की बढ़ती कीमतें सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगी। इसका असर उर्वरक की लागत, शहरों में गैस वितरण, उद्योगों के ईंधन खर्च और अंत में महंगाई पर पड़ेगा। भारत पहले से ही आयातित तेल और गैस पर बहुत ज्यादा निर्भर है, और सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश की ऊर्जा व्यवस्था में इनका कितना बड़ा महत्व है। भले ही गैस की सप्लाई जारी रहे, लेकिन युद्ध का जोखिम, बीमा लागत और बाजार में अटकलें भारत के आयात बिल को बढ़ा सकती हैं।

समस्या का एक और पहलू है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, 2025 में होर्मुज़ से गुजरने वाले एलएनजी का लगभग 90 प्रतिशत एशिया जा रहा था। यानी, सबसे पहले असर एशिया पर पड़ता है और भारत भी उसी दबाव वाले क्षेत्र में आता है। अगर खाड़ी के समुद्री रास्तों पर तनाव बढ़ता है, तो भारत को न केवल ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ सकता है, बल्कि अन्य एशियाई देशों के साथ गैस खरीदने की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ सकती है। खासकर ऐसे बाज़ार में, जहां वास्तविक आपूर्ति रुकने से पहले ही कीमतें तेजी से बदलने लगती हैं।

साउथ पार्स इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान की अपनी गैस व्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, इस क्षेत्र से होने वाला उत्पादन ईरान की घरेलू जरूरतों और निर्यात, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए भले ही संघर्ष सीधे एलएनजी व्यापार को न रोके, लेकिन साउथ पार्स के आसपास अस्थिरता पूरे क्षेत्र में ऊर्जा को लेकर चिंता बढ़ा सकती है। बाज़ार सिर्फ आपूर्ति में कमी पर नहीं, बल्कि संभावित जोखिम के डर पर भी प्रतिक्रिया देता है

नई दिल्ली के लिए इसका साफ सबक है। युद्ध प्रभावित खाड़ी क्षेत्र में भारत की कमज़ोरी केवल तेल तक सीमित नहीं रही। अब गैस, समुद्री रास्ते और आयातित ऊर्जा की लागत भी उतनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसके बड़े हिस्से पर ईरान का कब्जा है और कतर का नॉर्थ फील्ड भी इसी से सटा हुआ है। खाड़ी युद्ध में अमेरिका-इज़रायल ने इस गैस फील्ड को निशाना बनाने की धमकी दी है।
- इस क्षेत्र पर हमले से पूरे विश्व में लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) की आपूर्ति प्रभावित हो जाएगी। यह क्षेत्र एलएनजी व्यापार का अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र है।
- भारत, एलएनजी के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर है और अगर साउथ पार्स पर हमला हुआ तो भारत में एलएनजी के दाम आसमान छूने लगेंगे और यह भारत की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था को गर्त में धकेल सकता है।

'होर्मुज़ स्ट्रेट को बंद नहीं किया है'

तेहरान, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि उसने रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं किया है, बल्कि केवल कुछ चुनिंदा जहाज़ों पर प्रतिबंध लगाए हैं। विदेश मंत्री अब्बास अराघची के इस बयान ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्थिति को लेकर नया स्पष्टीकरण दिया।

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार जापान की क्योदो न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि होर्मुज़ स्ट्रेट खुला है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ईरान के विदेश मंत्री ने जापानी न्यूज एजेंसी को दिए इन्टरव्यु में कहा हम अपने सहयोगी देशों को रास्ता देने व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं।

संक्षिप्त

गणगौर की निकली भव्य सवारी

निवाई। गणगौर पर्व पर नगरपालिका के तत्वावधान में गणगौरी बाजार में मेले का आयोजन किया गया। शनिवार की शाम करीब 5 बजे बस स्टेण्ड पर नगरपालिका के पुराने भवन से परम्परागत रूप से गाजे-बाजे के साथ गणगौर माता की भव्य सवारी निकाली गई। गणगौर माता की सवारी में ईसर-गणगौर के जुलुस में सबसे आगे नगरपालिका के दो कार्मिक परम्परागत वेशभूषा पहनकर घोडी पर सवार होकर आगे-आगे चल रहे थे। उनके पीछे चार युवा सजी हुई ईसर-गणगौर की झांकी को कंधे पर लेकर चल रहे थे। जो मुख्य आकर्षण का केन्द्र था।गणगौर का जुलूस बस स्टेण्ड से परम्परानुसार रवाना होकर शहर के मुख्य मार्गो से होता हुआ बडा बाजार, बिलाला मार्केट व चौहटी बाजार होते हुए मेला स्थल गणगौरी बाजार पहुंचा। मेले को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेला स्थल पर खाद्य पदार्थो के ठेलों सहित दैनिक उपयोग की विभिन्न सामग्री की दुकानें सजी हुई रही। खाद्य पदार्थो के ठेलों पर लोगों की भीड़ रही। महिलाओं व बच्चों ने मेला स्थल पर लगी हुई दुकानों पर जमकर खरीदारी की।

रोजगार शिविर का आयोजन

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा निर्देशित युवा रोजगार नीति के तहत एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन नगर पालिका कार्यालय नारायणपुर में शनिवार को विधायक बानसूर देवीसिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य में किया गया। जिला रोजगार अधिकारी श्यामलाल साँटोलिया ने बताया कि शिविर का उद्घाटन विधायक देवीसिंह शेखावत द्वारा किया गया, शिविर में 5 कम्पनियों नें 550 रिक्तियों के साथ भाग लिया जिसमें 291 युवाओं को प्राथमिक रूप से चयनित करवाया गया, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र कोटपूतली द्वारा सुभाष मीणा निवासी ज्ञानपुरा को 7 लाख 86 हजार 452 का चैक विधायक देवीसिंह द्वारा डॉ. भीम राव अम्बेडकर दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना में प्रदान किया।

बैठक 22 को

फुलेरा। महात्मा ज्योतिबा फुले संस्था तहसील फुलेरा की ओर से आगामी 11 अप्रैल 2026 को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती को धूमधाम से मनाने के संबंध में विचार-विमर्श एवं कार्य विभाजन के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के महामंत्री भंवरलाल सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह बैठक 22 मार्च को शाम 5 बजे माली समाज शिव मंदिर प्रांगण, श्री रामनगर फुलेरा में आयोजित होगी। बैठक में संस्था एवं इसकी अधीनस्थ इकाइयों फुलेरा, सैनीपुरा तथा माली (सैनी) समाज संस्थान फुलेरा के सभी सदस्य, पदाधिकारी एवं समाज के प्रबुद्धजन, आमजन तथा मातृशक्ति को आमंत्रित किया गया है। साथ ही उन्होंने सभी से निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने की अपील की है।

शहीदी दिवस पर तिरंगा रैली कल

निवाई। भूतपूर्व सैनिक संगठन निवाई के तत्वावधान में 23 मार्च को शहीदी दिवस के अवसर पर तिरंगा रैली व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। संगठन के अध्यक्ष कैप्टन सीताराम गुर्जर ने बताया कि शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर आयोजित तिरंगा रैली 23 मार्च की सुबह 9:30 बजे नगर पालिका भवन जमात से रवाना होकर 80 फीट रोड स्थित शहीद स्मारक तक जाएगी। जहां श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होगा एवं वीरांगनाओं का सम्मान किया जाएगा।

अमन-चैन की दुआ मांगी

फुलेरा। सांभरलेक बाईपास रोड स्थित ईदगाह परिसर में शनिवार को मुस्लिम समाज ने ईदुलफितर की नमाज अदा की। जामा मस्जिद के शाही ईमाम ताज मोहम्मद ने नमाज पढ़ाई, इस मौके पर हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे। अब्दुल लतीफ कुरेशी ने बताया कि नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर मुल्क में अमन और चैन की दुआ मांगी गई।

तहसील ब्राह्मण सभा आज

कोटपूतली। तहसील ब्राह्मण सभा (ब्राह्मण समाज) की आम सभा अध्यक्ष नवरत्न शर्मा की अध्यक्षता में रविवार 22 मार्च को दोपहर 02.15 बजे भगवान श्री परशुराम मन्दिर प्रांगण में आयोजित की जायेगी।

पावटा में गाजे-बाजे व भव्य आतिशबाजी से निकली गणगौर माता की सवारी

पावटा। नगरपालिका पावटा प्रागपुरा मेनगरपालिका प्रशासन की ओर से गणगौर माता की सवारी बैण्ड-बाजो के साथ निकाली गई। शनिवार शाम पूर्व सरपंच राधेश्याम पंसारी, दौलतराम अग्रवाल, ब्राह्मण महासभा पावटा नगर पूर्व सुरेश शर्मा, पंडित सुरेश शर्मा, अग्रवाल महासभा पावटा अध्यक्ष बलदेव गोयल, विजय गुप्ता, हरि सैनी, दिनेश शर्मा, गिरधारी गोयल, कन्हैयालाल मीणा, सुरेश मीणा, मुरारी लाल मीण, चंद्रमोहन सैन, पुष्कर बंसल, विष्णु पटेल, प्रभु राठी, भैरू राठी, सीताराम टेलर, दिलीप गोयल, गिरधारी जितरवाल, पूर्व उप सरपंच गिरिराज बोहरा, नरेंद्र शर्मा, सुनील बोहरा, हिमांशु शर्मा, मोहित, भानु, अमित, शुभम, केशव, बिहारी, रविकांत, निशांत, सुरेंद्र, बंटी सहित जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने ईसर व गणगौर माता की पूजा-अर्चना कर माला पहनाई ।

पावटा प्रागपुरा में नगरपालिका प्रशासन की ओर से गणगौर माता की सवारी बैण्ड-बाजो के साथ निकाली।

कार्यक्रम के तहत जिसमे भवानी सिंह शेखावत व जयसिंह शेखावत ईशर को लेकर आये जहाँ बैंडबाजो व भव्य आतिशबाजी के साथ निकली गणगौर की सवारी जुलूस के रूप में शनिवार को शाम 5 बजे नवविवाहिताओ के घर से पूजा अर्चना के बाद प्रारंभ हुई जिसमे भवानी सिंह शेखावत व जयसिंह शेखावत ईशर को लेकर आगे आगे व पीछे पीछे बड़ी संख्या मे मौजूद महिलाएं शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए पावटा होली चौक पहुंची। जहां महिलाओं ने विराजित गणगौर की प्रतिमाओं पर कुंकुम काजल और मेहंदी के टीके लगाए ओर गौर-गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती आदि गीतों की स्वरलहरिया बिखेरी। महिलाओं ने जल, पुष्प, अगरू, अक्षत, मोली, धूप, दीप, नैवेद्य आदि के साथ पूजा भी की। महिलाओं ने शिव-पार्वती की कथा का वाचन किया। साफा, अंगरखी, धोती से सजी ईसर राजस्थानी चूंदड़ी व गोटा किनारी के लंहगे से सजी गौरी की प्रतिमाएं आकर्षक लग रह थी। जुलूस में महिलाए सजे-धजे परिधान में महिलाए सिर पर गणगौर की सवारी को लेकर भंवर म्हाने पूजण द्यो गणगौर, भंवर म्हाने खेलण द्यो गणगौर आदि मंगल गीत गाते हुए चल रही थी। होली पर्व से 16 दिनों तक गणगौर पूजने वाली हजारों किशोरियों, नवविवाहिताओं ने गणगौर माता की पूजा अर्चना कर किशोरियों ने अच्छे वर और नव विवाहिताओं ने अपने अमर सुहाग एवं परिवार में सुख समृद्धि की कामना की। गणगौर महोत्सव पर कस्बे के होली चौक में एकदिवसीय मेले का आयोजन हुआ। मेले में चाट, पकोड़ी, खिलोने की दुकानो पर नव विवाहिताओ सहित गणगौर पूजने वालीकिशोरियों व बच्चों की भीड रही। गणगौर महोत्सव का शनिवार को ईसर-गौरी की विदाई कुए में गणगौर का विसृजन के साथ समापन हुआ। वही महिलाओ के सबसे बड़े पर्व पर प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से व्यवस्था बिल्कुल दुरुस्त रही।

■ नवविवाहिताओं ने गणगौर का किया विसृजन

ट्रैक्टर चोरी का खुलासा

फुलेरा। फुलेरा थाना पुलिस को ट्रैक्टर चोरी के मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी के आरोपी को महज 3 दिन में गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किया गया ट्रैक्टर भी बरामद कर लिया। फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि 18 मार्च को परिवादी मंगलचंद गुर्जर निवासी झखोलड, थाना नरेना ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसका सोनालिका 750 ट्रैक्टर आकौदा क्षेत्र में पाइपलाइन कार्य के दौरान खड़ा था, जिसे 16 मार्च को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू व डीएसपी सांभरलेक के सुपरविजन में थानाधिकारी फुलेरा राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने सूचना संकलन व तकनीकी सहायता से कार्रवाई करते हुए आरोपी मनीष उर्फ कालू (24) निवासी मोराड़ी थाना बांदीकुई, जिला दौसा को डिटेन कर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी करना स्वीकार किया।

शाही ठाठ -बाठ से निकाली गणगौर की सवारी

शाहपुरा - क्षेत्र में शनिवार को लोक संस्कृति का पर्व गणगौर धूमधाम से मनाया गया। क्षेत्र में चारों ओर महिलाओं द्वारा चारों ओर गोर -गोर गोमति ईसर पुजे पार्वती सरीखे गीतों की गूंज सुनाई दी। इस दौरान शहर में नगरपरिषद ओर रानी रत्न कुमारी फाउंडेशन व पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गणगौर महोत्सव का आयोजन हुआ। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के दिशा निर्देशानुसार नगर परिषद की ओर से निकाली गई गणगौर की शाही सवारी मोती महल प्रांगण से हाथी,घोड़े,शाही बग्गी, कच्ची घोड़ी, कालबेलिया नृत्य,पंजाबी बैंड,ऊंट सवारी,चंग पार्टी, बाहुबली बैंड और आकर्षक आतिशबाजी के साथ रवाना हुई । शुभारंभ भाजपा युवा नेता देवायुष सिंह,नगर परिषद आयुक्त शुभम गुप्ता,नगर परिषद सभापति बंशीधर सैनी,दिलीप बन्ना,सुभाष जोशी,पार्षद रोशन बागड़ी,रविश खटाणा,दिनेश पलसानिया, नगर अध्यक्ष मालीराम सैनी,पुनित भगेरिया,केशव सैनी,अर्जुन लाल फौजी,श्यामसुंदर राज जोशी,किरण शर्मा आदि ने रवाना किया। जो डीजे की धुन व आतिशबाजी के साथ मुख्य बाजार,बिजली ग्रेड,पुराना दिल्ली रोड होते हुए हनुमंत निवास बाग पहुंची। वहीं दूसरी ओर पर्यटन विभाग के सहयोग से रानी रत्ना कुमारी फाउंडेशन की ओर से रावला मोती महल में गणगौर महोत्सव का आयोजन हुआ।

रानी रत्न कुमारी फाउंडेशन व पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गणगौर महोत्सव का आयोजन हुआ।

महोत्सव में राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा कालबेलिया,चरी नृत्य,मयूर नृत्य,घोड़ी नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों का भीड़ उमड़ी।इस दौरान लाखनी की घोड़ी ने प्रथम स्थान हासिल कर 5000 का पुरस्कार जीता।साथ ही हॉर्स इंडिया रॉयल इवेंट के संस्थापक डॉक्टर राव अजीत सिंह द्वारा विशेष घुडसवारी व हास शो का भी आयोजन हुआ। जिसे लोगों द्वारा काफी पसंद किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में रानी रत्ना कुमारी फाउंडेशन के सुरेंद्र सिंह,अधिराज सिंह,रत्ना कुमारी,डीगराज सिंह द्वारा महिला सशक्तिकरण शिक्षा एवं विकास, रोजगार एवं उद्यिमता सामाजिक सेवा व पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले कार्यकर्ताओं, खिलाड़ियों, महिला सोशल वर्करों आदि का भी सम्मान किया गया। अधिराज सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मेक इन इंडिया,विजन कैन लूप,आईटीआई पास आउट युवाओं को स्कर्ट बनाकर रोजगार व्यवस्था रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप का भी आयोजन हुआ। जिसमें एयर कंडीशन की लाइव डेमो स्टेशन,सेफ्टी अवेयरनेस तथा टूल्स एंड टैकल्स से संबंधित प्रैक्टिकल आदि की जानकारी दी गई।

■ लाखनी की घोड़ी ने प्रतियोगिता में बाजी मारी,कालबेलिया, चरी तथा माझी नृत्य की प्रस्तुति ने सबका मन मोहा

भगवती महामाया की आराधना से जीवन में व्याप्त विकार दूर होते है : धर्माचार्य डॉ.परमेश्वर गंगावत

दौसा (निसं.)। धर्माचार्य डॉ.परमेश्वर गंगावत ने भगवती चंद्रघंटाकी महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवती योगमाया राजराजेश्वरी मां दुर्गा चंद्रघंटा के आशीर्वाद से जीवन में व्याप्त नकारात्मक विचारो का परिहार सम्भव है। हुए पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरुशंकराचार्य जी के कृपापात्र शिष्य धर्माचार्य डा. परमेश्वर गंगावत शनिवार को दौसा शहर में आयोजित श्रीमद् देवीभागवत कथा ज्ञानयज्ञ तृतीय दिवस व्यासपीठ से बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवती राजराजेश्वरी समस्त नकारात्मक दुःखो का परिहार करने वाली है।

■ उन्होंने कहा कि भगवती राज राजेश्वरी समस्त नकारात्मक दुःखो का परिहार करने वाली है

देवीभागवत का श्रवण करने मात्र से व्यक्ति के समस्त नकारात्मक विचारों का नाश होता जाता है। आज कथा में नर नारायण वृतांत, कर्मगति निरूपण, मां भगवती प्राकट्यय, कृष्णावतार कथा के बारे में धर्माचार्य द्वारा बताया गया।

केदारनाथ के जूना अखाड़े के प्रमुख महाराज नारायण तोफानगिरी नागा महाराज एवं अवधूत संत तथा उपस्थित भक्त।

आज की कथा में केदारनाथ से पधारे जूना अखाड़े के प्रमुख महाराज नारायण तोफानगिरी नागा महाराज का अवधूत संतों के साथ कथा में समागम हुआ। कथा पांडाल में साक्षात हिमालय जैसी अनुभूति प्रतीत हो रही थी। ये ऐसे दुर्लभ संत थे जो मात्र 12 वर्ष में एक बार कुंभ मेले में ही निकलते है। इसके अलावा इनके दर्शन दुर्लभ है। यह सब कथा व्यास पूज्य धर्माचार्य डॉ परमेश्वर गंगावत के पावन आशीर्वाद से ही सम्भव हुआ कि देव नगरी दौसा में ऐसे दुर्लभ संतों का आगमन हुआ। इस अवसर पर एडवोकेट भुवनेश्वर गंगावत, एडवोकेट राजेंद्र गुर्जर, डॉ सूरज शर्मा, नरेंद्र शर्मा, खुशीराम माठा, डॉ शिव शर्मा, राहुल सोनी, शंभू सोनी, कमलेश बाली, सुरेश सोनी, ओमप्रकाश सोनी, विष्णु शर्मा, एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा, आकाश शर्मा, भानु पटेल, श्याम, लोकेंद्र शर्मा, कमलेश एवं मुख्य यजमान राजेश सोनी परिवार सहित उपस्थित रहे।

मालूताना में यूपीएससी चयनित दीप्ति वर्मा का भव्य स्वागत

विराटनगर। ग्राम तेवड़ी की होनहार बेटी दीप्ति वर्मा द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में 876वीं रैंक हासिल करने पर शनिवार को ग्राम मालूताना में उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए और दीप्ति की ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। कार्यक्रम का आयोजन बंशी नेता निवासी मालूताना के सानिध्य में हुआ, जिसकी अध्यक्षता राजस्थान राज्य विमुक्त, घुमंतु एवं अर्धघुमंतु कल्याण बोर्ड जयपुर की पूर्व अध्यक्ष उर्मिला योगी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में थानागाजी विधायक कांतिलाल मीणा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका थानागाजी अध्यक्ष चौथमल सैनी ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई। अति विशिष्ट अतिथियों में विकास बोहरा (एससी प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष), कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद बुडानिया तथा प्रियंका गांधी संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मवीर वर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आदिवासी जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के अध्यक्ष रामशरण मीणा ने किया। आगंतुक अतिथियों व ग्रामीणों द्वारा समारोह के दौरान दीप्ति वर्मा का साफा पहनाकर, माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य सम्मान किया गया। मंच पर उपस्थित अतिथियों ने उनकी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। दीप्ति वर्मा, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य दौलतराम बुनकर एवं माया देवी की सुपुत्री हैं। साधारण परिवार से निकलकर उन्होंने यह मुकाम हासिल कर यह साबित कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम तेवड़ी से प्राप्त की, 12वीं शिक्षा जयपुर के मेहता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल हरमाड़ा से पूरी की तथा महारानी कॉलेज जयपुर से स्नातक करने के बाद दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी की। अपने संबोधन में दीप्ति वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और आध्यात्मिक मार्गदर्शन को देते हुए युवाओं, विशेषकर बेटियों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने का संदेश दिया। समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, ग्रामीणों और युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी। सभी ने एक स्वर में कहा कि दीप्ति वर्मा की यह उपलब्धि न केवल क्षेत्र का गौरव है, बल्कि ग्रामीण परिवेश की बेटियों के लिए एक नई दिशा और प्रेरणा का प्रकाश स्तंभ भी होगा।

टोंक में ईद की नमाज अदा की व लोगों ने गले मिलकर भाईचारे का संदेश दिया

टोंक। जिलेभर में शनिवार को ईद की नमाज अदा की गई और लोगों ने गले मिलकर मोहब्बत और भाईचारे का संदेश दिया। इसी क्रम में जिला मुख्यालय स्थित बहीर ईदगाह पर करीब 30 हजार नमाजियों ने नजाम अदा की। जहां मुफ्ती इस्लाहुद्दीन खिजर ने नमाज कराई, वहीं प्रशासन और नेताओं ने भी पहुंचकर बधाई दी तथा खिजर ने सभी को मोहब्बत और भाईचारे के साथ रहने की अपील की तथा नमाज के बाद मुल्क में अमन चैन के लिए दुआ की गई।

इस मौके पर मुफ्ती आदिल नदवी ने इस्लामी तरीके पर रोशनी डाली और एकता व भाईचारे को मजबूत करने पर जोर दिया। मौलवीं सईद भी इस दौरान मौजूद रहे और उनसे मिलने वालों का तांता लगा रहा, शाही जामा मस्जिद में कारी हाफिज मसीउद्दीन ने नमाज अदा कराई। ईदगाह में प्रशासन और नगर परिषद की ओर से टैंट लगाया गया, जहां कलेक्टर, एसपी सहित अन्य अधिकारी पहुंचे और लोगों को ईद की बधाई दी। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा, तुलसीराम मीणा, सुभाष मिश्रा, धर्मेंद्र सालोदिया सहित कई लोग मौजूद रहे और आपसी सद्‌भाव का संदेश दिया।

बहीर ईदगाह पर करीब 30 हजार नमाजियों ने नजाम अदा की।

इसी प्रकार देवली में सीआईएसएफ स्थित मस्जिद में जामा मस्जिद के इमाम हाफिज कारी अमान रज़ा संभली ने नमाज पढ़ाई, इस मौके मुस्लिम समुदाय ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी और देश में अमन-चैन की दुआ मांगी। शहर की अन्य मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई।

इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य व्यक्ति भी ईद की बधाई देने पहुंचे तथाा पुलिस प्रशासन और सीआईएसएफ के अधिकारियों ने भी नमाजियों को मुबारकबाद दी।

■ इस मौके पर मुफ्ती आदिल नदवी ने इस्लामी तरीके पर रोशनी डाली और एकता व भाईचारे को मजबूत करने पर जोर दिया

इसी क्रम में निवाई में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया, जहां सुबह से ही शहर की ईदगाह में हजारों मुस्लिम नमाजियों ने एक साथ ईद की नमाज अदा की। इस दौरान देश में अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआएं मांगी गईं।

राजू मालावत ने बताया कि ईदगाह में नमाज शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। नमाज के दौरान सभी नमाजियों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और खुशियां बांटीं। ईद के मौके पर बाजारों में भी विशेष रौनक देखी गई।

माता वैष्णो देवी के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई

देवली । नवरात्र प्रारंभ के साथ ही शहर के एजेंसी एरिया में माता वैष्णो देवी के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो गई इस मंदिर की निर्माण सेवा एजेंसी एरिया गोयल परिवार की ओर से की गई है। नवरात्रि के उपलक्ष पर माता वैष्णो देवी के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मे वैष्णो देवी के भक्त मुरारी लाल (गुड़ वाले) ने मौजूद सभी भक्तों को माता की ज्योत के दर्शन करवाये। इस अवसर पर माता के भक्त राजीव गोयल ने भक्तों को भोजन प्रसादी के लिए आमंत्रित किया । इस शुभ अवसर पर महिला भक्तों ने सर्वप्रथम कलश शोभा यात्रा निकाली तत्पश्चात विद्वान पंडितों ने विधि विधान मन्त्रोंचार के साथ माता की मूर्ति एवं पिंडो कि प्रतिष्ठा कि। इस अवसर पर सैकड़ो लोग मौजूद रहे। उल्लेखनीय इन दिनों देवली नगर और आसपास क्षेत्र धर्मनगरी के रूप में परिवर्तित होता चला जा रहा है। यहां एक के बाद एक देवालयों का निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सवों की धूम ने शहर को धर्म नगरी कि एक नई पहचान दे दी है। उल्लेखनीय है कि चैत्र नवरात्र पर एजेंसी एरिया स्थित नेवरबाग बालाजी मंदिर परिसर में श्रीदुर्गा माता एवं श्री वैष्णो माता का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ है।

सार-समाचार

चेटीचंड पर भव्य शोभायात्रा निकाली

जयपुर। मानसरोवर में सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। वरुण पथ स्थित झूलेलाल मंदिर से निकाली गई शोभायात्रा में सिंधी संस्कृति की शानदार झलक देखने को मिली। शोभायात्रा का दादा सुन्दर दास ठाकुर ने ज्योति प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। 21 आकर्षक और सजीव झांकियों ने सभी लोगों का मन मोह लिया। झांकियों में अघोरी झांकी ने सभी को रोमांचित किया। शोभायात्रा में भगवान गणेश जी और भगवान झूलेलाल जी की आरती का रथ, राधा किशन, शिव-पार्वती, सिंधुपति राजा दाहिरसेन, सिंधुपति राजा दाहिरसेन का किला, अमर बलिदानी हेमू कालानी सहित अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। शोभायात्रा में श्रद्धालु पारम्परिक वेशभूषा में नाचते-गाते हुए चल रहे थे।शोभायात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार बनाए गए थे। व्यापार मंडलों के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं को बिस्किट, शरबत, फल एवं सूखे मेवों का वितरण किया।

सांभर में ईद उल फितर पर दिया भाईचारे का संदेश, मांगी अमन चैन की दुआ

सांभरझील। यहां शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर सांभर रेलवे स्टेशन के पास स्थित ईदगाह में हजारों मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सामूहिक नमाज अदा की। इस दौरान देश व समाज में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की के लिए दुआएं मांगी गईं। सुबह से ही ईदगाह में नमाजियों का आना शुरू हो गया था। छोटे-बड़े, बुजुर्ग और युवा सभी नए परिधानों में ईद की नमाज के लिए उत्साह के साथ पहुंचे। निर्धारित समय पर इमाम ने ईद की विशेष नमाज अदा कराई, जिसके बाद खुतबा दिया गया। खुतबे में भाईचारे, इंसानियत, शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया गया। नमाज के बाद मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह परिसर में खुशी का माहौल था, खासकर बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। कई लोगों ने अपने परिचितों और मित्रों को मिठाइयां खिलाकर ईद की खुशियां बांटीं। ईद के अवसर पर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। ईदगाह परिसर, सांभर रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के कारण पूरे कार्यक्रम के दौरान कोई अव्यवस्था नहीं हुई। ईद के अवसर पर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। ईदगाह परिसर, सांभर रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के कारण पूरे कार्यक्रम के दौरान कोई अव्यवस्था नहीं हुई। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने नमाज के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न होने को सुनिश्चित किया। यातायात व्यवस्था को भी सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए, जिससे आमजन को कोई परेशानी नहीं हुई। इस पावन अवसर पर शहर में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। विभिन्न समुदायों के लोगों ने भी मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की शुभकामनाएं देकर सामाजिक एकता का परिचय दिया। इस प्रकार सांभर में ईद का पर्व शांति, सौहार्द और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ, जो क्षेत्र की गंगा-जमुनी तहजीब को दर्शाता है।

भरतपुर में भाजपाईयों ने लिया विकास कार्य का जायजा

भरतपुर । भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में भरतपुर में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। हीरादास स्थित चौधरी मैरिज होम के पास चल रहे फ्लाई ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य का जायजा लिया तथा निर्माण कार्यो के गुणवत्ता की जानकारी सम्बन्धित इन्जीनियर एवं कार्यरत कर्मचारियों से ली गई। तथा कार्य में गुणवत्ता बनाये रखने के दिशा निर्देश दिए। फ्लाई ओवर ब्रिज के पिलरों की टेस्टिंग का सुभारम्भ नारियल फोडकर और मिठाई वितरण कर किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा कि राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भरतपुर को ऐतिहासिक सौगात दी गई हैं। जिसके तहत पूरे शहर में विकास कार्यो की झडी लगी हुई है। शहर को आधुनिक रूप देने हेतु निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहे हैं। विकास कार्यों के एवज भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का तहे दिल से धन्यवाद देते हुए हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष गिरधारी गुप्ता एवं योगेन्द्र राजू कटारा, जिला मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेन्द्र पचौरी, कार्यालय सह प्रभारी वीरेन्द्र गुर्जर, जिला प्रवक्ता शेरसिंह धरसौनी एवं अनुराग तमरौली, शहर मण्डल अध्यक्ष संजीव शर्मा, महामंत्री दुष्यन्त सिंह, शहर अध्यक्ष महिला मोर्चा अनामिका चौधरी, शहर उपाध्यक्ष गणपत शर्मा एवं प्रकाश शर्मा, इंजीनियर सौरभ सिंह, गौरव चरौरा, चिरौंजा चाची सहित अनेकों भाजपा उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मनाया ईद उल फितर

पावटा। प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में शनिवार को मुस्लिम धर्मावलम्बियों द्वारा ईद उल फितर पर्व बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पावटा होली चौक स्थित शाही जामा मस्जिद में इमाम मुफ्ती असलम ने नमाज अदा कराई व प्रागपुरा में राजमार्ग स्थित गौसिया मस्जिद, बिलाल मस्जिद और मुख्य बाजार स्थित शाही जामा मस्जिद में ईद की सामूहिक नमाज अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद हिंदू मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर खुशी का इजहार किया। ऐसे में यहां ईद पर्व पर हिन्दू मुस्लिम एकता का विहंगम दृश्य नजर आया। पावटा प्रागपुरा वक्फ बोर्ड कमेटी सदर यासीन लीलगर व आमिन मंसूरी ने कहा सभी धर्मो के त्यौहार हमारी सभ्यता, राष्ट्रीय एकता व अखंडता को मजबूत बनाने में सहायक होते है। प्रागपुरा में भी गुरुवार ईदगाह की नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने क्षेत्र में अमन चैन व खुशहाली की दुआ की। प्रागपुरा एसएचओं भजनाराम ने बताया की नगरपालिका क्षेत्र प्रागपुरा - पावटा में हमेशा से सामाजिक व समुदायों के सौहार्द का पर्याय रहा है। यहां हर समुदाय के कार्यक्रमों में सभी वर्ग के लोग एकजुट होकर भाग लेते है। जिससे क्षेत्र में हमेशा सामाजिक सौहार्द बना रहा है। ईद उल फितर के अवसर पर सुरक्षा की दृष्टि और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए ईदगाह के बाहर पुलिस जाब्ता भी मौजूद रहा। इस दौरान इस्लामुद्दीन मंसूरी, यासीन सदर, पप्पू मनिहार, अब्दुल अजीज, मौलाना इब्राहिम, इस्माइल शाह, मास्टर इब्राहिम, अलीमुद्दीन, रईस लोहार, लाला लोहार, ताज मोहम्मद, मुराद अली, आमीन तेली, नायब सदर अयुब लोहार, पप्पू लुहार, इमरान लुहार, समीर लुहार, खैराती भिश्ती,रीजवान कुरेशी, सद्दाम हुसैन, कय्यूम कुरेशी, इकबाल शाह, सराज कुरेशी, सलमान जिंदरान, जुबेर खान, आदि मौजूद रहे।

मकान का कमरा बंद कर घुसे चोर, 4 लाख के गहने और नकदी लेकर फरार

टोंक। दूनी थाना क्षेत्र के आवां कस्बे में शुक्रवार रात्रि को चोरों ने 3 मकानों के ताले तोड़कर करीब 5 लाख रुपए के जेवर और नगदी चुरा लिए। इसका पता पीड़ित मकान मालिकों को शनिवार सुबह उठने के बाद बिखरे पड़े सामान को देखकर चला। पीड़ितों ने अपने जेवर, नगदी जो खंगाला तो वह नहीं मिली, बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी, जहां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जायजा किया। एक साथ 3 मकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपए की चोरी होने से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि आवां पुलिस चौकी राम भरोसे है। यहां के स्टाफ को अधिकांश समय दूनी थाने में बुला लिया जाता है, ऐसे में यहां चोरों को चोरी करने का मौका मिल रहा है। पीड़ित शंकर रैगर ने बताया कि चोर आए और मेरे व मेरे भाई के मकान के दरवाजे की कुंडिया बाहर से बंद कर दी। इसके बाद कमरे में रखे सूटकेस और दोनों भाइयों की बाइक की चाबियां भी ले गए, सूटकेस में सोने का मंगलसूत्र आधा तोला, एक पायजेब जोडी, आधा किलो वजनी कनकती आदि रखे हुए थे। सूटकेस में करीब 4 लाख रुपए के जेवर रखे हुए थे।

बीएलओ आत्महत्या मामले में सुपरवाइजर पर उकसाने का केस

जयपुर। बिंदायका थाना क्षेत्र में चार माह पहले हुए बीएलओ आत्महत्या प्रकरण में नया मोड़ आया है। मृतक के पिता नानगराम जांगिड़ (69) निवासी धर्मपुरा (कालवाड़ रोड) ने बेटे मुकेश कुमार जांगिड़ (48) की आत्महत्या के लिए सुपरवाइजर को जिम्मेदार ठहराते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी सुपरवाइजर सीताराम बुनकर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसआई गोवर्धन सिंह के अनुसार, मुकेश कुमार 16 नवंबर 2025 को बिंदायका फाटक के पास बाइक खड़ी कर रेलवे ट्रैक पर गया और ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वह राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल नारी का बास में शिक्षक होने के साथ झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में बीएलओ के रूप में कार्यरत था। परिजनों के अनुसार वह रोज सुबह 4:30 बजे बीएलओ ड्यूटी के लिए निकलता था और भंभौरी व शिम्भुपुरा क्षेत्रों का कार्यभार संभाल रहा था। आरोप है कि सुपरवाइजर द्वारा लगातार काम का दबाव और सस्पेंड करने की धमकी दी जा रही थी, जिससे वह मानसिक तनाव में था।पुलिस जांच में मृतक की जेब से चाबियां, 500 रुपए और कुछ पर्चियों के साथ सुसाइड नोट भी मिला।

सीआईडी ने चार साल से फरार पचास हजारी इनामी को दबोचा

- पुलिस पर फायरिंग व हत्या के प्रयास के मामले में था फरार
- सीआईडी टीम ने पचास हजार रुपये के इनामी बदमाश महेश दिलीप दहले उर्फ चाचा जी उर्फ सरदार जी को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से घेराबंदी कर धर दबोचा

जयपुर। राजस्थान पुलिस की सीआईडी (सीबी) अपराध शाखा ने सरहद पार एक साहसिक ऑपरेशन को अंजाम देते हुए पुलिस पर फायरिंग व हत्या के प्रयास के मामले में पिछले चार वर्षों से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहे कुख्यात इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश में चलाई जा रही विशेष धरपकड़ मुहिम के तहत सीआईडी (सीबी) टीम ने पचास हजार रुपये के इनामी बदमाश महेश दिलीप दहले उर्फ चाचा जी उर्फ सरदार जी को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से घेराबंदी कर धर दबोचा। आरोपी पर पुलिस टीम पर फायरिंग करने, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं।

बदमाश महेश दिलीप दहले

पाण्डेय ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक (अपराध) हरेन्द्र कुमार महावर के सुपरविजन और उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम को जोधपुर और फलोदी क्षेत्र में आसूचना संकलन के लिए तैनात किया गया था। इसी दौरान हेड कांस्टेबल रविन्द्र सिंह को पुख्ता मुखबिर सूचना मिली कि थाना फलोदी का मोस्ट वांटेड अपराधी महेश दिलीप दहले मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में अपनी पहचान छुपाकर फरारी काट रहा है। सूचना को तकनीकी रूप से पुख्ता करने के बाद पुलिस ने मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में अपना जाल बिछाया। टीम ने दिन-रात रेकी की और अपराधी की हर हरकत पर पैनी नजर रखी।

इस पर आईजी जोधपुर रेंज सत्येन्द्र सिंह के समन्वय से फलोदी जिला पुलिस की टीम को भी इस ऑपरेशन में शामिल किया गया। टीम जब अहिल्यानगर के तपोवन रोड पर पहुंची तो मुखबिर द्वारा बताए हुलिए का एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस को अपनी ओर आता देख आरोपी ने भागने की कोशिश की। लेकिन टीम के सदस्यों ने अदम्य साहस और फुर्ती का परिचय देते हुए उसे दौड़कर मजबूती से पकड़ लिया। शुरुआत में आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम महेश दिलीप दहले निवासी बड़वानी (मप्र) स्वीकार किया।

इस पूरे मामले की जड़ें अप्रैल 2022 की एक सनसनीखेज वारदात से जुड़ी हैं। उस समय फलोदी पुलिस को बिना नंबर की पिकअप में अवैध हथियार तस्करी की सूचना मिली थी। जब पुलिस ने घेराबंदी की तो इन बदमाशों ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी थी और जान से मारने की नियत से पुलिस के वाहन को टक्कर मार दी थी। उस समय पुलिस ने दो बदमाशों को 3 पिस्टल और 14 कारतूस के साथ मौके पर दबोच लिया था और एक साथी फरार हो गया। तब से ही आरोपी महेश दहले की राजस्थान पुलिस को सरगर्मी से तलाश थी। इस सफल ऑपरेशन में उप निरीक्षक शैलेन्द्र शर्मा के कुशल नेतृत्व के साथ-साथ हेड कांस्टेबल रविन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह और कांस्टेबल नरेश कुमार की फील्ड वर्क में महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं तकनीकी सहायता में सहायक उप निरीक्षक शंकर दयाल शर्मा और कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा ने अहम योगदान दिया। फलोदी पुलिस टीम की ओर से एएसआई पीराराम और डीएसटी टीम के हेड कांस्टेबल गोरधनराम, कांस्टेबल महेंद्र कुमार, भगवानाराम ने गिरफ्तारी की प्रक्रिया में सहयोग किया।

महिलाओं ने की ईसर गणगौर की पारम्पारिक पूजा

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार को गणगौर पर्व पर नवविवाहिताओं व कुंवारी कन्याओं ने भारी उत्साह के साथ मंदिरों व घरों में ईसर गणगौर की परम्पारिक पूजा-अर्चना की। राजस्थानी संस्कृति को गौरवमय बनाते हुए इस पावन पर्व पर भी आधुनिकता हावी रही लेकिन परंपरा का भी खास ध्यान रखा गया। प्रतिदिन महिलाओं ने शिव पार्वती स्वरूप ईसर गणगौर की प्रतिमाओं की आस्था के साथ पूजा की।

महिलाएं व कन्याएं सामूहिक होकर गणगौर के गीत गाती हुई मंदिरों में पहुंचकर पूजा की। शनिवार को सुमन गुप्ता, अनिता गुप्ता, मोनिका, राधा, अनु, रश्मि, मेना, दीपा व सोनिया सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयों बारस आयो, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अभिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया।

सार-समाचार

रामचरित मानस की विभिन्न चौपाइयों का पठन

जयपुर। चैत्र के वासंतिक नवरात्र में एक ओर जहां दुर्गा मंदिरों में दुर्गा सप्तशती के पाठ हो रहे हैं वहीं राम-हनुमान मंदिरों में रामचरितमानस, वाल्मीकि रामायण की चौपाइयां गूंज रही हैं। स्टेशन रोड स्थित राम मंदिर, सोडाला के राम मंदिर, आदर्शनगर के श्रीराम मंदिर में मानस का नवाह्न पारायण हो रहा है। इसी कड़ी में खोले के हनुमान मंदिर में शनिवार को चैत्र नवरात्रा के तीसरे दिन रामचरित मानस की विभिन्न चौपाइयों का पठन हुआ। नौ दिवसीय नवरात्रा के दौरान लक्ष्मण डूंगरी का खोल रामचरित मानस की चौपाईयों से गूंजायमान रहा।नरवर आश्रम सेवा समिति के अध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा ने बताया कि रामचरित मानस के सामूहिक पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। उधर, राधे रानी प्रभातफेरी मंडल के तत्वावधान में 31वें नवान्ह पारायण महोत्सव में शनिवार को चौपाइयों के पाठ हुए। इस दौरान कार्यक्रम स्थल मधुर स्वर लहरियों से गुंजायमान होता रहा। आयोजन से जुड़े अजय कुमार शर्मा और महेश प्रधान ने बताया कि व्यासपीठ से रामस्वरूप नाटाणी ने श्रीरामचरित मानस की चौपाइयों के पाठ किए। पाठ 27 मार्च तक रोजाना शाम 6 बजे से होंगे।

झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर मांगे युवक से 10 लाख

जयपुर। राजधानी में सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती कर ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। एक युवती ने इंस्टाग्राम पर संपर्क कर युवक से नजदीकियां बढ़ाईं और बाद में लिव-इन रिलेशनशिप में रहकर लाखों रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपए की मांग की गई।पुलिस के अनुसार जयपुर निवासी 38 वर्षीय युवक ने मामला दर्ज करवाया है। उसने बताया कि करीब चार साल पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी 28 वर्षीय युवती से पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान युवती ने खुद को अविवाहित बताया और बाद में लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का प्रस्ताव रखा।करीब दो साल पहले दोनों ने आपसी सहमति से लिव-इन के दस्तावेज भी तैयार करवाए। इस दौरान युवती ने बिजनेस के नाम पर युवक से लाखों रुपए ले लिए। बाद में युवक को युवती के शादीशुदा होने और गलत जानकारी देने का पता चला।आरोप है कि इसके बाद युवती ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। यहां तक कि शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला भी दर्ज करवाया गया।पीड़ित के अनुसार युवती ने अपने साथियों के जरिए 10 लाख रुपए की मांग करते हुए राजीनामा कराने का दबाव बनाया और पैसे नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।लगातार मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर युवक ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

राष्ट्र साधना के 100 वर्ष- काव्य संध्या में शामिल होंगे राष्ट्रीय कवि

जयपुर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, जयपुर विभाग की ओर से राष्ट्र साधना के 100 वर्ष विषय पर एक काव्य संध्या का आयोजन रविवार शाम को छह बजे से मानसरोवर में इस्कॉन मंदिर के सामने स्थित पंख रेस्टोरेंट में किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक केशव शर्मा ने बताया कि राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत काव्य संध्या के मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा होंगे। काव्य संध्या में देशभक्ति, संस्कृति और राष्ट्र चेतना से ओतप्रोत रचनाओं का पाठ किया जाएगा। देश प्रदेश के प्रतिष्ठित कवि विनीत चौहान, डॉ प्रवीण आर्य, सौरभ सूर्य, डॉ गोरधन सिंह जहरीला, मोनिका गौड़, प्रवीण श्रीराम देशमुख, विकास तिवारी प्रज्ञेय, कृष्णार्जुन पार्थभक्ति, सुरेंद्र सिंह राव मृत्युंजय, राजेंद्र गौड़, नवनीत गौड़, बृजमोहन तूफान, डॉ विनम्र सेन सिंह, दास आरोही आनन्द सहित अन्य कवि काव्य प्रस्तुतियां देंगे।

बातों में उलझाकर एटीएम कार्ड बदल कर निकाले 2.30 लाख रुपए

जयपुर। शहर के खो नागोरियान थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने का मामला सामने आया है। जहां बदमाशों ने युवक को बातों में उलझाकर उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और खाते से लाखों रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।हेड कांस्टेबल अशोक कुमार के अनुसार 26 वर्षीय रिंकू सैन निवासी पालड़ी मीणा, आगरा रोड जामडोली ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह आगरा रोड स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम पर रुपए निकालने गया था। उस समय एटीएम के अंदर पहले से एक व्यक्ति मौजूद था। जैसे ही वह पैसे निकालने लगा,तभी बाहर से एक अन्य व्यक्ति भी एटीएम में आ गया। दोनों आरोपियों ने उसे बातचीत में उलझा लिया। इसी दौरान चालाकी से उसका असली एटीएम कार्ड बदलकर उसे फर्जी कार्ड थमा दिया। पीड़ित को इसकी जानकारी नहीं हो सकी और बाद में आरोपियों ने उसके एटीएम कार्ड के जरिए खाते से 2 लाख 30 हजार रुपए निकाल लिए। घटना का पता चलने पर पीड़ित ने थाने में मामला दर्ज कराया। मामले की जांच कर रहे हेड कांस्टेबल अशोक कुमार ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। एटीएम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। ताकि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जा सके।

पूर्व सांसद विष्णु मोदी का निधन

जयपुर। राजस्थान की राजनीति के दिग्गज स्तंभ और अजमेर के पूर्व सांसद विष्णु मोदी का शनिवार को जयपुर के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे 1984 में अजमेर से लोकसभा सांसद रहे थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर फैलते ही प्रदेश के राजनीतिक और व्यावसायिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। मुख्यमंत्री से लेकर विभिन्न दलों के नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

रामनवमी पर शोभायात्रा 26 को

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में राम नवमी के पावन अवसर पर पावटा कस्बा मुख्य बाजार घंटाघर चौक स्थित सीताराम मंदिर से इस वर्ष भव्य और आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उत्साह चरम पर है और तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकलेगी, जिसमें भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी की आकर्षक झांकियां सजाई जाएंगी। बैंड-बाजों, भजन मंडलियों और ढोल-नगाड़ों के साथ श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ भाग लेंगे। शोभायात्रा में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों सहित जनप्रतिनिधियों व आमजन की भागीदारी रहेगी। इसके लिए जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं और पुष्प वर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है। पुलिस बल के साथ स्वयंसेवकों की टीम तैनात रहेगी, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

गणगौर त्योहार पर नाचते गाते मंदिर पहुंची महिलाएं

टोंक। जिलेभर में शनिवार को ईसर गणगौर की पूजा-अर्चना श्रद्धा और उत्साह के साथ की गई, जहां महिलाएं गाजे बाजे के साथ पूजा सामग्री लेकर मंदिरों में पहुंची और पारंपरिक रीति से ईसर और गणगौर की पूजा की। उन्होंने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। जिला मुख्यालय पर भी अलग-अलग इलाकों में महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर लोकगीत गाए और एक-दूसरे को त्योहार की बधाई दी।

राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए संकल्पित : ऊर्जा मंत्री

जयपुर। राजस्थान राज्य के विद्युत निगमों में तकनीशियन-तृतीय (आईटीआई)/ ऑपरेटर-तृतीय (आईटीआई)/ प्लांट अटेंडेन्ट-तृतीय (आईटीआई) के कुल 2163 पदों पर भर्ती के लिए गत माह 23 फरवरी को आयोजित ऑनलाइन मुख्य परीक्षा का परिणाम जारी कर विद्युत निगमों की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

अभ्यर्थी किसी भी विद्युत निगम की वेबसाइट से अपने प्राप्तांक देख सकते हैं। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए संकल्पित है। इसी क्रम में विद्युत निगमों में भी भर्ती प्रक्रिया को गति मिली है।

तकनीशियन-तृतीय / ऑपरेटर-तृतीय (आईटीआई)/ प्लांट अटेंडेन्ट-तृतीय (आईटीआई) के कुल 2163 पदों पर भर्ती हेतु प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन 24 से 27 नवम्बर, 2025 तक किया गया था। प्रारम्भिक परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर रिक्तियों के लगभग दस गुणा अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा हेतु शॉर्टलिस्ट किया गया था। "मुख्य परीक्षा" 23 फरवरी 2026 को आयोजित की गयी थी जिसमें 23 हजार 789 अभ्यर्थियों को शामिल किया गया। उत्पादन निगम ने एक महीने के अल्प समय में ही मुख्य परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है।

मुख्य परीक्षाओं में सफल घोषित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन 1 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 तक चम्बल रेस्ट हाऊस, हवा सड़क, सोडाला पुलिस थाने के पास, जयपुर में किया जायेगा ।

दस्तावेज सत्यापन हेतु ग्रुप- में 4498, ग्रुप- में 63, ग्रुप- में 51 एवं ग्रुप- में 61, कुल 4,673 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है जिनकी सूची विद्युत निगमों की वेबसाईट पर अपलोड कर दी गई है। इसके अतिरिक्त दस्तावेज सत्यापन हेतु शॉर्टलिस्ट किये गये अभ्यर्थियों को ईमेल एवं एसएमएस से भी सूचित किया गया है। सफल अभ्यर्थी, दस्तावेज सत्यापन हेतु अपने कॉल लेटर वेबसाईट से भी डाउनलोड कर सकते हैं।

प्रदेश में बनेंगे विमान, हेलीकॉप्टर, रडार, ड्रोन, मिसाइल और एवियोनिक्स

- निवेशकों को मिलेगा वित्तीय एवं गैर-वित्तीय प्रोत्साहन के साथ प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा लॉन्च की गई राजस्थान एयरोस्पेस और डिफेंस पॉलिसी-2026 से राज्य देश की सामरिक आत्मनिर्भरता में अहम भूमिका निभाने जा रहा है। इस नीति के अंतर्गत राज्य में विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, मिसाइल, एवियोनिक्स, सैटेलाइट बसें, बख्तरबंद वाहन, रडार, नेविगेशन, संचार और नियंत्रण प्रणालियां, रोबोटिक्स और डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण होगा। इससे मेक इन इंडिया को मजबूती मिलेगी। निवेशको को आकर्षित करने के लिए नीति में वित्तीय एवं गैर-वित्तीय प्रोत्साहन और प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर, कौशल विकास सहयोग तथा त्वरित सेवाओं के प्रावधान भी किए गए हैं। पॉलिसी का प्रमुख उद्देश्य एयरोस्पेस और डिफेंस वैल्यू चेन में मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च, टेस्टिंग और सर्विसेज को प्रोत्साहन देते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धी इकोसिस्टम तैयार करना है। यह नीति ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चर्स (ओइएम), सिस्टम इंटीग्रेटर्स, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और स्किलिंग इंस्टीट्यूशन्स को एयरोस्पेस एवं डिफेंस वैल्यू चेन में प्रोत्साहित करती है। साथ ही, नीति को डिफेंस प्रोडक्शन एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी (डीपीइपीपी), आईडेक्स, आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों के सामंजस्य के साथ बनाया गया है।

प्रभावी औद्योगिक नीतियां और तेज आर्थिक विकास, दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से कनेक्टिविटी, राष्ट्रीय राजमार्गों का विशाल नेटवर्क, पर्याप्त भूमि की उपलब्धता के साथ-साथ विभिन्न धातुओं की सुलभता प्रदेश को एयरोस्पेस और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का हब स्थापित करने में कारगर साबित होगी। स्टील, तांबे और पीतल की यूनिट्स का मेटल मशीनिंग सेक्टर गोला-बारूद और डिफेंस के पुर्जे बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री का मजबूत इकोसिस्टम डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर को मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायक बनेगा।

इस नीति के अन्तर्गत विनिर्माण परियोजनाओं को न्यूनतम 50 करोड़ रुपये से 300 करोड़ रुपये तक अचल पूंजी निवेश करने पर लार्ज, 300 करोड़ से 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश पर मेगा और 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर अल्ट्रा मेगा परियोजना की श्रेणी में रखा गया है। वहीं, सेवा सेक्टर के लिए 25 करोड़ से 100 करोड़ रुपये तक अचल पूंजी निवेश वाली परियोजनाएं लार्ज, 100 करोड़ से 250 करोड़ रुपये तक मेगा और 250 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली परियोजनाएं अल्ट्रा मेगा की श्रेणी में रखी गई हैं।

महिलाओं ने ईसर-गौरा पूजन किया

जयपुर। गुलाबी नगरी शनिवार को सुहाग,श्रद्धा और लोक संस्कृति के अनूठे संगम से सराबोर नजर आई। चैत्र मास की रंगत के बीच ईसर-गणगौर का उल्लास अपने चरम पर रहा। 16 श्रृंगार में सजी धजी महिलाओं ने जब पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर बाग-बगीचों से दूब और पुष्पों का अर्जन किया तो समूचा वातावरण गोर-गोर गोमती, ईसर पूजे पार्वती... के मधुर लोकगीतों से गुंजायमान हो उठा।

आस्था और श्रृंगार के इस महापर्व पर सुहागिन महिलाओं ने ईसर-गणगौर के समक्ष विधिवत पूजन कर पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। वहीं कुंवारी कन्याओं ने मनचाहे वर की कामना के साथ माता गौरी की आराधना की। दूब,जल और सुहाग सामग्री अर्पित करते हुए पारंपरिक गीतों के साथ गणगौर माता का अभिषेक किया गया। घर-घर में स्थापित ईसर-गौरा की प्रतिमाओं के समक्ष दीप-धूप और नैवेद्य के साथ श्रद्धा की महक बिखरी रही। उद्यापन करने वाली महिलाओं ने 16 सुहागिनों को भोजन कराकर और उपहार भेंट कर रीत निभाई।

मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 के ऑडिशन का आयोजन

जयपुर। प्रदेश के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 के ऑडिशन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें करीब 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजक चिराग चौधरी और राकेश कुमार ने बताया कि ऑडिशन में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की प्रतिभागियों ने ब्लैक वन पीस ड्रेस कोड में भाग लिया। प्रतिभागियों ने मिमिक्री के जरिए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चयनित सेमीफाइनलिस्ट्स के लिए तीन दिवसीय विशेष ग्रूमिंग वर्कशॉप आयोजित की जाएगी, जिसमें इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा पोर्टफोलियो शूट, टैलेंट राउंड, योगा, मेडिटेशन, सेल्फ कॉन्फिडेंस और स्टाइलिंग से जुड़े पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 11 अप्रैल को जयपुर होगा।

जेईसीआरसी में दो दिवसीय परिसंवाद राजस्थान ज्ञान सभा-208 आयोजित

जयपुर। राजस्थान में शिक्षा के परिदृश्य पर समग्र चर्चा के लिए दो दिवसीय परिसंवाद राजस्थान ज्ञान सभा- 2083 शनिवार को जेईसीआरसी विश्वविद्यालय परिसर में प्रारंभ हुआ। विकसित राजस्थान हेतु शिक्षा विषय पर आयोजित परिसंवाद का उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि हमारी शिक्षा मूल्य आधारित होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में भी सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यही है। उन्होंने शिक्षा के साथ संस्कार के समावेश पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शिक्षा के विकास में भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपराओं में अधिकतम सवालों के जवाब निहित हैं। राजस्थान और देश का भौतिक विकास केवल शिक्षा से ही संभव है। आयुक्त कॉलेज शिक्षा राजस्थान डॉ. ओपी बैरवा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विकास करना है। भविष्य आधारित विकास के लिए शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का समावेश किया जा रहा है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने 'विकसित राजस्थान हेतु शिक्षा' विषय पर आयोजित परिसंवाद का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख सुनील सुखदेवभाई मेहता, वाईस चेयरपर्सन जेईसीआरसी विश्वविद्यालय अमित अग्रवाल व प्रेसिडेंट जेईसीआरसी प्रो. विक्टर गंभीर ने भी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

'कोविड में मौत के बावजूद सरकारी कर्मचारी के आश्रितों को मुआवजा क्यों नहीं'

- ाश्रितों को मुआवजा नहीं देने पर प्रमुख राजस्व सचिव, प्रमुख वित्त सचिव और टोंक कलेक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोरोना काल में ड्यूटी के दौरान संक्रमित होकर मौत होने के बावजूद सरकारी कर्मचारी के आश्रितों को मुआवजा नहीं देने पर प्रमुख राजस्व सचिव, प्रमुख वित्त सचिव और टोंक कलेक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश विजय कुमार भारतीय की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की मां गाती देवी टोंक तहसील कार्यालय में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत थी। इस दौरान कोरोना से संक्रमित होने के चलते 24 नवंबर, 2020 को अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि वित्त विभाग ने 11 अप्रैल, 2020 को एक आदेश जारी कर कहा था कि राज्य कर्मचारी के ड्यूटी के दौरान संक्रमित होकर मौत होने के मामले में उसके आश्रितों को पचास लाख रुपए की राशि के साथ ही पेंशन नियम के तहत बीस लाख रुपए सहित कुल 70 लाख रुपए अदा किए जाएंगे। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता की ओर से जिला प्रशासन को आवेदन कर मुआवजा राशि के लिए गुहार की गई। इस पर कलेक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने भी गत 14 मई को मुआवजा देने की सिफारिश कर दी।

गुरु गोलवलकर स्वास्थ्य पखवाड़े के तहत 45 हजार की एनसीडी स्क्रीनिंग

- स्वास्थ्य पखवाड़ा के दौरान ब्लॉक की 24 ग्राम पंचायतों एवं नगरपालिका क्षेत्र के शहरी वार्डों में प्रतिदिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इन टीमों में एक उप जिला अस्पताल, सात प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीएचसी तथा 21 सब-सेंटर शामिल हैं, जो विशेष अभियान के माध्यम से आमजन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे हैं

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार ब्लॉक चाकसू में 7 मार्च से 21 मार्च तक 'गुरु गोलवलकर स्वास्थ्य पखवाड़ा' आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

स्वास्थ्य पखवाड़ा के दौरान ब्लॉक की 24 ग्राम पंचायतों एवं नगरपालिका क्षेत्र के शहरी वार्डों में प्रतिदिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इन टीमों में एक उप जिला अस्पताल, सात प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीएचसी तथा 21 सब-सेंटर शामिल हैं, जो विशेष अभियान के माध्यम से आमजन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे हैं।

चाकसू में 'गुरु गोलवलकर स्वास्थ्य पखवाड़ा' आयोजित हुआ।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जिनकी प्राप्ति के लिए सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। मातृ स्वास्थ्य के अंतर्गत एएनसी रजिस्ट्रेशन, नियमित जांच, शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करना तथा एनीमिया की जांच एवं उपचार किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि इसके साथ ही टीकाकरण, स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियां, टीबी संभावित रोगियों की पहचान, जांच एवं उपचार के माध्यम से 'टीबी मुक्त' लक्ष्य की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

गैर-संचारी रोग स्क्रीनिंग के अंतर्गत 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की कुल 56 हजार 294 जनसंख्या में से अब तक 45 हजार 370 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। अभियान के दौरान शेष पात्र जनसंख्या की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।डॉ. कुमावत ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रतिदिन 50 व्यक्तियों की एनसीडी स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे समयबद्ध तरीके से पूरा करने हेतु स्वास्थ्य विभाग की टीमें निरंतर कार्यरत हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों का सम्मान

जयपुर। इंडियन डेंटल एसोसिएशन जयपुर ग्रेटर ब्रांच द्वारा वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 20 मार्च के अवसर पर इस वर्ष की थीम स्वस्थ मुंह,स्वस्थ जीवन पर होटल फोर पॉइंट्स शेरेटॉन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे इस थीम को लेकर दंत स्वास्थ्य पर चर्चा की गई साथ ही दंत शल्य क्रिया में हुए नवाचारो के बारे में कार्यक्रम में उपस्थित शहर के दंत चिकित्सकों को जानकारी दी गई । इस अवसर पर दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों का सम्मान किया गया।राजकीय दंत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ प्रदीप जैन व डॉ विनय कुमार,डीन डेंटिस्ट्री डॉ मनोज अग्रवाल ,राजस्थान डेंटल कौंसिल के अध्यक्ष डॉ एच एल गुप्ता,राजकीय जयपुरिया अस्पताल के दंत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ हरीश भारद्वाज ,वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ अभिलाषा वालिया व डॉ सीमा सोनी का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया ।

ARBiT it happens here...

Strengthening Families, Celebrating Commitment

Observed annually on March 22, Black Marriage Day highlights the cultural, social and economic significance of marriage within the Black community. The day underscores the role of strong family structures in fostering stability, intergenerational wealth, and community development. It also draws attention to challenges such as economic disparities, incarceration rates and social barriers that have historically impacted Black families. Beyond statistics, the observance celebrates commitment, partnership and resilience. Community events, discussions and faith-based gatherings often mark the occasion, encouraging dialogue around strengthening relationships and promoting healthy marriages as a foundation for collective progress and empowerment.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
22 March 2026
A-B

#STATUE STORIES

A Bronze Head Purposefully Buried

Augustus is a young, kind of movie star. He sets out to attract everyone with his magnetic beauty and make everybody want to follow him

Augustus was one of the most brilliant minds, a real game changer. Someone who changed the path of history forever. This is a head of a bronze statue of Augustus, the really extraordinary object that we have from the first century BCE. Partly extraordinary because it still has its eyes. We are not used to seeing these eyes. We are used to very vacant sort of eye sockets of our Roman figures, but this still has its eyes, which make it a really fascinating object to see and a really evocative object.

When this statue was cast, Augustus had just defeated his rivals in a brutal civil war to lead Rome. It was the first time one man ruled alone, and Augustus used this image to cement his reign. What we see with Augustus is actually a bit of a change in the way that Roman politicians, Roman Statesmen were presented. Previously, age was seen as a sort of way of communicating wisdom. So, statues and busts of wrinkles and signs of age on a face was something that you would have been used to seeing.

Augustus doesn't do this. Rather, he wants to put forward the sort of youthfulness of a ruler and the vitality of a ruler. This is a young, kind of movie star. He sets out to attract everyone with his magnetic beauty and make everybody want to follow him. So, in that sense, it is a real shift of gears from the traditional way of representing authority. This scale is larger than life, giving Augustus the appearance of a god. And yet, this object is also a cautionary tale for future rulers like Honorius. Look closely and you can see microscopic grains of sand embedded in the bronze. They tell a story of the dangers of imperial ambition.

The reason why the head is so well preserved is because it was purposefully buried. In 30 BC, Augustus's army invaded Egypt and expanded into Kush to the south. But the Kushites resisted and pushed back. They looted Roman treasures, pulling the head of Augustus's statue from its body. They carried their prize back to their capital, Meroe, where they buried it under the steps of a temple. Kushites could now literally rub their feet in the face of Augustus. So, in a very disrespectful and insulting way, every time someone went on pilgrimage to this temple, what they did was ultimately walking on the head of the emperor, the most powerful leader of the world at that time. It was the sign that aggressive empire building comes at a cost.

Vanilla Cultivation Began On The Isle of Réunion

PART:1

Eric Jennings, an author and historian specializing in French colonial history, says, "The arrival of vanilla beans and their consumption is tied to Europeans basically duplicating Indigenous drinks from Central America." The French fell particularly hard for vanilla, Jennings explained, mixing it into a growing variety of sweets, including a frozen custard (better known today as ice cream) that had been introduced by Catherine de' Medici, according to legend, when she married the future King Henry II of France, in 1533. In 1789, Thomas Jefferson returned home from his stint as the second U.S. ambassador to France with such a love for vanilla ice cream that he had it served at what would later become the White House.

Vanilla producer Bertrand Côme displays bound and dried vanilla beans for sale at his Réunion farm. The beans generally grow as long as 6 to 11 inches.

● Bulbul Joshi

The flight from Paris to the island of Réunion, a French overseas department in the Indian Ocean, takes 11 hours, skirting the smoldering crater of the Piton de la Fournaise volcano before landing just shy of the water. But after disembarking at Roland Garros Airport, the pioneering French aviator was from Réunion, you find yourself in a tropical paradise with all the trappings of its motherland, with French wine and cheeses in its supermarkets and a boulangerie around every corner. Four hundred miles east of Madagascar, Réunion is a sort of Francophone Hawaii. It's a magnet for adrenaline junkies, known for its 600 miles of marked hiking trails, its zip-line and white-water rafting adventures, its lava tube expeditions and perfectly cresting surfing waves, as well as the dubious distinction, from a few years ago, of registering the most fatal shark attacks in the world per capita. But beyond the plunging waterfalls and palm-tree-lined lagoons hides another story, about this far-flung former colonial outpost's agricultural history and the beginnings, of all things, of the modern trade in vanilla, the supremely fragrant 'bean' that is, among spices, second only to saffron in value on the global market.

In fact, the vanilla plant's natural habitat is the tropical forests of Mexico, where native bees fertilize the big, blooming white orchids. The Aztecs, who considered the plant sacred, mixed its dried seedpods into a cold cocoa drink, chocolatl, as Spanish conquistador Hernán Cortés discovered when he arrived at Tenochtitlán in the early 16th century. European aristocrats developed a taste for vanilla after it arrived from Spain's colonies in the New World on ships loaded with looted gold and silver. Eventually, a variation on the Aztecs' cocoa drink, now served hot, with added sugar and milk, took off across the Continent, soon spreading to the distant corners of the French Empire.

Eric Jennings, an author and historian specializing in French colonial history, says, "The arrival of vanilla beans and their consumption is tied to Europeans basically duplicating Indigenous drinks from Central America." The French fell particularly hard for vanilla, Jennings explained, mixing it into a growing variety of sweets, including a frozen custard (better known today as ice cream) that had been introduced by Catherine de' Medici, according to legend, when she married the future King Henry II of France, in 1533. In 1789, Thomas Jefferson returned home from his stint as the second U.S. ambassador to France with such a love for vanilla ice cream that he had it served at what would later become the White House. (Jefferson's handwritten recipe, based on that of French butler Adrien Petit, is among his official papers in the Library of Congress.)

Jennings's, new book, *Vanilla: The History of an Extraordinary Bean*, will be published this summer. Jennings is a historian at the University of Toronto who spent a decade researching vanilla's cultural history and its global economic spread.

Born on Réunion to enslaved parents in 1829, a child, whose mother died while giving birth, was known simply as Edmond, landowners didn't give last names to those they enslaved. Edmond grew up on a small plantation, Bellevue, above the town of Sainte-Suzanne, on the island's north coast. The island was uninhabited when the Portuguese first set foot on it in the early 16th century. In 1642, the French claimed the island for Louis XIII. Worked by enslaved captives transported from Africa, Madagascar and South Asia, dense forests soon became thriving coffee and sugar plantations. Later, indentured workers from India and China took over the grueling cultivation. The melting-pot Creole cuisine and Creole language found on the island today are a legacy of these successive waves of forced labor, a cultural mix 400 years in the making.

By the early 19th century, enslaved people made up 70 per cent of the island's population. This was Edmond's childhood world at Bellevue. The plantation's owner, Ferréol Bellier-Beaumont, was said to have 'treated him more like a son than a slave,' according to a letter written by Bellier-Beaumont's friend, a local official and botanist named Auguste Mézières Lépervanche. Bellier-Beaumont himself wrote of his affection for Edmond in an 1861 letter to the Sainte-Suzanne justice of the peace. "He was my favorite, and always at my side."

Bellier-Beaumont was a horticulturist with a passion for rare plants, and he taught Edmond from a young age the scientific names for the trees and plants he grew on the property, though he never taught him to read or write. In Bellevue's garden was a single vine of Vanilla planifolia, native to Mexico, that Jennings believes descended from one of the first vanilla saplings to survive on the island, after a shipment arrived from Paris in 1822. By then, the French had been struggling for years to break the Spanish monopoly on what had become a lucrative spice, planting vanilla in the tropical outposts of their own empire. But with no natural pollinators, every attempt to produce beans had failed.

At Bellevue, Bellier-Beaumont's vanilla vine grew beautiful flowers, but it never bore fruit. That all changed one day in 1841, when Edmond, then 12 years old, approached a blooming vanilla orchid and nimbly peeled back the lip of the flower to reveal the pollen inside. With the help of a needle or a sliver of wood (the historical record is unclear), he nudged back the rostellum, the thin membrane separating the male anther from the female stigma. Poking around further, he pressed the two parts together.

Months later, Bellier-Beaumont, accompanied by Edmond, was surprised to discover a green vanilla bean dangling from the spot where that flower had been. "Walking with my faithful companion, I noticed on the only vanilla plant I still had, a well tied bean," Bellier-Beaumont wrote years later. "I was astonished and told him so. He said it was he who had pollinated the flower."

Bellier-Beaumont was incredulous, but two or three days later, he noticed another bean on the vine. Edmond now showed him what he'd done. "Vanilla in that period was only cultivated in a few amateur gardens as a plant of pure curiosity," Mézières Lépervanche wrote. "Edmond, with the sagacity only a botanist can appreciate, was able to distinguish in the abnormal flower of the vanilla plant the organs of fertilization that are different from those of flowers in general and noticed very judiciously that the failure of the ovary resulted from the fact that the sexual organs were separated by a 'veil,' and he had the idea to lift it."

Today, the vast majority of the world's commercially cultivated vanilla plants are hand-pollinated using Edmond's pioneering technique, le geste d'Edmond, Edmond's gesture, as they took to calling it on Réunion. A skilled grower can pollinate 1,500 flowers in a day using his method; the process has yet to be mechanized.

After Edmond shared his discovery, Bellier-Beaumont paraded him proudly around the island, offering demonstrations to other plantation owners. "I have no way of proving it," Jennings told me, "but I've wondered many times if Bellier-Beaumont didn't charge attendance at these tours. Edmond gets all this attention projected on him and becomes a bit of a local star."

Edmond's technique was quickly adopted, enabling a new industry to take root. Soon two growers, Ernest Loupy and David de Floris, developed a system for more efficiently processing fresh green vanilla beans. Rather than simply leaving them out in the sun to dry, as was traditional in Mexico, they sped up the process by scalding fresh beans in hot water, to prevent them from ripening further, before drying them. Within 25 years of Edmond's innovation, Jennings said, "Réunion becomes the global leader in vanilla."

But with increased production-Réunion's vanilla output more than tripled between 1860 and 1880, land and labor costs rose, too. And with a huge new market emerging in the United States following the introduction of soft drinks (Coca-Cola debuted in 1886) and ice-cream cones (invented in New York City in 1896), Réunion's vanilla producers began looking to Madagascar, the much larger and less-developed French colony next door, as an alternative growing site.

Madagascar's new vanilla growers found great success in the lush, humid northeast coast of the island, where the vines attached their aerial roots to shaded tree trunks and climbed towards the canopy. It didn't take long for Madagascar to surpass Réunion as the new world capital of vanilla, a position it has held since the early 20th century. And despite periods of political instability in Madagascar, which gained independence from France in 1960, as well as natural disasters, boom-and-bust growing cycles tied to market speculation, and competition from artificial vanillin, the lab-made iteration of vanilla's main flavour component, first identified by a French scientist in 1858, some 80 percent of the world's vanilla is still grown in Madagascar today.

Back on Réunion, Edmond's story became the stuff of legend. Today, multiple streets bear his name, as well as several schools on the island. In Sainte-Suzanne, where he grew up, two memorials commemorate his contribution to botanical history. Novels and a children's comic book have embellished the details of his life. Of Bellevue itself, however, where Edmond pollinated that first vanilla orchid, nothing remains, the property largely is reclaimed by the forest. Only a rudimentary monument on the side of a road stands to mark the site.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#ALL THAT'S GOOD

Historian Eric Jennings at Toronto's Allan Gardens. His new book on vanilla explores, in part, how one of the world's most expensive crops became synonymous with "bland."

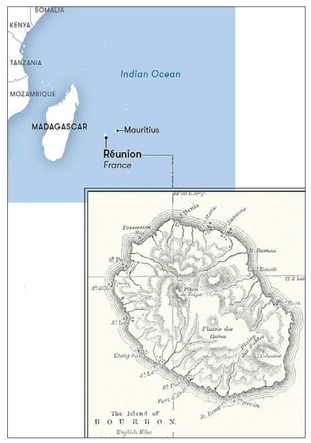

Once called Bourbon Island, Réunion lies about 420 miles east of Madagascar. The tropical but mild climate mixed with high humidity, adequate rainfall and volcanic soils bolstered vanilla growth on the isles.

At about 4,300 feet above sea level, Bélouve Forest, at the center of Réunion Island, is considered a high-altitude tropical jungle. Bélouve has been described as the heart of the lush Réunion National Park.

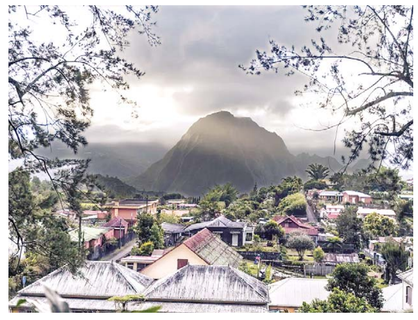

Hiking to the peak of Piton d'Anchaing is one draw for tourists. Réunion also offers remote beaches, volcanoes, pristine coral reefs and lush rainforests.

#INJUSTICE

Du Bois Saw This and Everything Changed Forever

Du Bois had devoted his life to fighting racial injustice through intellectual means, Sam Hose's lynching would serve as the catalyst that shattered his faith in reason

On April 23, 1899, in Newnan, Georgia, the brutal lynching of a Black farmhand named Sam Hose marked a pivotal moment in American history, and it forever changed the life and worldview of W.E.B. Du Bois, one of the greatest scholars and activists the nation has ever produced.

Hose, falsely accused of murdering his employer, was seized by a mob of over 2,000 people. What followed was an unimaginable act of terror. Hose was tortured, burned alive for more than 30 minutes, and then dismembered while the crowd cheered and watched. His body parts were then sold as grisly souvenirs in local stores. This barbaric public spectacle was not just an isolated incident of racial violence, it was a grotesque manifestation of the systemic racism that permeated every facet of life in the American South during the era of Jim Crow.

For Du Bois, a man who had devoted his life to fighting racial injustice through intellectual means, Sam Hose's lynching would serve as the catalyst that shattered his faith in reason and set him on a revolutionary path.

The Intellectual Du Bois: Reason and Justice

Before the lynching of Sam Hose, Du Bois was already an established intellectual figure. Born in Great Barrington, Massachusetts, in 1868, Du Bois had risen from humble beginnings to become the first African American to earn a Ph.D. from Harvard University. His early work focused on understanding the complexities of race and society through the lens of reason and education. Du Bois believed that intellectual engagement, the pursuit of knowledge, facts, and scientific inquiry, could ultimately defeat the racial prejudice and injustice that Black Americans faced.

His most famous work, *The Souls of Black Folk* (1903), was a profound meditation on the experience of Black Americans in a racially divided society. It introduced the concept of 'double consciousness,' the feeling of being torn between one's own identity and the way society views them. Du Bois's work was grounded in a deep belief that exposing the truth of racial oppression would inspire change in society, through education, debate, and the power of reason.

The Moment of Transformation: Sam Hose's Severed Knuckles

Du Bois's worldview, however, would be forever altered by a single, horrific moment. After learning about Sam Hose's lynching, Du Bois traveled to Georgia with the intention of writing an article that would defend Hose's life using the tools of reason and facts. He planned to use his scholarly background to expose the injustice of the lynching and show the world the inherent barbarity of such acts. But before Du Bois could reach the newspaper office, he walked past a storefront window. There, to his shock and horror, he saw the severed and burned knuckles of Sam Hose, displayed for sale like a grotesque souvenir. The mob's barbaric mutilation of Hose's body was now being commodified and turned into a public spectacle for all to see. In that moment, Du Bois experienced a profound realization. The deeply entrenched racial hatred, the systematic dehumanization of Black people, could not be confronted simply by presenting facts, no matter how compelling or true. The raw, visceral nature of racial violence was beyond the realm of intellect, it was a passionate, emotional force that facts and reason alone could not dismantle.

From Scholar to Revolutionary

The moment Du Bois saw Sam Hose's mutilated remains was a turning point in his life. The scholar became a revolutionary. This was no longer a fight that could be waged solely on the academic battlefield, it was a fight for survival, for human dignity, and for racial justice. Facts, as Du Bois had once believed, could no longer be the sole weapon in this battle.

This realization set Du Bois on a new path, one that would combine intellectual rigor with direct action. Du Bois began to see the fight for racial justice as urgent and immediate, not as something that could be slowly solved through gradual intellectual change. His work would no longer just be about writing and research, it would involve direct political engagement, protest, and activism.

Du Bois's response to this turning point was to find the National Association for the Advancement of Colored People (NAACP) in 1909. As a key figure in the NAACP, Du Bois used his platform as editor of its magazine, *The Crisis*, to push for a more radical, confrontational approach to achieving civil rights for African Americans. He advocated for immediate civil rights, the end of segregation, and an end to the disenfranchisement of Black voters.

The Legacy of Du Bois's Transformation

The lynching of Sam Hose and the trauma Du Bois experienced upon seeing his severed body parts was a defining moment in the history of the Civil Rights Movement. It was the spark that transformed Du Bois from a scholar into one of the most passionate and dedicated advocates for Black equality in American history.

His new outlook resonated throughout the work of the NAACP and in his later contributions to the Pan-African movement. Moreover, his journey from intellectual to activist would inspire generations of leaders, thinkers, and advocates in the Civil Rights Movement, including figures like Martin Luther King Jr., Malcolm X, and Angela Davis.

THE WALL

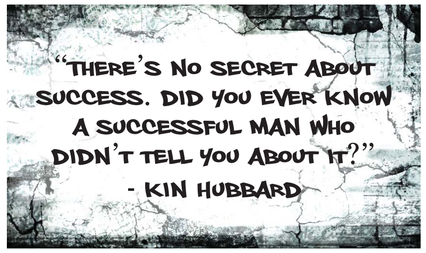

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

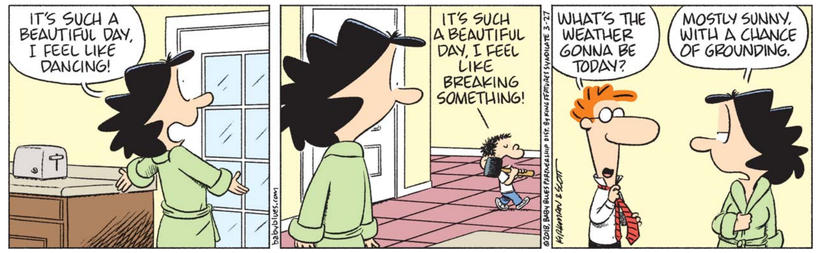

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

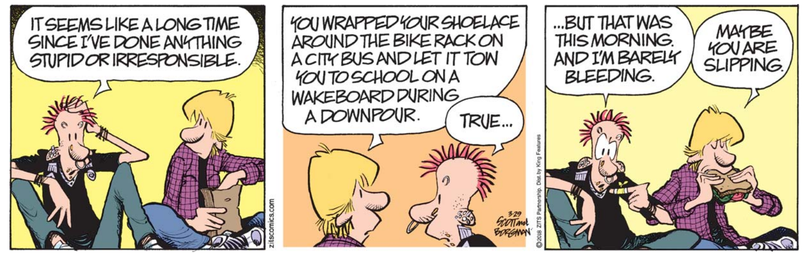

देवनानी की मौजूदगी में ''क्लीन अजमेर ग्रीन अजमेर मुहिम'' का शुभारंभ

'सामाजिक संस्थाएं आमजन को पॉलिथीन का बहिष्कार करने के लिए जागरूक करें'

अजमेर, (निसं)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि स्मार्ट सिटी अजमेर को पॉलिथीन मुक्त स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए स्वयंसेवी संस्थाएं अहम भूमिका निभाएं। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी शनिवार को सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में अग्रणीय संस्था जवाहर फाउंडेशन द्वारा ''क्लीन अजमेर ग्रीन अजमेर'' अभियान के शुभारंभ पर जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में स्वाभिमान भोज रसोई पर आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से औपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को दैनिक दिनचर्या में कपड़े के थेले का उपयोग करना चाहिए। सामाजिक संस्थाएं आमजन को पॉलिथीन का बहिष्कार करने के लिए जागरूक करें अन्यथा भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस मौके पर जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य सुनील माथुर ने कहा कि आमजन को पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर पॉलिथीन का उपयोग बन्द नहीं किया गया तो भविष्य में परिणाम घातक होंगे। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ मनीराम कुम्हार ने कहा कि पॉलिथीन हटाओ गोवंश बचाओ अति आवश्यक है। पॉलिथीन के कारण गोवंश बेमौत मारी जा रही है। गोवंश एवं पशु संरक्षण के लिए पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने के लिए आमजन को जागरूक किया जाना चाहिए। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ अरविंद खरे ने कहा कि आजकल होटल एवं रेस्टोरेंट से पॉलिथीन में गर्म पेय एवं खाद्य पदार्थ के टेक अवे का प्रचलन बढ रहा है, जिससे कैंसर सहित पेट की गंभीर बीमारियां हो रही है।

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ''क्लीन अजमेर ग्रीन अजमेर'' मुहिम का शुभारंभ किया।

- 'स्मार्ट सिटी अजमेर को पॉलिथीन मुक्त बनाने में स्वयंसेवी संस्थाएं अहम भूमिका निभाए'

जवाहर फाउंडेशन अजमेर के प्रभारी शिव कुमार बंसल ने बताया कि जवाहर फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष उद्योगपति एवं समाजसेवी रिजु झुनझुनवाला के निर्देशानुसार स्वच्छ अजमेर स्वस्थ अजमेर कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जवाहर फाउंडेशन द्वारा आमजन को जागरुक कर कपड़े के थैले वितरित कर रही है। वासुदेव देवनानी जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. मनीराम कुम्हार, डॉ. सुनील माथुर, जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ अरविंद खरे, उप अधीक्षक डॉ अमित यादव, जवाहर फाउंडेशन के प्रभारी रजनीश वर्मा के नेतृत्व में आम जन को पॉलिथीन मुक्त अजमेर बनाने के लिए जागरुक कर एक हजार कपड़े के थैले वितरित किए गए।

हिण्डौन सिटी के कैमरी में महिलाओं ने गणगौर की पूजा की

हिण्डौन सिटी, (निसं)। चैत्र शुक्ल तृतीया पर शनिवार को कस्बे में गणगौर पर्व पारंपरिक विधि-विधान के साथ मनाया गया। सुबह से ही महिलाओं और युवतियों में पूजा को लेकर उत्साह रहा। कैमरी के प्रसिद्ध जगदीश धाम मंदिर सहित विभिन्न चौक-चौराहों, मंदिर परिसरों और घरों में गणगौर की चौकी सजाई गई।

महिलाओं ने गणगौर माता और ईसर की प्रतिमाओं का श्रृंगार कर हल्दी, मेहंदी, चावल, दूर्वा और दीपक के साथ पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान गौर-गोठ के पारंपरिक गीतों से माहौल भक्तिमय बना रहा। कई स्थानों पर बालिकाओं और युवतियों ने घर-घर

- पारंपरिक गीतों से गूंजा वातावरण

जाकर गीत गाए और सौभाग्य का आशीर्वाद दिया। कैमरी स्थित जगदीश मंदिर परिसर, कस्बा शहर, पुल की ढाणी, बस स्टैण्ड सहित कई स्थानों पर महिलाओं का जमावड़ा रहा। पूजा के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। कुछ स्थानों पर छोटी शोभायात्राएं भी निकाली गईं, जिनमें महिलाओं ने गणगौर माता की प्रतिमाएँ उठाकर गीतों के साथ गांव में भ्रमण किया। अध्यापिका ज्योति जांगिड ने बताया कि गणगौर राजस्थान का प्रमुख पर्व है, जिसे विवाहित महिलाएं दांपत्य सुख और परिवार की समृद्धि के लिए मनाती हैं। अविवाहित बालिकाएं उत्तम वर की कामना करती हैं।

इस दौरान ज्योति जांगिड, सुनीता, निशा, तनु, पूजा गुर्जर, लक्ष्मी, सुशीला, महाराजी, अर्चना, शुभि जांगिड, रामसखी गुर्जर, संतरा गुर्जर, इंदिरा शर्मा सहित अनेकों महिलाएं शामिल रही। भूपेन्द्र खटाना अधैत ने बताया कि पूजा आयोजन में जगदीश मंदिर ट्रस्ट, जांगिड महिला मंडल और स्थानीय युवती मंडल का सहयोग रहा। पूजा स्थलों पर साज-सज्जा, जल व्यवस्था और प्रसाद वितरण की व्यवस्था इन संगठनों द्वारा की गई।

चोरी की वारदात का खुलासा

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तेजाजी की देवली स्थित बालाजी मंदिर में हुई चोरी की वारदात का महज 48 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए चांदी के दो छत्र भी बरामद किए हैं। थाना अधिकारी नरेंद्र जाखड ने बताया कि चोरी की इस वारदात का खुलासा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर किया गया। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पकडे गए आरोपियों की पहचान रामगंज निवासी हेमंत और शेखर के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने नशे की लत को पूरा करने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

चेटीचंड पर झूलेलाल की शोभायात्रा निकाली

गंगापुर सिटी, (निसं)। चेटीचंड पर्व पर सिंधी समाज द्वारा भगवान झूलेलाल की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर समाजजनों में भारी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह झूलेलाल मंदिर में ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसमें सैकड़ों समाजजन शामिल हुए। दोपहर में भंडारे का आयोजन भी किया गया। शोभायात्रा सिंधी कॉलोनी स्थित मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इसमें संतोषी माता मंदिर, मालगोदाम रोड, नेहरू पार्क, देवी स्टोर चौराहा, चौपड़ बाजार, बालाजी चौक, कैलाश टॉकीज, जामा मस्जिद मार्ग, फव्वारा चौक और कचहरी रोड शामिल थे। महिलाएं और पुरुष पारंपरिक रंग-बिरंगी वेशभूषा में यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान बैंडबाजों की धुन पर महिलाओं और युवाओं ने डांडिया खेला, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। भगवान झूलेलाल, शंकर और राम दरबार की आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने चेटीचंड को सिंधी समाज की आस्था और संस्कृति का प्रतीक बताया। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। भाजपा शहर मंडल के कार्यकर्ताओं ने भी आइसक्रीम वितरित कर और पुष्प वर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष ललित चंदानी सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने चेटीचंड को सिंधी समाज की आस्था और संस्कृति का प्रतीक बताया।

'पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधाओं को पहली प्राथमिकता दी जायेगी'

सवाईमाधोपुर, (निसं)। राज्य सरकार के आदेशानुसार 2018 बैच की आईपीएस अधिकारी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने शनिवार को सवाईमाधोपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पद का विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताएं ही सवाईमाधोपुर पुलिस की प्राथमिकताएं रहेंगी। उन्होंने कहा कि टाइगर अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध सवाईमाधोपुर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ आमजन व पर्यटकों की सुरक्षा , महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा तथा नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष फोकस रहेगा। पदभार ग्रहण के दौरान एसपी कार्यालय पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने उनका स्वागत किया तथा निवर्तमान एसपी अनिल कुमार बेनीवाल को विदाई दी। मध्यप्रदेश के गुना जिले में जन्मी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने अपने जीवन में संस्कार, अनुशासन और मेहनत को आधार बनाया। एक ही प्रयास में आईपीएस बनने वाली ज्येष्ठा आज देशभर के प्रतियोगी छात्रों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वे दिल्ली सहित देश के विभिन्न मंचों पर युवाओं को सिविल सेवा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन देती रही हैं। उनके व्याख्यान केवल परीक्षा तक सीमित नहीं होते, बल्कि जीवन मूल्यों, संघर्ष और आत्मविश्वास का संदेश भी देते हैं। जिले में भी युवाओं व विशेषकर महिलाओं व बच्चियों को मार्गदर्शन प्रदान करने की उनकी मंशा है। सीआईडी सीबी से स्थानांतरित होकर आई ज्येष्ठा मैत्रेयी अपराध नियंत्रण, साइबर क्राइम पर अंकुश, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ज्येष्ठा मैत्रेयी ने सवाईमाधोपुर एसपी का पदभार संभाला।

- संवेदनशीलता, सख्ती और सेवा भाव के साथ पुलिसिंग को देंगी नई दिशा
- 'राजस्थान पुलिस की प्राथमिकता ही जिले की प्राथमिकता रहेंगी'

गरीब और जरूरतमंदों की मदद करना उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है, जो उन्हें एक संवेदनशील पुलिस अधिकारी के रूप में अलग पहचान दिलाता है। पदभार ग्रहण के बाद ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कहा कि आमजन से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी अपेक्षाओं को समझना और पुलिस तंत्र को मजबूती देना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने हर जगह पुलिस की मौजूदगी के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी को संवेदनशील और जवाबदेह बनाकर त्वरित एवं भरोसेमंद सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। एसपी मैत्रेयी ने बताया कि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के विजन के अनुरूप नवीन आपराधिक कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल सके। साथ ही नशामुक्ति अभियान, सामाजिक जागरूकता और पुलिस परिवार के कल्याण जैसे विषय भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेंगे। सवाईमाधोपुर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल पर पदभार संभालते हुए उन्होंने पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल ही जिले की पहचान को और मजबूत करेगा। ज्येष्ठा मैत्रेयी की यात्रा संघर्ष, संस्कार और सेवा की भावना से सजी एक प्रेरणादायक कहानी है। वर्दी की सख्ती के पीछे छिपा उनका संवेदनशील व्यक्तित्व ही उन्हें खास बनाता है। आज वे केवल एक पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि हजारों युवाओं के सपनों को दिशा देने वाली जीवंत प्रेरणा बन चुकी हैं।

भीलवाड़ा में नव निर्मित रोलर स्केटिंग ट्रैक का लोकार्पण

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा द्वारा पटेल नगर योजना सेक्टर-4 में नव निर्मित रोलर स्केटिंग ट्रैक का भव्य लोकार्पण किया गया। यह ट्रैक शहर में खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय अभ्यास का अवसर प्राप्त होगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद दामोदर अग्रवाल उपस्थित रहे। साथ ही विधायक अशोक कोठारी, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाडा, भाजपा सुभाष मंडल अध्यक्ष ऋतू शेखर शर्मा, न्यास सचिव ललित गोयल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजय माथुर , अधीक्षण अभियंता ऋषिकेश मीणा अधिशाषी अभियंता राजू बडारिया एवं कनिष्ठ अभियंता रोहित चौबीसा व स्केट एसोसिएशन के सचिव अंशुल विजयवर्गीय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर भीलवाड़ा शहर के लगभग 50 से 60 बच्चों द्वारा रोलर स्केटिंग का शानदार प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया और कार्यक्रम की शोभा बढाई। स्केटिंग ट्रेक निर्माण के अंदर रोहित कुमार चौबीसा, ऋतु शेखर शर्मा एवं अंशुल विजयवर्गीय का विशेष योगदान रहा। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की खेल सुविधाएं युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करेंगी तथा उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक सिद्ध होंगी। नगर विकास न्यास द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार की जनहित एवं खेल विकास से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

- कार्यक्रम के दौरान भीलवाड़ा शहर के लगभग 50 से 60 बच्चों द्वारा रोलर स्केटिंग का प्रदर्शन किया गया

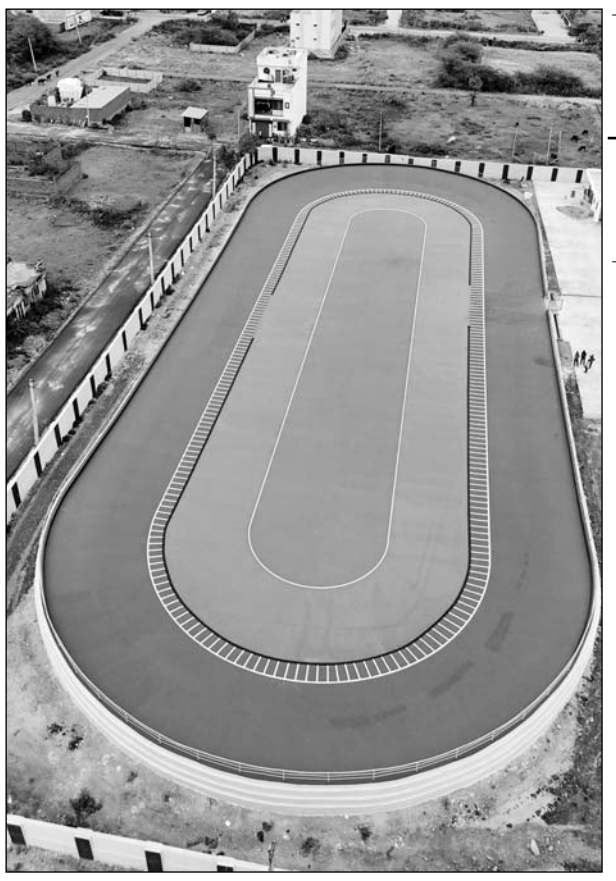

भीलवाड़ा में न्यास की ओर से नवनिर्मित रोलर स्केटिंग ट्रैक का लोकार्पण किया गया।

स्मैक जब्त

कोटपूतली, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थों एवं नशीली दवाईयों का अवैध व्यापार करने वालों के खिलाफ अधिक से अधिक एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देष पर एएसपी नाजिम अली के निर्देशन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी आदित्य कंजर (20) पुत्र कृष्ण कुमार कंजर निवासी कुजोता थाना सरुण्ड हाल सब्जी मण्डी के पीछे मौहल्ला बाछड़ी कोटपूतली के कब्जे से 07.17 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जप्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

गबन में फरार इनामी अपराधी गिरफ्तार

आरोपी लंबे समय से पहचान छिपाकर विभिन्न जिलों में फरारी काट रहा था

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ जिला स्पेशल टीम अजमेर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सरवाड़ नगर पालिका में सरकारी राशि के गबन के मामले में फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपी लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर विभिन्न जिलों में फरारी काट रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकड़ी राजेश कुमार

- आरोपी जयपुर, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर व पाली सहित कई स्थानों पर छिपकर रह रहा था

मील व वृताधिकारी हर्षित शर्मा के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। वहीं थानाधिकारी सरवाड़ रामपाल शर्मा एवं जिला स्पेशल टीम प्रभारी एएसआई शंकर सिंह रावत के नेतृत्व में टीम गठित कर वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा था। मामले के अनुसार नगरपालिका सरवाड़ के कनिष्ठ सहायक गोपाल माली ने 9 फरवरी 2024 को फर्जी हस्ताक्षर कर 11 लाख 32 हजार 709 रुपए की राशि नगर पालिका खाते से अपने निजी खाते में ट्रांसफर कर गबन किया था वही इस संबंध में सरवाड़ थाने में धारा 409, 467, 468 व 471 भादसं के तहत मामला दर्ज किया गया वहीं घटना के बाद आरोपी जयपुर, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर व पाली सहित कई स्थानों पर छिपकर रह रहा था। वही पुलिस अधीक्षक के आदेश पर उस पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। वहीं मुखबिर की सूचना पर टीम ने सरवाड़ स्थित आरोपी के घर पर दबिश देकर उसे गिरफ़्तार कर लिया गया। आरोपी से पूछताछ जारी है।जिला स्पेशल टीम के एएसआई शंकर सिंह रावत व कांस्टेबल रामनिवास की अहम भूमिका रही।

हाई वोल्टेज से कई घरों में उपकरण जले

कई घरों और दुकानों के लाखों के उपकरण जले, ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग उठाई

देशनोक, (निसं)। पलाना ग्राम में हाल ही में बिजली लाइन का न्यूटल फेल हो जाने से गांव में अचानक अत्यधिक वोल्टेज आ गया। इस घटना के कारण कई व्यापारियों और घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली उपकरण खराब हो गए, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

जानकारी के अनुसार, यह घटना अधिक वोल्टेज आने से दुकानों और घरों में लगे फ्रीज, कैमरा हार्डडिस्क, पंखे और लाइट जैसे कई विद्युत उपकरण जल गए। इसके अलावा, एक व्यापारी के गोदाम में तार जलने से आग लगने की भी घटना सामने आई, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ। इस घटना के बाद, प्रभावित ग्रामीणों और व्यापारियों ने बिजली विभाग के जेईएन कालूराम प्रजापत को एक

- प्रभावित ग्रामीणों और व्यापारियों ने बिजली विभाग के जेईएन को ज्ञापन सौंपा और कार्यवाही की मांग की

आवेदन सौंपा। उन्होंने मामले की गहन जांच करवाने और हुए नुकसान के लिए उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने विभाग से भविष्य में ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने का भी आग्रह किया। ज्ञापन सौंपते समय बाबुलाल, ओमप्रकाश, रामरख, मनफूल सियाग, प्रेम सियाग, पपुराम सहित कई ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बूंदी में ईद-उल-फितर का पर्व मनाया

बूंदी, (निसं)। जिले भर में ईदुल फितर का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास से मनाया गया। ईदगाह और मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के सभी लोगों ने एक साथ नमाज अदा की। सभी नमाजियों ने देश, प्रदेश और जिले में अमन चैन की दुआ की।

नमाज के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। शहर के नवल सागर स्थित ईदगाह पर आज सुबह शहर काजी पीरजादा इमरान कादरी ने ईद की नमाज अदा कराई। नमाज के पश्चात मुस्लिम समाज के लोगों ने शहर काजी को साफा बंधवाया और माल्यार्पण कर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर राजस्थान काजी कौंसिल के संरक्षक अब्दुल शकूर कादरी ने अपनी तकरीर में मुल्क में अमन सलामती, भाईचारे और कौमी एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कमजोर और बेसहारा लोगों की मदद के लिए सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए। कादरी ने बच्चे व बच्चियों को अच्छी तालीम दिलाकर उनको मुल्क की तरक्की में भागीदार बनाने का आव्हान किया।

नापासर में ठेकेदार की लापरवाही उजागर

नापासर, (निसं)। कस्बे में विकास कार्यों के नाम पर ठेकेदार की लापरवाही सामने आई है। 500 मीटर शिविर लाइन के लिए खोदे गए गड्ढों को ठीक से नहीं भरा गया, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। पिछले दो दिनों में इन गड्ढों में दो बड़े वाहन फंस चुके हैं, जिससे गंभीर यातायात समस्या उत्पन्न हो गई है। मुख्य बाजार में सीमेंट से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली गड्ढे में धंस गई, जिससे लंबे समय तक यातायात बाधित रहा। इस घटना ने सड़क की खराब स्थिति को उजागर किया। शनिवार सुबह उसी क्षेत्र में एक ट्रक भी गड्ढे में फंस गया। ड्राइवर ने घंटों तक वाहन निकालने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। आखिरकार, उसे मशीन मंगवाने के लिए जाना पड़ा, जिसके कारण बाजार में भारी जाम लग गया और मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया।

जानकारी के अनुसार, नगर पालिका द्वारा कुछ समय पहले 500 मीटर शिविर लाइन बिछाई गई थी। ठेकेदार ने पाइप तो डाल दिए, लेकिन गड्ढों को सही ढंग से नहीं भरा। इस लापरवाही को लेकर पहले भी कई बार

- 500 मीटर शिविर लाइन के लिए खोदे गए गड्ढों को ठीक से नहीं भरा गया, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है
- शिविर लाइन के गड्ढों में फंसे वाहन, मुख्य बाजार में लगा जाम

खबरें प्रकाशित हुई थी, लेकिन ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और न ही काम में सुधार किया गया। कीचड़, गड्ढों और उबड़-खाबड़ सड़क से स्थानीय लोग त्रस्त हैं। उनमें भारी आक्रोश है और वे जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वर्तमान में, मुख्य बाजार में देशनोक रोड चौराहा और भैरुनाथ मंदिर के पास का रास्ता पूरी तरह बंद है। फंसे हुए ट्रक के टायर गड्ढों में गहरे धंस गए हैं और वह लोड भी है, जिससे उसे निकालना मुश्किल हो रहा है।

आवासीय कॉलोनी में दिखा हायना, लोगों में दहशत

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के ग्राम ललाणा स्थित गंगा नगरियों की ढाणी की आवासीय कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया, जब देर रात एक हायना (लकड़बग्घा) दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हायना कॉलोनी की गलियों में घूमता नजर आया, जिससे लोगों में भय का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हायना पहले खाली प्लॉट्स और झाड़ियों के पास देखा गया, जिसके बाद वह धीरे-धीरे रिहायशी इलाके की ओर बढ़ गया। कई लोगों ने अपने घरों के बाहर से ही उसका वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे रात के समय घरों से बाहर न निकलें और बच्चों व पशुओं को सुरक्षित रखें व दिखाई देते ही वन विभाग को सूचित करे। विशेषज्ञों का मानना है कि जंगलों के कम होते क्षेत्र और भोजन की तलाश में जंगली जानवर आबादी की ओर रुख कर रहे हैं। फिलहाल क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

डेढ़ करोड़ गहने पहनाकर निकाली गणगौर की सवारी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में डेढ़ करोड़ के गहने पहनाकर गणगौर माता की सवारी निकली गई। सुरक्षा में हथियारबंद पुलिसकर्मी तैनात रहे। गणगौर माता की यह सवारी 100 साल से निकाली जा रही है। सवारी की शुरुआत शहर के लक्ष्मण मंदिर से हुई। शोभायात्रा में 15 झांकियां निकाली गई। आकर्षण का केंद्र गौरा माता और ईसर भगवान की झांकी रही। गौरा माता और ईसर भगवान का डेढ़ करोड़ रुपए के गहनों से श्रृंगार किया गया। गहनों की सुरक्षा के लिए हथियारबंद पुलिस साथ चली। श्रीसनातन धर्म सभा के मंत्री यज्ञदत्त शर्मा ने बताया- शोभायात्रा करीब 100 साल से निकाली जा रही है। पहले राजा महाराजा निकालते थे। इसके बाद 1966 में सनातन धर्म सभा ने शोभायात्रा निकालना शुरू किया है। गणगौर माता और ईसर भगवान ने जो गहने पहने हैं। वह अनमोल हैं। कुछ गहने सभा की तरफ से पहनाये जाते हैं। सर्राफा व्यापारी भी भगवान को गहने पहनाते हैं।

सभा के पदाधिकारी भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि राजपरिवार की तरफ से यह शोभायात्रा निकाली जाती थी। अब श्री सनातन धर्म सभा की तरफ से यह शोभायात्रा निकाली जाती है। इस शोभायात्रा की शुरुआत लक्ष्मण मंदिर से शुरू हुई है। कोतवाली कुम्हेर गेट, अनाह गेट बजरिया, गणेश मंदिर होते हुए लक्ष्मण मंदिर पर शोभायात्रा का समापन होगा। शोभायात्रा को देखने के लिए शहर के लोग बाजारों में पहुंचे। सुरक्षा दृष्टि से शहर में जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात रहे। इसके अलावा गौरा देवी और ईसर भगवान की झांकी पर हथियारबंद पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

- गणगौर माता की सवारी की सुरक्षा में हथियारबंद पुलिस तैनात, 100 साल से निकाली जा रही सवारी है
- श्री सनातन धर्म सभा की तरफ से शोभायात्रा निकाली जाती है

70 लाख की अवैध शराब व बीयर से भरा कंटेनर पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

अवैध शराब व बीयर पंजाब से तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही थी

- कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही एक कार मौके से फरार होने में कामयाब हो गई
- पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली, जिसमें शराब और बीयर की 648 पेटियां बरामद हुई
- ट्रक को पीछे से खोल कर देखा तो उसमें पैकिंग गत्ते के रोल भरे हुए थे, पीछे से देखने पर शराब के कार्टून दिखाई नहीं दिए

सूरतगढ़, (निसं)। यहां सदर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने शनिवार को 648 पेटी अवैध शराब व बीयर से भरा एक कंटेनर पकड़ा है। इसके साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी गई है।

एसपी हरीशंकर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पंजाब से गुजरात की ओर अवैध शराब से भरा कंटेनर ले जाया जा रहा है। सूचना पर सदर थाना के एएसआई इन्द्राज पूनियां व उनकी टीम ने जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल पवन कुमार के साथ अनूपगढ़ रोड़ पर कंटेनर का पीछा किया। इस दौरान कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही एक कार मौके से फरार होने में कामयाब हो गई, जबकि पुलिस टीम ने कंटेनर को रोही 08 एसडी के पास रोककर तलाशी ली। जिसमें अवैध रूप से परिवहन की जा रही शराब और बीयर की कुल 648 पेटियां बरामद हुई। पुलिस टीम ने ट्रक सवार ड्राइवर प्रकाश कुमार (26) पुत्र मोहनलाल मेघवाल, निवासी चौहटन बाड़मेर और रुपाराम (20) पुत्र गोकलाराम भील, निवासी कापराऊ, चौहटन बाड़मेर को गिरफ्तार कर लिया।

सदर थाना के सहायक उप निरीक्षक इंद्राज पूनिया ने बताया कि ट्रक को पीछे से खोल कर देखा तो उसमें पैकिंग गत्ते के रोल भरे हुए थे, जिन्हें पहले थाने लाकर उतारा गया। पीछे से देखने पर शराब के कार्टून दिखाई नहीं दिए। केबिन की सघन जांच की तो उसमें एक अलग से ढक्कन लगाया हुआ था, जिसे खोलकर देखा तो अंदर अलग से एक और बॉक्सनुमा केबिन मिला, इसी में शराब के यह कार्टून भरे हुए थे। प्रारंभिक पड़ताल में दोनों आरोपियों ने इस शराब को पंजाब के कोटकपूरा इलाके से लोड कर गंगानगर, सूरतगढ़, अनूपगढ़ और जैसलमेर होते हुए गुजरात के अहमदाबाद की ओर ले जा जाने की जानकारी दी है। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज करते हुए प्रकरण में आगे की जांच सब इंस्पेक्टर संपत धायल को सौंपी गई है।

एएसआई इंद्राज पूनिया ने बताया कि 648 पेटियों में अलग-अलग ब्रांड की व्हिस्की और बियर बरामद हुई है, जिनका बाजार मूल्य करीब 70 लाख रुपए आंका गया है। पुलिस टीम में एएसआई इन्द्राज के साथ कॉन्स्टेबल सूर्यप्रकाश, कमलेश, अजय, रणवीर, अनिल कुमार, दिनेश और जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल पवन कुमार शामिल रहे। इस कार्रवाई में कॉन्स्टेबल पवन कुमार की विशेष भूमिका रही।

मादक पदार्थ एमडी के साथ एक युवक गिरफ्तार

- नोखा में आरोपी के कब्जे से 31.94 ग्राम एमडी जब्त, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

नोखा, (निसं)। पुलिस ने एक युवक को एमडी (मेफेड्रोन) के साथ गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 31.94 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार, नोखा थाना के सब इंस्पेक्टर तनसुखराम अपनी टीम के साथ रात क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें जोरावरपुरा क्षेत्र में एक युवक के पास मादक पदार्थ होने की सूचना मिली। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 31.94 ग्राम एमडी बरामद हुई। पूछताछ में युवक की पहचान स्वराज उर्फ शिवराज बिश्नोई के रूप में हुई है, जो नोखा के करणी माता मंदिर क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त कर लिया। उसके खिलाफ नोखा थाने में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह मादक पदार्थ कहां से लाया था और इसे किसे सप्लाई करने वाला था। इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

वहीं हनुमानगढ़ जंक्शन थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत एक युवक को 7.50 ग्राम अवैध हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 7.50 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

गिरफ्तार युवक की पहचान सहनवाज उर्फ नवाजा (35) निवासी चक 2 आरडब्लूडी नवां, हनुमानगढ़ जंक्शन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में एसआई गुरुदेव सिंह, कॉन्स्टेबल शंकरलाल, सर्वजीत और चेतनराम सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। इस अभियान में मुखबिर तंत्र और खुफिया सूचना का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस अब आरोपी सहनवाज से गहन पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने यह चिट्टा कहां से प्राप्त किया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। अधिकारियों ने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बीकानेर में बारिश-ओलावृष्टि से खेतों में फसलें खराब हुई

कई गांवों में 90 फीसदी नुकसान, ईसबगोल, गेहूं, चना की फसल पानी में डूबी

बीकानेर, (निसं)। यहां बारिश और ओलावृष्टि से फसल खराब हो गई और कई गांवों में 90 फीसदी तक नुकसान हुआ, वहीं ईसबगोल, गेहूं और चना की फसल प्रभावित हुई और कांग्रेस ने गिरदावरी व मुआवजे की मांग उठाई। पिछले दिनों हुई बेमौसम बारिश के बाद जिलेभर के किसानों को भारी नुकसान हुआ है और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बीकानेर जिले के आसपास के गांवों के साथ श्रीडूंगरगढ़, लूणकरनसर, पूगल, खाजूवाला और नोखा के गांवों में बारिश और ओलावृष्टि से खड़ी फसल को नुकसान हुआ है।

पूगल क्षेत्र में ईसबगोल की खड़ी फसल पूरी तरह खराब हो गई। वहीं अन्य गांवों में गेहूं और चना की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। जिन किसानों ने फसल काटकर खेत में छोड़ रखी थी, उन्हें भी भारी नुकसान उठाना पड़ा। एक रात की तेज बारिश ने कई महीनों की मेहनत पर असर डाल दिया। देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने जिलेभर में गिरदावरी कराने की मांग की है। उनका कहना है कि हजारों किसानों की फसल खराब हुई है, ऐसे में तुरंत सर्वे होना चाहिए।

सियाग ने कहा कि जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है, उन्हें पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। बीमा प्रक्रिया को सरल बनाया जाए ताकि किसानों को जल्दी राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने मुआवजे की प्रक्रिया शुरू नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा।

राज्य के मॉडल स्कूलों में कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं व सुविधाओं की दरकार

विडंबना है कि इन स्कूलों में केवल विज्ञान संकाय (मेडिकल/नॉन-मेडिकल) ही उपलब्ध है

- स्कूलों में कला एवं वाणिज्य संकाय नहीं होने से 10वीं कक्षा के बाद इन संकायों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है
- 'राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मॉडल स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में कला एवं वाणिज्य संकाय भी शुरू करना चाहिए'

श्रीगंगानगर, (निसं)। राज्य के मॉडल कहे जाने वाले सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षा का ढांचा लड़खड़ाता नजर आ रहा है। राज्य में संचालित 134 स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों में 10वीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों को अपना भविष्य दांव पर लगाना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इन स्कूलों में केवल विज्ञान संकाय (मेडिकल/नॉन-मेडिकल) ही उपलब्ध है, जिस कारण कला और वाणिज्य विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को मजबूरन स्कूल छोड़ना पड़ रहा है। कुछ स्कूलों में सिर्फ इकोनॉमिक्स की पढ़ाई होती है। इन स्कूलों में कला एवं वाणिज्य संकाय नहीं होने से 10वीं कक्षा के बाद इन संकायों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार श्रीगंगानगर में 2 सहित प्रदेश में 134 स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल संचालित हो रहे हैं। नाम भले ही मॉडल स्कूल का हो, लेकिन कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं व सुविधाओं की दरकार बनी हुई है। ऐसे में हर साल करीब 40 प्रतिशत विद्यार्थी दसवीं के बाद मॉडल स्कूलों को छोड़ रहे हैं। हैरानी की बात है कि इस ओर किसी का ध्यान तक नहीं जा रहा है। दसवीं बोर्ड कक्षा उत्तीर्ण के बाद विद्यार्थियों को सामान्यतया कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय में से अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने का अवसर मिलता है, लेकिन इन मॉडल स्कूलों में फिलहाल केवल विज्ञान संकाय ही संचालित है। ऐसे में कला या वाणिज्य विषय से पढ़ाई करना चाहने वाले विद्यालयों में प्रवेश लेना पड़ता है।

राजस्थान में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल योजना की शुरुआत मुख्य रूप से वर्ष 2014-15 में की गई थी, जिसके तहत शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में 134 विद्यालय स्थापित किए गए। ये विद्यालय अंग्रेजी माध्यम के हैं और केंद्रीय विद्यालयों की तर्ज पर चलते हैं, जिनमें 6 से 12 तक की शिक्षा दी जाती है। सत्र 2024-25 से इन स्कूलों में प्राइमरी स्तर (कक्षा 1-5) की पढ़ाई भी शुरू की गई है। जिले में अनूपगढ़ एवं सूरतगढ़ ब्लॉक में मॉडल स्कूल संचालित हैं।

अरविंद्र सिंह, सीडीईओ, शिक्षा विभाग, श्रीगंगानगर ने बताया कि ये मॉडल स्कूल सीबीएसई बोर्ड की तर्ज पर चलते हैं। इसकी मॉनिटरिंग भी की जाती है। इन स्कूलों के लिए बजट सीधा राज्य सरकार से सीधे तौर पर आता है। हमारे सामने कभी भी इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने संकायों की कमी को लेकर शिकायत तक नहीं की। इन स्कूलों के नजदीक ही आरबीएसई के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित हो रहे हैं।

मोहर सिंह सलावद, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा, राजस्थान का कहना है कि वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर विद्यार्थी अब भी कला संकाय को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन मॉडल स्कूलों में कला संकाय नहीं होने से विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा के बाद या तो मजबूरी में विज्ञान विषय चुनना पड़ रहा है या फिर उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ता है। राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मॉडल स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में कला एवं वाणिज्य संकाय भी शुरू करना चाहिए।

बीडीएस छात्रा ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन सागर में कूद कर बीडीएस की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को गोवर्धन सागर तालाब पानी में मिली अज्ञात युवती की देवली टोक निवासी मनोहरलाल ने अपनी पुत्री रिया थारवान (20) पुत्री मनोहरलाल के रूप में शिनाख्त की। इस पर एएसआई श्रवण कुमार ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि रिया निजी कॉलेज से बीडीएस द्वितीय वर्ष में पढाई कर रही थी एवं शुक्रवार सवेरे देवली टोंक से ट्रेन में बैठ कर उदयपुर के लिए रवाना हुई थी। सायं उसके पानी में डूबने की सूचना मिली। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

विद्युत करंट से युवक की मौत

छबड़ा, (निसं)। बावड़ीखेड़ा गांव में कृषि कार्य के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार बावड़ीखेड़ा निवासी नरेंद्र शनिवार को कृषि कार्य करते समय करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे तत्काल छबड़ा चिकित्सालय ले गए, जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोटपूतली में ऊंटों की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन व 27 ऊंट-ऊंटनी बरामद किये

कोटपूतली, (निसं)। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश व जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में एएसपी नाजिम अली खान व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में सरूण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अवैध गतिविधियां पर अंकुश लगाने हेतु मुखबीर से मिली एक ट्रक में ऊंटों की तस्करी की सूचना पर नाकाबंदी की।

इस दौरान एक ट्रक तेज गति से नारेहड़ा से कोटपूतली की तरफ आता हुआ दिखाई दिया, जिसको रूकवाया गया तो ट्रक में बैठे दो जने भागने की कोशिश करने लगे, जिस पर दोनों को पकड़ा गया। ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें 27 ऊंट-ऊंटनी बांध रखे थे। जिस पर चालक सीट पर बैठे व्यक्ति का नाम पूछा तो उसने अपना नाम तालीम (23) पुत्र निजर व दूसरे ने अपना नाम कामील (27) पुत्र कल्लू होना बताया। दोनों को बिना लाईसेंस व अनुज्ञा पत्र के अवैध ऊंटों की तस्करी करने पर गिरफ्तार किया गया। वहीं अवैध तस्करी में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया गया।

मांशी बांध में युवक का शव तैरता मिला

टोंक, (निसं)। निवाई सदर थाना क्षेत्र के जोधपुरिया गांव स्थित मांशी बांध में शनिवार को एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह जब भगवान देवनारायण मंदिर के पीछे स्थित घाट पर स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं की नजर जैसे ही पानी में तैर रहे शव पर पड़ी, मौके पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां एकत्रित हो गए। बाद में सूचना पर मौके पर पंहुची निवाई सदर थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला तथा शव को एंबुलेंस से निवाई उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस जांच के दौरान मृतक की पहचान केशव गुर्जर उर्फ भौंणा पुत्र समय सिंह, निवासी मांचड़ी पुलिस थाना नादौती जिला करौली के रूप में हुई है।

भूमि संपदा के अध्ययन पर आधारित "कोटा लैंड बैंक" पुस्तक का विमोचन

- कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के अंतर्गत उपलब्ध भूमि संपदा के व्यापक अध्ययन पर आधारित है पुस्तक

कोटा, (निसं)। कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के अंतर्गत उपलब्ध भूमि संपदा के व्यापक अध्ययन पर आधारित पुस्तक कोटा लैंड बैंक विश्लेषण और अवसर का विमोचन राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष, कोटा नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष तथा माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष राजेश बिरला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के देवेन्द्र सिंह चौहान, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला कोटा महामंत्री रमेशचंद्र गोयल, राजीव गांधी नगर ऑक्सीजोन विकास समिति के अध्यक्ष प्रतीक गोयल, महासचिव हिम्मत सिंह 'बालूपा', सह कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, युवा उद्यमी अनुपम गुप्ता, उद्यमी विशाल वर्मा, राधेश्याम मित्तल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस पुस्तक का लेखन एवं संपादन केडीए के राजस्व सलाहकार परमानन्द गोयल द्वारा किया गया है। यह उनकी आठवीं पुस्तक है। इससे पूर्व वे संसद विजिट-यादें, पांच साल बेमिसाल, कोटा टूरिज्म-विजिट कोटा यादगार कोटा, विचारों की उड़ान तथा हाड़ौती गौरव सम्मान 2026 जैसी पुस्तकों का लेखन एवं संपादन कर चुके हैं। पुस्तक में केडीए के अंतर्गत उपलब्ध रिक्त भूखण्डों एवं भूमि संपदा का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इसमें न केवल भूखण्डों का विवरण दिया गया है, बल्कि उनके सर्वोत्तम उपयोग, आवंटन, पुन: आवंटन तथा नीलामी से संबंधित व्यावहारिक सुझाव भी शामिल किए गए हैं। साथ ही, आमजन को जागरूक करने हेतु केस स्टडी एवं दृष्टांत भी दिए गए हैं। पुस्तक में भूमि उपयोग से जुड़े नवाचारों और संभावनाओं को रेखांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त, जन सामान्य के लिए उपयोगी एफएक्यू (फ्रीक्वेंटली एस्केड क्वेशंस-अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न) भी शामिल किए गए हैं, जिससे भूखण्ड क्रय, आवंटन या पुनर्विक्रय से संबंधित निर्णय लेने में सहायता मिल सके।

लेखक परमानन्द गोयल के अनुसार, पुस्तक में लगभग आठ हजार से अधिक भूखण्डों से संबंधित सूचनाओं का संकलन किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2900 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि यदि इन भूखण्डों का सुनियोजित उपयोग, विक्रय एवं नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाए, तो आगामी तीन वर्षों में लगभग 1000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा सकता है, जिससे जन आकांक्षाओं की पूर्ति संभव होगी।

मण्डावा में गणगौर की शाही सवारी लवाजमे के साथ निकाली

गणगौर की शाही सवारी का पहली बार लाइव प्रसारण हुआ

मंडावा के गढ़ परिसर में गणगौर स्नेह मिलन समारोह में शिर्वाजुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह व अंगद देव सिंह आदि सहित कई लोगों ने परंपराओं के तहत शाही सवारी में भाग लिया।

- सजी-धजी पालकियों और पारंपरिक लवाजमे ने बढ़ाया आकर्षण

झुंझुनूं/मण्डावा, (निसं)। राजस्थान की समृद्ध लोक परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक गणगौर महोत्सव इस वर्ष शेखावाटी की पर्यटन नगरी मण्डावा में अभूतपूर्व भव्यता और नवीन प्रयोगों के साथ मनाया गया। ऐतिहासिक हवेलियों और रंग-बिरंगी गलियों से सजे इस कस्बे में इस बार का आयोजन न केवल परंपराओं का निर्वहन था, बल्कि आधुनिक तकनीक के साथ उसका अनूठा समागम भी देखने को मिला। राज परिवार, मण्डावा के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। पहली बार गणगौर की शाही सवारी का लाइव प्रसारण किया गया, जिससे विदेशों में बसे भारतीय और राजस्थानी समुदाय भी इस भव्य आयोजन से जुड़ सके। राजस्थान फाउंडेशन एवं पर्यटन विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हुए इस प्रसारण ने मण्डावा की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर पहुंचाया।

पूरे शहर में उत्सव का माहौल देखते ही बनता था। लोक वाद्य यंत्रों की गूंज, पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकार और श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ ने वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस वर्ष शोभायात्रा को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए पारंपरिक लवाजमे के साथ-साथ सजी-धजी पालकियों का नया समावेश किया गया, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। गणगौर महोत्सव केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि राजस्थान की लोक संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम है। यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं की श्रद्धा, सौभाग्य और भगवान शिव-पार्वती के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर नवविवाहिताओं ने परंपरा अनुसार मिट्टी से निर्मित गणगौर और ईसर की प्रतिमाओं को गढ़ के समीप स्थित कुएं में विसर्जित कर सुख-समृद्धि की कामना की और मेले का आनंद लिया। इस बार का आयोजन मण्डावा को एक बार फिर सांस्कृतिक पर्यटन के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करता नजर आया, जहां परंपरा और आधुनिकता का संगम नई पहचान गढ़ रहा है। मंडावा के गढ़ परिसर में शनिवार को गणगौर स्नेह मिलन समारोह में राज परिवार के शिर्वाजुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह व अंगद देव सिंह ने परंपराओं के तहत शाही सवारी में भाग लिया। जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने लोगों को पर्व की बधाइयां दी। भाजपा नेता इंजी.प्यारेलाल ढूकिया, संजय चोबदार, राज कुमार सैनी, मनोज भादूपोता, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल, पूर्व सरपंच गिरवर सिंह चूडी, महिपाल तौलियासर, शिवचरण गाड़ोदिया, पूर्व नपा अध्यक्ष राधेश्याम सैनी, महेंद्र चंदवा, वाहिदपुरा सरपंच एसपी दूलड़, गिरवर सिंह, महिपाल सिंह तोलियासर, चंद्रपाल सिंह पाटोदा, राजेश बबाल, गोविंद जोशी, दिनेश धाभाई, राज कुमार सैनी, असगर रंगरेज, इब्राहिम रंगरेज, पार्षद मनोज भादुपोता, रवि चंदेलिया, जमील रंगरेज, संजय घुघवाल सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

किसान ने फांसी लगाई

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में किसान ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र रामा गांव निवासी वरदीचंद पुत्र टीला डांगी ने शुक्रवार सांय अपने मकान में फांसी लगा ली। इसको देख परिजन उसे फंदे से निचे उतार कर चिकित्सालय ले गए। जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

गणगौर का पर्व उत्साह से मनाया

छबड़ा, (निसं)। गणगौर पर्व यहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही महिलाओं और युवतियों में इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

पर्व के अवसर पर महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक परिधान धारण कर माता गौरी और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने परिवार की सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य और खुशहाली की कामना की। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह में पारंपरिक लोकगीत गाए और गणगौर माता की आराधना की। हाथों में कलश और सिर पर गणगौर की प्रतिमाएं सजाए गीत गाती हुई महिलाएं शोभायात्रा के रूप में निकली। ग्रामीण क्षेत्रों में भी गणगौर पर्व की विशेष रौनक देखने को मिली। युवतियों ने 16 दिनों तक व्रत रखकर माता गौरी की पूजा की। पर्व के अंतिम दिन उन्होंने विधि-विधान से पूजा संपन्न की। इस अवसर पर कई स्थानों पर सामूहिक पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

छबड़ा के खेल मैदान में 38 लाख की लागत से लगेंगे 65 विद्युत खम्बे

- शहरवासियों को रात्रि के समय में वॉक की सुविधा मिल सकेगी

छबड़ा, (निसं)। यहां का खेल मैदान अब कुछ ही दिनों में रोशनी से सरोबार हो उठेगा। जिससे शाम को वीरान दिखने वाले मैदान पर खेल प्रतिभाओं की चहल-कदमी बढ़नी शुरू हो जाएगी। अब खिलाड़ी रात्रि में भी अभ्यास कर सकेंगे। यहां नगर पालिका द्वारा लगभग 38 लाख रुपए की लागत से 65 विद्युत खंबे लगाए जा रहे है। इससे खेल प्रेमियों में हर्ष व्याप्त है। खेल प्रेमियों ने विधायक प्रतापसिंह सिंघवी का आभार व्यक्त किया। ईओ सन्दीप गहलोत के अनुसार मैदान में सुविधाओं के अभाव के कारण स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। लेकिन यहां विधायक सिंघवी के अथक प्रयासों के खेल प्रेमियों व कस्बेवासियों को सुविधायुक्त खेल मैदान मिल सकेगा। यहां खेल प्रेमियों के भावनाओ के अनुसार सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सुविधाओं की कमी के कारण खिलाड़ियों के सामने अभ्यास की समस्या थी, जो अब दूर हो सकेगी। वहीं खेल मैदान के विकास से बेहतर अभ्यास स्थल मिलेगा। इसी क्रम में यहां नगर पालिका द्वारा 38 लाख रुपए की लागत से 65 विद्युत खंबे लगवाए जा रहे हैं। जिससे खेल मैदान रात्रि के समय में भी जगमग रहेगा और शहरवासियों को रात्रि के समय में वॉक की सुविधा मिल सकेगी।

मृतक की पत्नी को क्लेम मिला

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एसएसबी रोड स्थित शाखा ने एक बार फिर बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बैंक की ओर से संचालित दुर्घटना बीमा (पीएआई) योजना के अंतर्गत, एक दिवंगत ग्राहक के परिवार को 20 लाख की बीमा राशि का चेक सौंपकर आर्थिक संबल प्रदान किया गया।

शाखा प्रबंधक अनिकेत मिड्ढा ने बताया कि बैंक के ग्राहक अशोक कुमार ने इस योजना के तहत मात्र 1000 के प्रीमियम पर अपना बीमा करवाया था। दुर्भाग्यवश, एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया। बीमा शर्तों के अनुसार, बैंक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दावे की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान मृतक की नॉमिनी और उनकी पत्नी शोभा देवी को बीस लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया।

शाही ठाठ-बाट से निकली गणगौर माता की सवारी

सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और पूर्व राजपरिवार की महिलाओं ने गणगौर माता का विधिवत पूजन किया

जयपुर। जयपुर की विश्व प्रसिद्ध गणगौर की शोभायात्रा को देखने के लिए शनिवार को जयपुरवासी उमड़ पड़े। चारदीवारी पूरी तरह गणगौर और ईसर के रंग में रंग गई। पहली बार 210 लोक कलाकारों के अलग-अलग समूह ने लोक कला की ऐसी रंगत बिखेरी कि दर्शक निहारते ही रहे। वहीं 32 पारंपरिक लवाजमों के भव्य संयोजन ने गणगौर माता की शाही सवारी में चार चांद लगा दिए।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि लोक कला और परंपरा की जुगलबंदी ने शहरवासियों और पर्यटकों को आनंदित कर दिया। सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और पूर्व राजपरिवार की महिलाओं ने गणगौर माता का विधिवत पूजन किया। इसके बाद जनानी ड्योढ़ी से शाही सवारी में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज, लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों और बैंड की स्वर लहरियों के साथ लाल वस्त्रधारी कहार माता को कंधों पर उठाकर त्रिपोलिया गेट से चौड़ा रास्ता पहुंचे।

- बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी के साथ यह महोत्सव अपने अंतिम चरण में प्रवेश करेगा
- सजीधजी झांकियों व पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया

शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही।

शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही। यहां गणगौर माता के दर्शन के लिए काफी देर से खड़े श्रद्धालुओं ने जयकारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। सजी-धजी झांकियों और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक मार्ग के दोनों ओर एकत्र होकर माता के दर्शन करते नजर आए।

गणगौर माता का श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहा। माता को लगभग 1.5 किलो के मुकुट, 150 ग्राम के मांग टीका, 900 ग्राम के चंपाकली हार सहित पारंपरिक शाही आभूषणों से अलंकृत किया गया। इसके साथ ही बाजूबंद, हथफूल, कंठी और कमरबंध जैसे आभूषणों ने माता के स्वरूप को और अधिक दिव्य एवं भव्य बना दिया। रत्नों से जड़े इन आभूषणों ने राजसी परंपरा और कारीगरी की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत की।

यह शोभायात्रा सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से प्रारंभ होकर छोटी चौपड़ पहुंची तो उसकी भव्यता देखते ही बन रही थी। लवाजमे का एक छोर जहां छोटी चौपड़ था तो दूसरा छोर त्रिपोलिया गेट था। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने कलश धारण कर मंगल गीतों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर गणगौर की सवारी का स्वागत किया गया। तालकटोरा में गणगौर को पानी पिलाया गया। रविवार को बूढ़ी गणगौर की सवारी निकाली जाएगी।

सुसज्जित भव्य सवारी:- इस बार 32 पारंपरिक लवाजमों की भव्य मौजूदगी ने सवारी को और भी आकर्षक बना दिया। सुसज्जित हाथी, ऊंट दल, घोड़े, विक्टोरिया कैरिज और विभिन्न बैंडों की धुनों के बीच पहली बार शामिल शंकर बैंड ने खास आकर्षण पैदा किया।

सवारी के गणगौरी बाजार पहुंचते ही पूरा इलाका मानो लोक उत्सव के चरम पर नजर आया।

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका लाइव प्रसारण भी रहा, जिसके माध्यम से देश-विदेश में बसे राजस्थानियों ने इस भव्य आयोजन को रियल टाइम में देखा।

रविवार को निकलेगी बूढ़ी गणगौर की सवारी:- अब रविवार को बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी के साथ यह महोत्सव अपने अंतिम चरण में प्रवेश करेगा।

ईद-उल-फितर पर दिल्ली रोड स्थित ईदगाह पर ईद की नमाज अता करते अकीदतमंद।

दिव्यांग छात्रा को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी-2025 के दिव्यांग कोटे के मेरिट में आई छात्रा को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने को कहा है।

अदालत ने कहा कि यदि इस सत्र में सीट खाली नहीं है तो उसे साल 2026 के पाठ्यक्रम में सीट आवंटित की जाए। अदालत ने माना की छात्रा वर्तमान में एम्स, दिल्ली में प्रवेश के लिए पात्र है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश वैष्णवी अग्रवाल की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता टीएन शर्मा ने अदालत को बताया कि अपीलार्थी की करंट लगने से दायें हाथ ही दो अंगुलियों में स्थाई दिव्यांगता आ गई थी। ऐसे में उसने दिव्यांग कोटे में नीट यूजी-2025 में आवेदन किया। उसने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, लेकिन प्रवेश के समय एसएमएस अस्पताल की मेडिकल कमेटी ने उसे यह कहते हुए अपात्र घोषित कर दिया कि वह दिव्यांगता के कारण मेडिकल संबंधी काम नहीं कर सकती है।

- अपीलार्थी की करंट लगने से दायें हाथ ही दो अंगुलियों में स्थाई दिव्यांगता आ गई ऐसे में उसने दिव्यांग कोटे में नीट यूजी-2025 में उसने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, लेकिन मेडिकल कमेटी ने उसे अपात्र घोषित कर दिया था

वहीं अदालती आदेश से दिल्ली के सरफदगंज अस्पताल के मेडिकल बोर्ड ने अपीलार्थी का परीक्षण किया। इसके बाद बोर्ड की ओर से भेजी रिपोर्ट में अपीलार्थी को प्रवेश के पात्र माना गया। इस पर अदालत ने अपीलार्थी को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के आदेश दिए हैं।

फसलों को हुए नुकसान पर लिया संज्ञान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान पर संज्ञान लेकर शुक्रवार देर रात सभी जिला कलक्टर्स को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की हर परिस्थिति में सहायता के लिए पूर्ण संवेदनशीलता के साथ तत्पर है।मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि किसानों की पीड़ा हमारी पीड़ा है। राजस्थान की समृद्धि का आधार हमारे अन्नदाता भाई-बहन हैं। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ किसान भाइयों के साथ दृढ़तापूर्वक खड़ी है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला कलक्टर्स को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के दिए निर्देश

सार्वजनिक सूचना (पुत्र और पुत्रवधु को परिवार/संपत्ति से बेदखल करने संबंधी)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अशोक पूरी पुत्र स्व. श्री केशर पूरी गोस्वामी, आयु 70 वर्ष और आशा पूरी पत्नी श्री अशोक पूरी, आयु 63 वर्ष, निवासी 16, पुरोहित जी का बाग, गोपी नाथ मार्ग, जयपुर- 01, हम अपने पूर्ण होशोहवास में यह घोषणा करते है कि हमारा पुत्र, रजत पुरी, आयु 37 वर्ष और पुत्रवधु कामिनी पूरी, आयु 33 वर्ष का, उनके आचरण/ व्यवहार के कारण हमारे परिवार एवं हमारे परिवार की समस्त चल एवं अचल संपत्तियों और सभी अन्य लाभों से पूर्णतः बेदखल कर दिया है। अतः हम उक्त पुत्र और पुत्रवधु को हम हमारी किसी भी चल- अचल संपत्ति पर कोई अधिकार, दावा या किसी तरह का संबंध नहीं रहेगा। उनके द्वारा अथवा उनके विरुद्ध किसी भी न्यायिक वाद मे हम और हमारा परिवार किसी तरह से जिम्मेदार नहीं होगे। साथ ही यदि कोई व्यक्ति उनके साथ किसी प्रकार का लेन-देन करता है अथवा कोई वाद करता है, तो वह अपने जोखिम एवं जिम्मेदारी पर करेगा, जिसके लिए हम और हमारा परिवार किसी प्रकार उत्तरदायी नहीं रहेगा। सर्वसाधारण को यह भी सूचित किया जाता है कि हम से अथवा हमारे परिवार के नाम से या हमारी संपत्ति के संबंध में उक्त पुत्र और पुत्रवधु द्वारा किया गया कोई भी कार्य/ दावा पूर्णतः अवैध एवं अमान्य होगा।

दि.: 21/03/2026 | जयपुर सूचनाकर्ता: (अशोक पूरी), (आशा पूरी)

प्रपत्र सं. 7 (देखिए नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

मुकदमा नं. DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1908

चूंकि पार्थी श्री NARENDRA SINGH RATHORE 80, EKTA PATH NEAR SHRI MAHARAJA SCHOOL, SHRI JI NAGAR DURGAPURA JAIPUR, RAJASTHAN 302018 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री महाराजा पब्लिक स्कूल शिक्षा समिति, 74/75 EKTA PATH SHRI JI NAGAR DURGAPURA JAIPUR, RAJASTHAN 302018, के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 16-03-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 27/05/2026

मोहर — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर (प्रथम)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1965 चूंकि प्रार्थी श्री JAT BANNARAM, FLAT NO. B/301, CRYSTAL AVENUE, NEAR I.P. AWANI SCHOOL, PALANPUR ROAD, SURAT, BHESAN GUJARAT ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास बमपुरी परमेश्वर धाम नोपुरा ट्रस्ट BAMPURI AASHRAM, DEVANGARI, NOPURA, HASTEDA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 26.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2026/263 चूंकि प्रार्थी श्री AJAD SINGH, BUS STAND KE PASS, MATOR, KHAIRTHAL TIJARA ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास इन्जीनियर्स पॉइंट शिक्षा समिति खैरथल ALWAR ROAD KHAIRTHAL DISTRICT KHAIRTHAL-TIJARA के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 21.04.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

आईपीएस ज्येष्ठा मैत्रेयी ने संभाली सवाई माधोपुर की कमान

जयपुर। राज्य सरकार के आदेशानुसार 2018 बैच की तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने शनिवार को सवाई माधोपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पद का विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताएं ही सवाई माधोपुर पुलिस की प्राथमिकताएं रहेंगी।

उन्होंने कहा कि टाइगर अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध सवाई माधोपुर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ पर्यटकों की सुरक्षा, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा तथा नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष फोकस रहेगा।

मध्य प्रदेश के गुना जिले में जन्मी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने अपने जीवन में संस्कार, अनुशासन और मेहनत को आधार बनाया। एक ही प्रयास में आईपीएस बनने वाली ज्येष्ठा आज देशभर के प्रतियोगी छात्रों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वे दिल्ली सहित देश के विभिन्न मंचों पर युवाओं को सिविल सेवा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन देती रही हैं। उनके व्याख्यान केवल परीक्षा तक सीमित नहीं होते, बल्कि जीवन मूल्यों, संघर्ष और आत्मविश्वास का संदेश भी देते हैं। जिले में भी युवाओं व विशेषकर महिलाओं व बच्चियों को मार्गदर्शन प्रदान करने की उनकी मंशा है।

सीआईडी सीबी से स्थानांतरित होकर आई ज्येष्ठा मैत्रेयी अपराध नियंत्रण, साइबर क्राइम पर अंकुश, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गरीब और जरूरतमंदों की मदद करना उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है, जो उन्हें एक संवेदनशील पुलिस अधिकारी के रूप में अलग पहचान दिलाता है।

पदभार ग्रहण के बाद ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कहा कि आमजन से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी अपेक्षाओं को समझना और पुलिस तंत्र को मजबूती देना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने हर जगह पुलिस की मौजूदगी के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी को संवेदनशील और जवाबदेह बनाकर त्वरित एवं भरोसेमंद सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से महिला घायल

जयपुर। आमेर थाना क्षेत्र के सागर रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अस्पताल पहुंचाया और भागने का प्रयास कर रहे चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार कार तेज गति में थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे जा रही महिला को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि महिला के हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल महिला को पहले आमेर के राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कार जब्त कर ली है और मेडिकल जांच सहित मामले की जांच शुरू कर दी है।ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं।

एक करोड़ की फिरौती के लिए आईटी कंपनी के मालिकों का अपहरण

जयपुर। मुहाना थाना क्षेत्र में आईटी कंपनी के दो मालिकों के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने यूएसडीटी (क्रिप्टो) में निवेश के नाम पर बुलाकर दोनों को अपहरण कर लिया और परिजनों से 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के चलते करीब ग्यारह घंटे बाद बदमाश दोनों को छोड़कर फरार हो गए।

थानाधिकारी गुर भूपेन्द्र सिंह के अनुसार जगतपुरा निवासी राहुल और दिनेश मानसरोवर स्थित इस्कॉन मंदिर के पास आईटी कंपनी संचालित करते हैं। 19 मार्च की शाम उन्हें कॉल कर यूएसडीटी में निवेश का झांसा दिया गया और मिलने के लिए बुलाया गया। शाम करीब 7 बजे पहुंचते ही 6-7 नकाबपोश बदमाशों ने दोनों को कार में बैठाकर अगवा कर लिया।

बदमाशों ने अपहृत युवकों के मोबाइल से परिजनों को कॉल कर 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और पैसे लेकर गोनेर बुलाया। सूचना मिलते ही पुलिस ने कंट्रोल रूम के जरिए सक्रियता दिखाते हुए बदमाशों का पीछा शुरू किया। आरोपी गोनेर, हिंगोनिया गौशाला, इंदिरा गांधी नगर, खो नागोरियान, कानोता और बस्सी होते हुए नायला व जामडोली के जंगलों में घूमते रहे।

- एक करोड़ की फिरौती मांग कर ग्यारह घंटे बाद छोड़ा
- यूएसडीटी निवेश के झांसे में बुलाया
- पुलिस दबाव में गलता के जंगलों में छोड़ भागे बदमाश

लगातार पुलिस दबाव के चलते बदमाश शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे दोनों को गलता के जंगल में कार सहित छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से कार जब्त कर ली है और एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं।

9000 वर्ग मीटर जमीन का केस हारा जेडीए

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने टोंक रोड पर एयरपोर्ट प्लाजा स्कीम के पास स्थित 9000 वर्ग मीटर जमीन के मामले में जेडीए की विशेष अपील को खारिज कर दिया है। वहीं खंडपीठ ने एकलपीठ के 6 अगस्त 2009 के आदेश में दखल से इनकार करते हुए उसे बरकरार रखा है।

अदालत ने जेडीए को निर्देश दिया है कि वह राज्य सरकार के 12 मई 2003 व 19 मई 2003 के आदेश को तत्काल लागू करते प्रार्थी साई दर्शन होटल्स एंड मोटल्स के पक्ष में 9000 वर्ग मीटर जमीन का आवंटन आदेश जारी करे। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश जेडीए की अपील पर दिए।

खंडपीठ ने कहा कि एकलपीठ ने प्रार्थी को 15 फीसदी विकसित जमीन प्राप्त करने का अधिकारी माना है जो सही है। खंडपीठ ने माना कि राज्य सरकार अपने ही निर्णयों से पीछे नहीं हट सकती, खासकर तब जब संबंधित पक्ष ने उन पर भरोसा कर अपने मुकदमे वापस ले लिए हो। प्रार्थी कंपनी ने अपनी तरफ से सभी मुकदमे वापस लेकर शर्तें पूरी कर दी थी। ऐसे में उन्हें 15 प्रतिशत विकसित भूमि देना न्यायसंगत होगा। जेडीए की ओर से दलील दी गई कि इस जमीन का आवंटन अवैध तरीके से हुआ है और उसे आर्थिक नुकसान होगा। वहीं जेडीए ने इस मामले में भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया, लेकिन खंडपीठ ने जेडीए की दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि इस जमीन के मामले में राज्य सरकार की नीति के अनुरूप आदेश पारित किए गए थे और वे वैध हैं। ऐसे में जेडीए की अपील खारिज किए जाने योग्य है।

- हाईकोर्ट ने आवंटन पत्र जारी करने के दिए निर्देश

खंडपीठ ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि कई सालों से इस जमीन का उपयोग जेडीए कर रहा है, जबकि मूल मालिकों या उनके उत्तराधिकारियों को उचित मुआवजा तक नहीं मिला। ऐसे में केवल कोर्ट में पैसा जमा कराना भुगतान नहीं माना जाएगा।

सूचना आम सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती अन्जू गुप्ता पत्नी रविन्द्र कुमार निवासी-184 चेलो का रास्ता, जलेब चौक, जयपुर द्वारा 595 व 596 गोद्यो का चौक, कार्वटियो की पीपली जयपुर मे स्थित गैराज व कमरा श्रीमती सुनीता देवी पत्नि प्रकाश चन्द गोद्या से खरीद करने जा रही है इस संदर्भ में किसी भी शख्स को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजात हमारे कार्यालय मे सूचना के सात दिनो के अन्दर-अन्दर सूचित करे।
शशि शेखर गौड (एडवोकेट)
184, चेलो का रास्ता, जलेब चौक, जयपुर
मो. 9414349541, 9414071084

खोया पाया

शॉप नं. एस-64, सेक्टर-10 मानसरोवर जयपुर का कार्यालय आदेश क्रमांक 3059 दिनांक 29.02.2024 गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। रितू जैन मो. 9887379476

आवास संख्या 30/80/08 मानसरोवर जयपुर का परिपिच्युअल लीज डीड का नक्शा गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। हेमा मो. 9829030710

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

वन राज्य मंत्री ने वन्यजीवों के त्वरित बचाव के लिए रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित 'कॉफी टेबल' बुक का विमोचन किया।

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम वन एवं अर्थव्यवस्था रखी गई।

कार्यक्रम के दौरान वन एवं वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गईं। घायल वन्यजीवों के त्वरित बचाव के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से लैस 5 रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई। साथ ही योजना के अंतर्गत खरीदी गई 460 मोटरसाइकिलों को भी फील्ड स्टाफ के लिए रवाना किया गया, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी कार्य सुगम होगा।

इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। वृक्षारोपण को बड़ावा देने के लिए वनमित्रों को पेट्रोलिंग किट वितरित की गई।

जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु परियोजना के अंतर्गत राजीविका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे 600 गांवों के 1200 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे।

कार्यक्रम में डिजिटल प्लेटफॉर्म के नए मॉड्यूल लॉन्च किए गए, जो वन्यजीव आवास निगरानी और कार्बन क्रेडिट प्रबंधन में सहायक होंगे। साथ ही की नई वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया, जिससे पर्यावरण स्वीकृति प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मियों को सम्मानित किया गया। मंत्री ने बताया कि 'हरियालो राजस्थान' योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 19 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया है।

यह आयोजन वन संरक्षण, रोजगार सृजन और तकनीकी नवाचार को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति मासलपुर जिला करौली

क्रमांक: पंसमा./लेखा/निविदा/2025-26/1781-1786 दिनांक:- 16.03.2026

निविदा सूचना संख्या 1-7/2026-27

पंचायत समिति मासलपुर में विभिन्न योजनाओं/शाखाओं में विभिन्न कार्यों व्यवस्थाओं हेतु दर अनुबंध करने/सामग्री क्रय करने/बोलेरो टैक्सी परमिट वाहन की अनुज्ञा देने के लिए अनुभवी फर्मों/प्रतिष्ठिता संस्थाओं/इच्छुक व्यक्तियोयं से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता निर्धारित राशि डिमाण्ड ड्राफ्ट में जमा कराकर पंचायत समिति से निविदा प्रपत्र एवं निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्त प्राप्त कर सकते है। निविदाओं का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि	निविदा शुल्क	आरआई एसएल शुल्क
1	कम्प्यूटर कार्य सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से जॉब आउट सोसिंग बेसिक पर कराना	3.50	7000	200	500
2	बेलेरो टैक्सी परमिट वाहन किराये पर वाहन उपलब्ध कराना	3.50	7000	200	500
3	स्टेशनरी सामग्री आवश्यकतानुसार (दर निर्धारण)	2.00	4000	200	500
4	फोटो स्टेट कार्य आवश्यकतानुसार (दर निर्धारिण	1.00	2000	200	500
5	प्रशिक्षणों एवं बैठकों में चाय नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था आवश्यकतानुसार	3.50	7000	200	500
6	मृतक पशु हड्डी संकलन ठेका वर्ष 2025-2026	आरक्षित राशि 72365 रू.	7237	200	
7	मिटिंग/शिविरों में टैन्ट, कुर्सी, माईक, जनरेअर, आरओ वाटर (कैम्पर) आदि व्यवस्था	2.00	4000	200	500
	उक्त सभी निविदाओं को बेचने प्राप्त करने एवं खोलने आदि का कार्यक्रम निम्नानुसार होगा।				
	निविदा जारी होने की दिनांक 17.03.2026 को 11.00 एएम से 27.03.2026 को 11.00 ए.एम. तक बेची जाएगी।				
	निविदा प्राप्त करने की दिनांक व समय :- दिनांक 27.03.2026 प्रात: 12 बजे तक				
	निविदा खोलने की दिनांक व समय :- दिनांक 27.03.2026 दोपहर पश्चात् 2 बजे से				

सामग्री की मात्रा एवं कार्य का विवरण निविदा प्रपत्रों में अंकित है। कार्य/सामग्री की मात्रा में आवश्यकतानुसार कमी या बढ़ोतरी की जा सकती है। निविदा शर्तें एवं निविदा प्रपत्र कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क नगद/डिमाण्ड विकास अधिकारी पंचायत समिति मासलपुर के पक्ष में देय हो जमा कराकर प्राप्त किया जा सकता है। निविदाए उक्त निर्धारित दिनांक एवं समय पर जमा कराई जा सकती है। निविदा का प्रकाशन sppp.raj.gov.in पर किया गया है। निर्धारित प्रारूप में दर प्रस्तुत न करने पर एवं अस्पष्ट होने पर एवं अपूर्ण निविदराओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदाएं बिना कारण बताए निरस्त की जा सकती है।

NIB- ZKR202526A0895
NIB- ZKR202526SSOB01303
ZKR202526RFP0001

(मोहनलाल शर्मा, RRDS)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति मासलपुर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने रंगभेद का आरोप लगाते हुए का कमेंट्री पैनल छोड़ दिया है। मैं के लिए कमेंट्री से संन्यास ले रहा हूं।
-दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन

दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने आरोप लगाया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लॉकी फर्ग्यूसन

ऑकलैंड के इडेन पार्क स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया।
पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए। 137 रन का टारगेट न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया। टॉम लैथम 63 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं, लॉकी फर्ग्यूसन ने अपने कोटे के चार ओवर में 9 रन देकर एक विकेट लिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 137 रन का टारगेट न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल इतिहास (2008-2025) के प्रमुख रिकॉर्ड्स में विराट कोहली सबसे ज्यादा रन (8000), रोहित शर्मा/धोनी सबसे सफल कप्तान, और मुंबई-चेन्नई (5-5 खिताब) सबसे सफल टीमें हैं।

रेनबो स्टार्स ने जीता 5वां एजीईएस क्रिकेट टूर्नामेंट

जयपुर, 21 मार्च 2026। जयपुर में आज उत्साह और खेल भावना के साथ फोर स्क्वेयर के सहयोग से एसोसिएशन ऑफ गारमेंट एक्सपोर्टर्स (एजीईएस), जयपुर द्वारा 5वें वार्षिक क्रिकेट इवेंट 2026 का आयोजन जयपुरिया क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर किया गया।

इस आयोजन में गारमेंट एक्सपोर्ट इंडस्ट्री से जुड़े सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन दलपत लोढ़ा और राजीव दीवान के संरक्षण में हुआ और कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष आरिफ कागज़ी एवं महासचिव मोनू करनानी उपस्थित रहे।

इस क्रिकेट टूर्नामेंट में चार टीमों ने हिस्सा लिया, इको वॉरियर्स - कप्तान: अखिलेश हर्षा (एम/एस कागज़ी एक्सपोर्ट्स); कुबेर वॉरियर्स - कप्तान: जितेंद्र सिंह शेखावत (एम/एस कुबेर इंडस्ट्रीज); लोढ़ा लायंस - कप्तान: शुभांक लोढ़ा (एम/एस लोढ़ा इम्पेक्स); रेनबो स्टार्स - कप्तान: देवेंद्र सिंह शेखावत (एम/एस रेनबो टेक्सफैब प्रा. लि.)। फ़ाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच, हिमांशु कांकरिया रहे; मैन ऑफ द सीरीज। हिमांशु कांकरिया टूर्नामेंट के बेस्ट बॉलर रघु राज राना, बेस्ट बैट्समैन अखिलेश हर्षा, बेस्ट फ़ील्डर जितेंद्र सिंह शेखावत रहे। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उभरते हुए व्यवसायियों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना तथा उद्योग में आपसी संबंधों को मजबूत करना रहा। इवेंट के मुख्य प्रायोजक फोर स्क्वेयर थ्रेड्स, जयपुर थे।

जयपुर पोलो सीजन 2026

जयपुर को हराकर टीम जयगढ़ बनी आरपीसी कप की विजेता

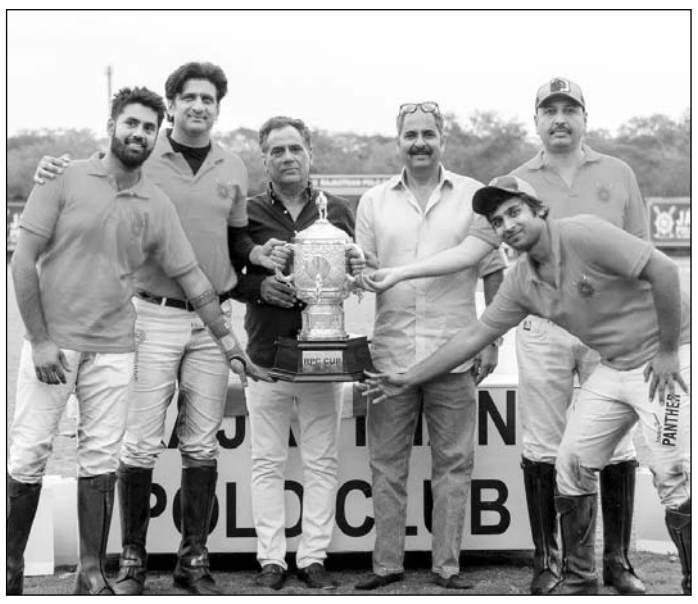

जयपुर, 21 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब ठाउंड पर आरपीसी कप (आउट ऑफ हैट) टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल खेला गया। इस टक्कर में टीम जयपुर और टीम जयगढ़ के बीच मुकाबला हुआ। मुकाबले में टीम जयगढ़ ने 9-6 के स्कोर के साथ टीम जयपुर को हराकर कप अपने नाम कर लिया।

विजेता टीम जयगढ़ से रणशेय पुरोहित, अश्विनी शर्मा और विक्रमादित्य सिंह बरकाना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रत्येक ने 3-3 गोल हासिल किए। टीम से शुभम गुप्ता भी खेले। दूसरी ओर, टीम जयपुर से तरुण बिलवाल ने 2 गोल किए। वहीं, रघुराम हरि और दिव्यमान सिंह दूजोद ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में नरेंद्र सिंह/योगेंद्र सिंह भी शामिल रहे। यहां टीम जयपुर को 2 गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ।

आकाश दीप 2026 से बाहर हुएः

के पेसर इंजरी के कारण नहीं खेलेंगे; मेगा ऑक्शन में एक करोड़ में खरीदा था

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स को 2026 से पहले एक और झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। शनिवार को क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की।

29 साल के बंगाल के इस गेंदबाज को पिछले साल अबू धाबी में हुए मेगा ऑक्शन में 1 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर टीम ने खरीदा था। हालांकि, वह अब तक टीम कैंप से नहीं जुड़े हैं। आकाश दीप बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं। उनकी चोट किस तरह की है, यह साफ नहीं हो सका है, लेकिन मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी के बीच इसको लेकर बातचीत हुई है। केकेआर के लिए यह चिंता बढ़ाने वाली खबर है, क्योंकि इससे पहले हर्षित राणा और मथीशा पथिराना को लेकर भी टीम को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से क्लियरेंस मिलना बाकी है।

टीम ने 18 मार्च से कोलकाता में कैंप शुरू किया है, लेकिन आकाश दीप इसमें शामिल नहीं हो पाए।

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं। ने मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने जर्सी में उनकी तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद बढ़ गई है। 13 मार्च को ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में साइन किया है। रहमान को के निर्देश के बाद फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था।

एशिया कप की तर्ज पर शुरू हो रहा है नया क्रिकेट टूर्नामेंट

नई दिल्ली। एशिया कप की तर्ज पर यूरो नेशंस कप टूर्नामेंट होगा, जिसमें इंग्लैंड, आयरलैंड आदि टीमें खेलेंगी. क्रिकेट आयरलैंड के चेयरमैन ब्रायन मैकनीस ने भरोसा जताया कि 2027 तक ये टूर्नामेंट शुरू हो जाएगा, जो पुरुष और महिला कैटेगरी में खेला जाएगा. शुक्रवार को आयरलैंड के 2026 के घरेलू इंटरनेशनल मैचों की घोषणा करते हुए मैकनीस ने कहा कि वह इसे लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हैं।

यूरो नेशंस कप क्षेत्रिय क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा. जैसे एशिया कप में एशिया की टीमें खेलती हैं, इसी तरह यूरो नेशंस कप में यूरोप की टीमें खेलेंगी. इसमें इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, इटली, नीदरलैंड्स आदि टीमें खेल सकती हैं. मैकनीस ने बताया कि वह इस आईडिया को लेकर उत्साहित हैं और पिछले साल उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के सामने इसे रखा था. ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड इस प्रस्ताव से जुडी हाल कि चर्चाओं में शामिल नहीं रहा।

ब्रायन मैकनीस ने कहा, "कई समय से अलग-अलग लोगों के साथ मैं इस पर चर्चा कर रहा हूं. ये ऐसा आईडिया है, जिस पर मुझे भरोसा है और इसे लेकर मैं बहुत उत्साहित भी हूं. बातचीत आगे बढ़ रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि यह टूर्नामेंट जरूर होगा." उन्होंने उम्मीद जताई कि 2027 की गर्मियों में ये टूर्नामेंट जरूर शुरू हो जाएगा. उन्होंने कहा, "इसके फॉर्मेट और अन्य जानकारियां भी आने वाले दिनों में बताई जाएंगी." मैकनीस ने भरोसा जताया कि अगले कुछ महीनों में इसका आधिकारिक एलान हो जाएगा. उन्होंने कहा, "टूर्नामेंट से जुड़े अलग-अलग संगठनों और लोगों के साथ चर्चाएं हो रही हैं, मैं साफ कर दूं कि ये पुरुष और महिला इवेंट होगा. ब्रॉडकास्टर्स के नजरिए से अभी इस पर बात करना जल्दबाजी होगी. जब तक कुछ पक्का न हो जाए, कुछ कहना जल्दबाजी होगी." उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्रॉडकास्टर्स इसमें दिलचस्पी जरूर दिखाएंगे। शुक्रवार को क्रिकेट आयरलैंड ने यूएई और नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट किया. इसके तहत आयरलैंड की पुरुष नेशनल क्रिकेट टीम नियमित तौर पर यूएई और नेपाल के साथ वाइट बॉल सीरीज खेलेगी. वहीं 2026-2027 से इंटरनेशनल लीग टी20 में हर फ्रेंचाइजी को आयरलैंड के कम से कम एक प्लेयर को शामिल करना होगा।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सुदर्शन मीणा ने राजस्थान का नाम किया रोशन

बूंदी। जिले के लिए गौरव का क्षण तब आया, जब 19 से 21 मार्च तक ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित 24वीं नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बूंदी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी सुदर्शन मीणा ने 'गोलाफेंक' स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया।देशभर के 18 राज्यों से आए खिलाड़ियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सुदर्शन मीणा ने 12.30 मीटर दूर गोला फेंककर शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। शुरुआत से ही उन्होंने अपनी तकनीक, संतुलन और आत्मविश्वास का प्रभावी प्रदर्शन किया, जिससे वे लगातार बढ़ त बनाए रखते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाने में सफल रहे। जिला खेल अधिकारी हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि सुदर्शन वर्तमान में खेल संकुल में अल्पकालिक पैरा एथलेटिक्स प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

हसरंगा, पथिराना सहित 4 खिलाड़ियों की एनओसी अटकी, फिटनेस टेस्ट पास करने पर ही मिल सकेगी मंजूरी

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट ने स्पष्ट किया है कि खेलने के लिए खिलाड़ियों को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट तभी मिलेगा, जब वे फिटनेस टेस्ट पास करेंगे। श्रीलंका के आठ खिलाड़ी इस बार की विभिन्न टीमों का हिस्सा हैं। इनमें दुश्मंथा चमीरा, पथुम निसांका और कामिंदु मेंडिस फिटनेस टेस्ट पास कर चुके हैं, जिसके बाद उन्हें में खेलने की अनुमति मिल गई है। वहीं बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना, नुवान थुशारा और ईशान मलिंगा की में भागीदारी उनके 'फिजिकल परफॉर्मेंस टेस्ट' के नतीजों पर निर्भर करेगी। फिलहाल ये सभी खिलाड़ी चोटों से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया में हैं। 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होगी, और कई श्रीलंकाई खिलाड़ी जल्द ही अपनी-अपनी टीमों से जुड सकते हैं। इंजरी से जूझ रहे हैं स्टार खिलाड़ी, पथिराना शुरुआती मैच मिस करेंगे । बोर्ड के मुताबिक, हसरंगा, मलिंगा और पथिराना ने के लिए मांगी है, लेकिन अभी तक उनका फिटनेस टेस्ट नहीं हुआ है। ये तीनों खिलाड़ी टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान या उससे ठीक पहले चोटिल हो गए थे। चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का के शुरुआती मैचों से बाहर रहना लगभग तय है। उनके अप्रैल के मध्य तक फिट होने की उम्मीद है। 8 हफ्ते का कड़ा ट्रेनिंग प्रोग्राम, पास करना होगा 2 किलोमीटर का स्प्रिंट श्रीलंका बोर्ड ने सभी नेशनल कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों के लिए 8 हफ्ते का स्पेशल फिजिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया है। बोर्ड का कहना है कि यह पहल आने वाले इंटरनेशनल मैचों के लिए खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को सुधारने के लिए की गई है। इस टेस्ट में 2 किलोमीटर की स्प्रिंट (दौड़) सहित कई अन्य कड़े फिजिकल टेस्ट शामिल हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जो खिलाड़ी इन मानकों को पूरा करेंगे, उन्हें ही और घरेलू टूर्नामेंट खेलने की अनुमति दी जाएगी। चयन समिति और खेल मंत्रालय का सख्त रुख फिटनेस पर इस नए फोकस के पीछे पूर्व क्रिकेटर प्रमोद विक्रमसिंघे की अगुवाई वाली नई चयन समिति और श्रीलंकाई सरकार का खेल मंत्रालय है।

महावीर स्कूल एलुमनी एसोसिएशन द्वारा खेल महोत्सव आज

जयपुर। महावीर स्कूल एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला के अनुसार 22 मार्च को महावीर स्कूल प्रांगण में होने वाले खेल महोत्सव में लगभग 200 खिलाड़ी तथा 500 एलमुनाई भाग लेंगे।

यह अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता होगी इसमें सेंट जेवियर स्कूल, महेश्वरी स्कूल, विद्याश्रम एवं महावीर स्कूल के एलमुनाई के बीच में क्रिकेट ,बैडमिंटन ,टेबल टेनिस तथा चैस की प्रतियोगिता खेली जाएगी संस्था केसचिव डॉक्टर साकेत माथुर ने प्रतियोगिता सुबह 8:00 से शुरू हो जाएगी तथा उद्घाटन में मुख्य अतिथि महात्मा ज्योति राव फुले यूनिवर्सिटी के चैयरमैन निर्मल पंवार प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे तथा समापन समारोह व परितोषित वितरण में मुख्य अतिथि राजस्थान हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद शर्मा व विशिष्ट अतिथि क्रिकेट खिलाड़ी तथा भारत पेट्रोलियम के चीफ जनरल मैनेजर दीपक जैन होंगे।

टीम इंडिया जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी

दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी, 8 साल में चौथा दौरा होगा

नई दिल्ली। भारत की फूल स्ट्रेंथ टीम जून 2026 में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी। ने इस दौरे का शेड्यूल शनिवार को घोषित कर दिया गया है।

यह सीरीज वर्ल्ड कप जीत के बाद भारत की पहली टी-20 सीरीज होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

8 साल में चौथा दौरा भारत ने पिछले आठ सालों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है।

उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच वनडे मुकाबले भी खेलने हैं। भारत को नहीं हरा सकी आयरलैंड भारत और आयरलैंड के बीच अब तक 3 टी-20 सीरीज खेले गए हैं। साल 2018 और 2022 में खेले गए दोनों ही दौरे पर भारत ने 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। वहीं 2023 की तीन मैचों की सीरीज में भी भारतीय टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की, जबकि एक मुकाबला नहीं हो सका।

ये तीनों सीरीज आयरलैंड में ही खेली गई। अफगानिस्तान के खिलाफ भी खेलेगी टीम के बाद भारतीय टीम जून में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलेगी। इसकी शुरुआत 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। पहला वनडे 14 जून को धर्मशाला में, दूसरा 17 जून को लखनऊ और तीसरा 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

इंग्लैंड का भी दौरा करेगा भारत भारत इस साल इंग्लैंड का दौरा करेगा। दोनों टीमों के बीच आठ वाइट बॉल मैच खेले जाएंगे। भारत जुलाई में पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए इंग्लैंड दौरा करेगा। 28 मार्च से शुरू हो रहा भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी। न्यूज एजेंसी ने सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

पाकिस्तान क्रिकेट में टॉक्सिक माहौल

पूर्व कोच गैरी कर्स्टन का खुलासा, छह महीने में ही पद छोड़ दिया था

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि टीम के भीतर लगातार दखलअंदाजी और खराब माहौल के कारण काम करना बेहद मुश्किल हो गया था।

कर्स्टन ने छह महीने में ही पाकिस्तान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। कर्स्टन ने कहा, में बाहरी हस्तक्षेप बहुत ज्यादा था, जिससे टीम के फैसलों और प्रदर्शन पर निगेटिव असर पड़ता था। उन्होंने कहा, ऐसे टॉक्सिक माहौल में किसी भी कोच के लिए सफल होना लगभग असंभव है।

गैरी कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट से बताया, मेरे लिए सबसे हैरान करने वाली चीज लगातार होने वाला बाहरी हस्तक्षेप था। इस वजह से कोच के तौर पर टीम के साथ सही तरीके से काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। कर्स्टन ने आगे कहा, टीम के खराब प्रदर्शन के बाद माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता था। पाकिस्तान क्रिकेट में खराब प्रदर्शन का ठीकरा सबसे पहले कोच के सिर फोड़ा जाता है।

पाकिस्तानी कोच का पद बीच में छोड़ा कर्स्टन अप्रैल 2024 में पाकिस्तान टीम के व्हाइट बॉल कोच बने थे, लेकिन बोर्ड और खिलाड़ियों के साथ मतभेद के कारण उन्होंने 6 महीने में ही पद छोड़ दिया था। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड () पर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने खुलासा किया कि टीम के भीतर लगातार दखलअंदाजी और खराब माहौल के कारण काम करना बेहद मुश्किल हो गया था। कर्स्टन ने छह महीने में ही पाकिस्तान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। कर्स्टन ने कहा, में बाहरी हस्तक्षेप बहुत ज्यादा था, जिससे टीम के फैसलों और प्रदर्शन पर निगेटिव असर पड़ता था। उन्होंने कहा, ऐसे टॉक्सिक माहौल में किसी भी कोच के लिए सफल होना लगभग असंभव है।

गैरी कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट से बताया, मेरे लिए सबसे हैरान करने वाली चीज लगातार होने वाला बाहरी हस्तक्षेप था। इस वजह से कोच के तौर पर टीम के साथ सही तरीके से काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। कर्स्टन ने आगे कहा, टीम के खराब प्रदर्शन के बाद माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता था। पाकिस्तान क्रिकेट में खराब प्रदर्शन का ठीकरा सबसे पहले कोच के सिर फोड़ा जाता है। पाकिस्तानी कोच का पद बीच में छोड़ा कर्स्टन अप्रैल 2024 में पाकिस्तान टीम के व्हाइट बॉल कोच बने थे, लेकिन बोर्ड और खिलाड़ियों के साथ मतभेद के कारण उन्होंने 6 महीने में ही पद छोड़ दिया था।

डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता

अभय की शानदार पारी और अनुज व उमेश की गेंदबाजी से एस जे स्कूल अकेडमी क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 21मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चौथी डा एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति लीग कम नॉक आउट प्रतियोगिता के अंतर्गत आज खेले गये मैच में अभय शर्मा 85 रन की शानदार अर्द्ध शतकीय पारी तथा अनुज 25/3 विकेट, उमेश मीना 27/3 की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बिमल क्रिकेट अकेडमी को 47 रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एस. जे. स्कूल अकेडमी ने अभय शर्मा 85 रन ,हर्ष सैनी 56 रन, रिहान अली 27 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर मे 8 विकेट खोकर 205 रन बनाये बिमल अकेडमी की तरफ से कुलदीप सिंह 24/2 विकेट तथा वरुण व केशव प्रत्येक 1-1 विकेट ल `कर सफल गेंदबाज रहे जवाबी पारी में बिमल क्रिकेट अकेडमी ने अंकित मनका 69रन , केशव 23 रन , रक्षित श्रीमाल19 रन की परियों के बावजूद इस जे स्कूल के गेंदबाजोंअनुज 25/3, उमेश मीना 27/3 शुभम खंडेलवाल व दिनेश मीना 1-1विकेट की गेंदबाजी के समक्ष 18.5 ओवर में 158 रन बनाकर पूरी टीम सिमट गयी।

इस मैच का मैन ऑफ द मैच अभय शर्मा एस जे स्कूल अकेडमी रहे संक्षिप्त स्कोर: एस जे क्रिकेट अकेडमी 205 रन8 विकेट खोकर 20 ओवर मे, बिमल क्रिकेट अकेडमी158 रन आल आउट 18.5 ओवर में रहे।

मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े बने नए चैंपियन, जीता पहला खिताब

नई दिल्ली। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने शनिवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की। इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6 12-14 11-5 9-11 13-11 6-11 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी (पश्चिम बंगाल) और सुहाना सैनी (हरियाणा) ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया।

जालोर में एक जिला एक खेल बॉक्सिंग के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

जालोर, 21 मार्च (कासं)। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक जिला एक खेल बॉक्सिंग के अंतर्गत जिला स्तरीय एकदिवसीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन स्वर्णगिरी स्पोर्ट्स फाउंडेशन (क्रीडा भारती केंद्र-2), पंच गौरव क्रीडा स्थल पर सफलतापूर्वक किया गया।

जिला खेल अधिकारी अमित कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता एवं जालौर विधानसभा संयोजक गणपत सिंह बगेडिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यावरण ब्रांड एंबेसडर शंकर सिंह राजपुरोहित ने की। विशेष अतिथियों के रूप में जिला कोषाधिकारी भूपेंद्र कुमार मकवाना, एसीबीओ जबर सिंह देवडा तथा क्रीडा भारती के महासचिव भागीरथ गर्ग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि गणपत सिंह बगेडिया ने अपने उद्बोधन में राजस्थान सरकार की पंच गौरव योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों के बालक-बालिकाओं को खेलों में आगे बढने का अवसर मिलेगा। अध्यक्षता कर रहे शंकर सिंह राजपुरोहित ने खिलाडियों को खेल भावना से खेलने तथा हार से सीख लेकर आगे बढने की प्रेरणा दी। बॉक्सिंग प्रशिक्षक पुष्पेंद्र परमार ने बताया कि प्रतियोगिता 40 किग्रा उत्कर्ष मिश्रा (प्रथम), आदित्य सुंदेशा (द्वितीय), ललित (तृतीय), 42 किग्रा में प्रीतम (प्रथम), कुणाल सिंह (द्वितीय), महिपाल (तृतीय), 44 किग्रा अतुल गर्ग (प्रथम), पीयूष मेवाडा (द्वितीय), कुश गर्ग (तृतीय), 46 किग्रा में अभिजीत सिंह (प्रथम), अंकुश (द्वितीय), भरत कुमार (तृतीय), 48 किग्रा यशवीर सिंह (प्रथम), लव गर्ग (द्वितीय), गणेश (तृतीय), 50 किग्रा सचिन (प्रथम), कृष्ण कुमार राणा (द्वितीय), 54 किग्रा में यश टॉक (प्रथम), यशपाल (द्वितीय), 57 किग्रा कोहिनूर (प्रथम), युवराज सिंह (द्वितीय), 60 किग्रा में चंद्र मोहन (प्रथम), हितेश (द्वितीय), 63 किग्रा लक्ष्मण (प्रथम), सूरज (द्वितीय), 66 किग्रा भानाराम (प्रथम), गौरव (द्वितीय), 70 किग्रा में प्रिंस (प्रथम), रुद्र प्रताप सिंह (द्वितीय), 75 किग्रा हिमांशु (प्रथम), ध्रुव सिंह (द्वितीय), 80 किग्रा में विकास जाट (प्रथम), साहिल (द्वितीय), 80 किग्रा में मानवेन्द्र सिंह राजपुरोहित (प्रथम), राघव (द्वितीय) पर रहा।

भजनलाल केरल में: चार प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए

केरल, 21 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केरल में भाजपा के विधानसभा प्रत्याशियों, भाजपा अध्यक्ष एवं नेमोम विधानसभा प्रत्याशी राजीव चन्द्रशेखर, कझाक्कुट्टम विधानसभा प्रत्याशी वी. मुरलीधरन, कट्टाकड़ा विधानसभा प्रत्याशी पी.के. कृष्णदास और वट्टियोरकावु विधानसभा प्रत्याशी आर. श्रीलेखा के नामांकन में शामिल हुए।

- **तिरुवनंतपुरम में मुख्यमंत्री ने पहले पद्मनाभ स्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन किए।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केरल में भाजपा के चार विधानसभा प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केरल की जनता विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को अपना समर्थन देकर "विकसित भारत-विकसित केरल" के संकल्प को साकार करेगी। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रत्याशी जनभावना के अनुरूप केरल में सुशासन और विकास की मजबूत नींव स्थापित करेंगे। इस बार केरल की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। मुख्यमंत्री ने तिरुवनंतपुरम के भाजपा प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पी. परमेश्वरन की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले, उन्होंने पद्मनाभस्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन किए। मुख्यमंत्री का तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने अधिकारियों को संपत्ति का तत्काल कब्जा लेने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि यह भूखण्ड, जिसे 1979 में कई मीडिया संगठनों के लिए एक संयुक्त कार्यालय परिसर के निर्माण हेतु आवंटित किया गया था, चार दशकों से अधिक समय तक अविकसित पड़ा रहा।

आवंटन संरचना में कई बार संशोधन और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) जैसे सह-आवंटियों को शामिल किए जाने के बावजूद, कोई सार्थक निर्माण नहीं हुआ।

यूएनआई ने तर्क दिया कि देरी का कारण बदलती सरकारी नीतियां, जिम्मेदारियों को लेकर अस्पष्टता और कई पक्षों की भागीदारी थी। उसने यह भी कहा कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग जैसी एजेंसियों को निर्माण योजनाएं शुरू करनी थीं।

लेकिन अदालत ने इन दावों और दलीलों को खारिज कर दिया और कहा कि यूएनआई "45 वर्षों से अधिक समय तक मूल्यवान सार्वजनिक भूमि पर प्रभावी रूप से कब्जा जमाए हुए है, जबकि वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ रही है।"

वोटर लिस्ट विवादों की सुनवाई के लिए प.बंगाल में 19 अपेलैट गठित

बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया

कोलकाता, 21 मार्च। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से भारतीय निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 अपीलीय अधिकरणों के गठन की अधिसूचना जारी की है।

- **आयोग ने कहा कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के 10 मार्च 2026 के आदेश के तहत किया गया है।**

ये अधिकरण विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े विवादों पर सुनवाई करेंगे।

निर्वाचन आयोग की शुक्रवार रात जारी अधिसूचना के अनुसार, यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के 10 मार्च 2026 के आदेश तथा कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के आधार पर लिया गया है।

गठित 19 अधिकरणों में से 18 की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जबकि एक अधिकरण की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश करेंगे।

तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवगणनम को कोलकाता क्षेत्र से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। उनके अधिकरण के अधिकार क्षेत्र में कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर और उत्तर 24 परगना के चुनावी जिले शामिल होंगे।

अधिसूचना में कहा गया है कि पूरक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद संबंधित पक्ष नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े न्यायिक अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील कर सकेंगे।

अपील दो तरीकों से दायर की जा सकेगी। ऑनलाइन आयोग के डिजिटल मंच के माध्यम से या जिलाधिकारी, उप मंडलाधिकारी अथवा अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन देकर, जिसे बाद में डिजिटल प्रणाली पर अपलोड किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये अधिकरण तत्काल प्रभाव से काम शुरू करेंगे और संबंधित जिलों की सभी अपीलों का निपटारा होने के बाद स्वत: समाप्त हो जाएंगे।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा, ईद मुबारक! यह पावन पर्व आशा, सद्भाव और करुणा को प्रोत्साहित करे तथा सभी के जीवन में खुशियां और सफलता लेकर आए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में देशवासियों को ईद-उल-फितर की बधाई देते हुए कहा कि यह दिन समाज में भाईचारा और दया की भावना को और मजबूत करे। उन्होंने सभी के सुख, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

ईरान ने 4000 किलो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिसाइलों में से एक को बीच में ही रोक लिया गया, जबकि दूसरी लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही खराब हो गई।

इसी तरह, ईरान ने इज़रायल के एक एफ-16 विमान को भी निशाना बनाया, जिससे अमेरिका-इज़रायल के इस दावे पर सवाल उठ गया कि ईरान के आसमान पर उनका पूरी तरह से नियंत्रण है।

एक तरह से तेजी से हो रहे ये घटनाक्रम ईरान युद्ध को लेकर नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप पहले से ही ईरान के खिलाफ अपना युद्ध खत्म करने की बात कर रहे हैं और पूरी जीत का दावा कर रहे हैं। यह दावा साफ तौर पर खोखला है, लेकिन वे गंभीरता से इस स्थिति से निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। अमेरिका ईरान के प्रति कई सुलह भरे संकेत भी दे रहा है।

कठिन परिस्थितियों में अमेरिका ने समुद्र में मौजूद ईरान के तेल पर लगे सभी प्रतिबंध हटाने की घोषणा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 14 करोड़ बैरल (करीब 14 अरब डॉलर मूल्य) ईरानी तेल को वैश्विक बाजार में बेचने की अनुमति दे दी गई है, ताकि तेल और गैस की उपलब्धता बढ़ सके। जैसे-जैसे अमेरिका के पेट्रोल पंपों पर कीमतें बढ़ रहीं हैं, ट्रंप ईरान के तेल पर अपना रुख बदलने को मजबूर हो रहे हैं।

यह कदम दरअसल उसी प्रक्रिया को औपचारिक रूप देता है, जो समुद्र में पहले से घटित हो रही थी। ईरान पहले ही अपने फंसे हुए तेल को बेच रहा था, लेकिन अब अमेरिका द्वारा प्रतिबंध हटाने से इसकी बिक्री और आसान हो जाएगी। बाजार में अतिरिक्त तेल आने से उम्मीद है कि कीमतें थी स्थिर होंगी।

यह अमेरिका की एक मजबूरी भरी कोशिश है, क्योंकि तेल की बढ़ती कीमतें दुनिया भर के देशों को नुकसान पहुंचा रही हैं। लेकिन ईरान के तेल पर प्रतिबंध में ढील देने से चीन को फायदा हो सकता है, जो अपने बड़े भंडार को और मजबूत करने के लिए इस अतिरिक्त तेल को खरीद सकता है।

बताया जाता है कि चीन के पास अपने रणनीतिक भंडार में पहले से ही 1 अरब बैरल से अधिक तेल मौजूद है।

दूसरी ओर, डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले दो दिनों में बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका को अपने तेल हितों के लिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस रास्ते को खोलना आसान है और इसके लिए सिर्फ कुछ जहाजों और कई देशों के सहयोग की जरूरत होगी, ताकि वहाँ से सुरक्षित गुज़रना सुनिश्चित किया जा सके।

इस बीच, पश्चिम एशिया के पड़ोसी देश अब ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों का अधिक उपयोग करने की छूट देने पर राजी होते दिख रहे हैं। सऊदी अरब, यूएई जैसे देश अब सक्रिय हो रहे हैं, क्योंकि ईरान द्वारा उनके देशों और उनके तेल-गैस ठिकानों पर हमलों की संख्या बढ़ रही है।

नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के साथ मीटिंग की। पटना में ईद मिलन कार्यक्रम के बाद, उन्होंने केन्द्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता लल्लन सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की। खबरों के मुताबिक, इन बैठकों में बिहार की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई।

8 मार्च को जदयू में शामिल होने के बाद से निशांत कुमार को लल्लन सिंह और संजय झा सहित, कई वरिष्ठ नेताओं का मजबूत समर्थन मिला है।

राज्यों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को उपलब्ध कराए जाएं। इस बारे में सचिव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस अतिरिक्त आवंटन की कालाबाजारी या डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें शामिल हैं: अनिल चोपड़ा, जो जयपुर ग्रामीण से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

दूसरे हैं मुकुल खींचड़, जो वर्तमान में सीकर के युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हैं और जिन्हें मुकेश भाकर का समर्थन प्राप्त है।

तीसरे हैं कार्तिक चौधरी, जिन्होंने राजसमंद से लोकसभा और डेगाना से विधानसभा टिकट की मांग की थी।

अभिषेक चौधरी एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और झोटवाड़ा से लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्हें अशोक चांदना और गोविंद डोटासरा का समर्थन प्राप्त है।

वहीं, वर्तमान युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, अनिल चोपड़ा का समर्थन कर रहे हैं।

सीकर के नेता सीताराम लाम्बा, राजकुमार परसवाल का समर्थन कर रहे हैं, जो स्वयं भी सीकर से हैं।

सीकर, डोटासरा का मजबूत गढ़ माना जाता है। ऐसे में यदि राजकुमार परसवाल जीतते हैं, तो यह डोटासरा की ताकत को कमजोर कर सकता है। साथ ही, मुकुल खींचड़ और राजकुमार परसवाल भविष्य में सीकर में डोटासरा को चुनौती दे सकते हैं।

संभावित उम्मीदवारों में से कोई भी सीधे तौर पर अशोक गहलोत खेमे से नहीं है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, गहलोत, सीताराम लाम्बा के माध्यम से राजकुमार परसवाल का समर्थन कर रहे हैं। राजस्थान युवा कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव एक दिलचस्प राजनीतिक कवायद बनने जा रहा है, जहां वरिष्ठ नेता इसे आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक 'प्रॉक्सी लड़ाई' के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि यूथ कांग्रेस और उसके संगठन पर किसका नियंत्रण होता है।

युवा कांग्रेस की केन्द्रीय इकाई, प्रदर्शन रिपोर्ट के आधार पर उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी, और जिनका नाम उसमें होगा, वही चुनाव लड़ सकेंगे।

यह प्रणाली भले ही अजीब लगे, लेकिन इसी तरह राहुल गांधी ने युवा कांग्रेस के चुनावों को संरचित किया है, जिसकी पहले भी काफी आलोचना हो चुकी है।

मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। इसके अतिरिक्त मोदी ने ईरान द्वारा देश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने में दिए जा रहे निरंतर सहयोग की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह टेलीफोन पर दूसरी बातचीत है, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पहले उन्होंने 12 मार्च को टेलीफोन पर बातचीत की थी।

'होर्मुज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य जहाज़ों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जापान जैसे सहयोगी देशों के जहाज़ों के लिए ईरान सुरक्षा सुनिश्चित करने को तैयार है।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि तेहरान अस्थायी युद्धविराम के बजाय पूर्ण, व्यापक और स्थायी युद्ध समाप्ति चाहता है। कहा कि ईरान की जवाबी कार्रवाई आत्मरक्षा के तहत जारी रहेगी।

साउथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही रणनीतिक हो गई है। साउथ पार्स भारत से दूर हो सकता है, लेकिन वहां की कोई भी अशांति भारतीय अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित कर सकती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908